आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 01 अंक : 192 रांची, मंगलवार, 25 जून, 2024 (आषाढ़ कृष्ण 04, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

झारखंड में 5 सितंबर तक 26 हजार सहायक शिक्षकों की होगी नियुक्ति : चंपाई सोरेन

- मुख्यमंत्री ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अध्ययन कार्य प्रगति की समीक्षा 24 जून को की। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी 15 अगस्त, 2024 तक इंटरमीडिएट स्तरीय प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 11 हजार पदों पर नियुक्ति और स्नातक स्तरीय प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 15 हजार पदों की बहाली 5 सितम्बर 2024 तक हर हाल में हो, यह सुनिश्चित करें। शेष पेज 08 पर

शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में समृद्ध जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्राथमिक विद्यालयों में जनजातीय एवं क्षेत्रीय विषयों की पढ़ाई प्रारंभ हो सके इसके लिए जनजातीय भाषा के 3538 एवं क्षेत्रीय भाषाओं के 8418 पदों पर जो नियुक्ति की जानी है। इसकी सभी प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सदृश्य वादों में पारित न्यायादेश के आलोक में अंतिम काउंसलिंग के आधार पर चयनित 1511 प्रारंभिक शिक्षकों को जल्द नियुक्ति पत्र दी जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर वैसे स्कूल जिसे कठिन भौगोलिक समस्याओं के कारणों से बंद किया गया था, उन विद्यालयों को फिर से प्रारंभ करने के लिए विभाग द्वारा आवश्यक कार्य योजना बनायी जाए।

छात्रवृत्ति राशि डीबीटी की जा रही

मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की छात्रवृत्ति राशि अनिवार्य रूप से उनके बैंक खातों में डीबीटी कर दिए जाएं। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की छात्रवृत्ति राशि कक्षा 1 से 12 तक के पात्र विद्यार्थियों को डीबीटी किया जा रहा है। वहीं वर्ष 2024-25 के लिए राशि की प्राप्ति होने के उपरांत डीबीटी किए जाने की कार्रवाई की प्रारंभ कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने छात्रवृत्ति राशि एवं साइकिल वितरण कार्य में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया।

जानबूझकर वनपट्टा के आवेदनों को रद्द करने पर होगी कार्रवाई: सीएम

- कार्यशाला में अफसरों को संबोधित करते हुए दी चेतावनी

रांची। रांची-झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि अबुआ वीर, अबुआ दिशोम अभियान को अधिकारी हल्के में नहीं लें। वनपट्टा के आवेदनों को जानबूझकर रद्द नहीं करें। वनपट्टा के लिए प्राप्त आवेदनों को जानबूझकर रद्द करने पर राज्य सरकार उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। मजबूत इच्छाशक्ति से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। वन अधिकार अधिनियम को सरल और पारदर्शी बनाकर झारखंड के वन क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी-मूलवासी सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को ग्राम सभा के निर्णय के अनुसार सम्मान के साथ वनपट्टा दें। वे रांची के एटीआई सभागार में आयोजित कार्यशाला में अफसरों को संबोधित कर रहे थे।

वन अधिकार अधिनियम के तहत हक-अधिकार देना है प्राथमिकता : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (एटीआई) के सभागार में आयोजित अबुआ वीर, अबुआ दिशोम अभियान विषय पर आयोजित कार्यशाला में कहा कि झारखंड के वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी-मूलवासी समेत सभी वर्ग समुदाय के लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत उन्हें उनका हक-अधिकार प्रदान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता किया गया नामित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता नामित किया गया है। उच्च सदन में नड्डा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की जगह लेंगे। जेपी नड्डा के सदन का नेता बनने पर कई अन्य केन्द्रीय मंत्रियों ने भी उन्हें बधाई दी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट करके केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी कुशल कार्यशैली और विशाल राजनीतिक अनुभव निस्संदेह उच्च सदन में नए मानक स्थापित करेगा और हमारे देश की प्रगति में योगदान देगा।

राहुल गांधी ने एनडीए के पहले 15 दिन के हादसे-हमले और घोटाले गिनाए

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के समय से राजनीतिक दलों में जारी वार-पलटवार अभी भी बरकरार है। ये वार-पलटवार तब और भी अहम हो गया, जब सत्ताधारी दल भाजपा को चुनाव में बहुमत नहीं मिला। हालांकि सत्ताधारी दल के गठबंधन एनडीए ने जरूर बहुमत हासिल किया और देश में लगातार तीसरी बार सरकार भी बनाई। शेष पेज 08 पर

देश चलाने के लिए आम सहमति से आगे बढ़ने के सभी प्रयास किए जाएंगे: मोदी

- प्रधानमंत्री ने आपातकाल को बताया भारतीय लोकतंत्र पर एक काला धब्बा

एजेंसियां, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश के लोगों की सेवा के लिए संविधान के दायरे में रहते हुए आम सहमति से आगे बढ़ने के सभी प्रयास किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने आज से शुरू हुए 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत होने से पहले संसद के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन संसदीय लोकतंत्र के लिए गौरवपूर्ण और गौरवशाली है, क्योंकि आजादी के बाद पहली बार शपथ ग्रहण समारोह नई संसद में होगा। प्रधानमंत्री ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को हार्दिक बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सरकार चुनने के लिए नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सरकार की नीयत, नीतियों और लोगों के प्रति समर्पण पर मुहर लगाता है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने एक परंपरा स्थापित करने का प्रयास किया है, क्योंकि हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वसम्मति बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि 140 करोड़ नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सर्वसम्मति और सभी को साथ लेकर मां भारती की सेवा की जाए।प्रधानमंत्री ने इस संसद के गठन को भारत के सामान्य मानवी के संकल्पों को पूरा करने का माध्यम बताते हुए कहा कि यह नए उत्साह के साथ नई गति और ऊंचाई हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने के लिए आज से 18वीं लोकसभा शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद यह केवल दूसरी बार है जब देश ने किसी सरकार को तीसरी बार सेवा करने के लिए अपना जनादेश दिया है। उन्होंने कहा, "यह अवसर 60 वर्षों के बाद आया है जो इसे अपने आप में गौरवपूर्ण बनाता है।"

सभी को साथ लेकर चलने और भारतीय संविधान के दायरे में निर्णय लेने की गति बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा में शपथ लेने वाले युवा सांसदों की संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए देश को आपातकाल की याद दिलाते हुए कहा कि कल 25 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र पर एक काला धब्बा है। उन्होंने कहा कि भारत की नई पीढ़ी उस दिन को कभी नहीं भूलेगी, जब लोकतंत्र को कुचलकर भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था और देश को जेलखाने में बदल दिया गया था। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया ताकि ऐसी स्थिति फिर कभी न आए। प्रधानमंत्री ने कहा, "हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे और भारत के संविधान के अनुसार आम लोगों के सपनों को पूरा करेंगे।"

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की जिम्मेदारी तीन गुना बढ़ गई है, क्योंकि लोगों ने सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना है। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि सरकार पहले से तीन गुना अधिक मेहनत करेगी और तीन गुना बेहतर नतीजे भी लाएगी।

विपक्ष की भूमिका पर बोले मोदी : विपक्ष की भूमिका पर बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की जनता उनसे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखते हुए अपनी भूमिका पूरी तरह निभाने की अपेक्षा करती है। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस पर खरा उतरेगा।" मोदी ने जोर देकर कहा कि लोग नारों के बजाय सार्थकता चाहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सांसद आम नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

प्रधानमंत्री समेत मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की पहली बैठक में आज यानी सोमवार को प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता में सदन ने शुरुआत में राष्ट्रगान के बाद मौन रखा। इसके बाद नेता सदन एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शपथ ग्रहण की। नई संसद में पहले शपथ ग्रहण समारोह से पहले सुबह राष्ट्रपति भवन में महताब को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने महताब को सहयोग करने के लिए पैनल भी तय किया था। इसमें कोडिकुन्नील सुरेश, टीआरबालू, राधा मोहन सिंह, फगन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंद्योपाध्याय का नाम शामिल था। शेष पेज 08 पर

रूस के दागिस्तान में आतंकी हमला, 15 से ज्यादा की मौत

रूस। रूस के दक्षिणी दागिस्तान क्षेत्र में आतंकवादी हमला हुआ है। जानकारी के अनुसार, आतंकियों ने 15 से अधिक पुलिस अफसरों और एक पादरी समेत कई आम नागरिकों की हत्या कर दी है। दागिस्तान के गवर्नर सर्गेई मेलीकोव की ओर से यह जानकारी दी गई है। उनके द्वारा सोमवार तड़के एक वीडियो बयान जारी किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि बंदूकधारियों ने दो शहरों में दो ऑर्थोडॉक्स चर्च के अलावा एक यहूदियों के पूजा करने की जगह और पुलिस चौकी पर गोलीबारी की, जिसमें 15 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। रूस के नेशनल काउंटर टेररिस्ट कमेटी ने बताया कि हमला मुख्य रूप से मुस्लिम क्षेत्र में किया गया जहां, आतंकी गतिविधि पहले देखने को मिल चुकी है। इलाके में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस घोषित किया गया है।

क्या बताया दागिस्तान के मंत्री ने : दागिस्तान के एक मंत्री के द्वारा आतंकी हमले को लेकर बताया गया कि हथियार लिए लोगों के ग्रुप ने कैस्पियन सागर के करीब स्थित डर्बेंट शहर में एक यहूदियों के पूजा करने की जगह और एक चर्च पर हमला किया। रूस के सरकारी मीडिया के अनुसार, चर्च और यहूदी स्थल दोनों में आग लग गयी। दागिस्तान की राजधानी मखचकला में एक चर्च और एक ट्रैफिक पुलिस चौकी पर भी हमले की ऐसी ही खबरें मिली हैं।

विदेश में रची गई हमले की साजिश

अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि हमलों में कितने आतंकवादी शामिल थे। किसी ने हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सूत्रों के हवाले से बताया कि दागिस्तान के एक अधिकारी को, हमलों में उसके बेटों के शामिल होने के संदेह में हिरासत में लिया है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि हमलों की साजिश विदेश में रची गयी थी।

सरकारी महिला कर्मियों को अब 180 दिन का मातृत्व अवकाश

एजेंसियां, नई दिल्ली

50 साल पुराने नियम में बदलाव

केंद्र सरकार सोमवार को ने सरोगेसी से जुड़े 50 साल पुराने नियम में संशोधन करते हुए बड़ी घोषणा की। केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 में किए बदलावों के अनुसार, सरोगेसी के जरिए जन्मे बच्चे को पालने वाली मां बच्चे की देखभाल के लिए अवकाश ले सकती है और साथ ही पिता 15 दिन का पितृत्व अवकाश ले सकता है।

जानें संशोधित नियम में क्या है खास : कार्मिक मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संशोधित नियमों में कहा गया है, सरोगेसी की दशा में, सरोगेट के साथ ही मां को, जिसके दो से कम जीवित बच्चे हैं, एक अथवा दोनों के सरकारी सेवक होने की स्थिति में 180 दिन का मातृत्व अवकाश दिया जा सकता है। शेष पेज 08 पर

हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से लीक हुआ था नीट यूजी का प्रश्न पत्र

- बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने जब्त किये कई अन्य सबूत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि, हजारीबाग

पटना के रामकृष्णा नगर स्थित एक निजी स्कूल से बरामद हुआ नीट यूजी 2024 का अधजला जब्त प्रश्न पत्र का सीरियल कोड हजारीबाग (झारखंड) के मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल परीक्षा केंद्र से लीक हुआ था। शेष पेज 08 पर

(संबंधित खबरें पेज 08 पर भी)

नीट परीक्षा को लेकर लोकसभा में नारेबाजी

नई दिल्ली। नीट परीक्षा में कथित अनियमितता के मुद्दे की गूंज सोमवार को लोकसभा में भी सुनाई दी। जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सदन की सदस्यता की शपथ ग्रहण कर रहे थे, तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की। तत्पश्चात लोकसभा की कार्यवाही 25 जून को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सीबीआई ने बिहार, गुजरात और राजस्थान से नीट-यूजी के 5 मामलों की जांच अपने हाथ में ली

रांची। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने गुजरात और बिहार से एक-एक मामला और राजस्थान से तीन मामलों को अपनी प्राथमिकी के रूप में फिर से दर्ज की है, वहीं महाराष्ट्र के लातूर से एक और मामले की जांच भी एजेंसी के अपने हाथ में लेने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि बिहार के मामले को छोड़कर, अन्य चार मामले अभ्यर्थी की जगह अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा देने तथा स्थानीय अधिकारियों, निरीक्षकों और अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी से संबंधित छिटपुट मामले प्रतीत होते हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय से व्यापक जांच के लिए एक संदर्भ जारी किये जाने पर सीबीआई ने पहले ही मामले के संबंध में अपनी प्राथमिकी दर्ज कर ली है। शेष पेज 08 पर

शिक्षक की भूमिका में नजर आईं विधायक कल्पना सोरेन

- जेसी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचीं, छात्राओं को दीं टिप्स

गिरिडीह। गांडेय विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन शिक्षक की भूमिका में नजर आईं। अपने गिरिडीह दौरे के क्रम में 24 जून को वह सर जेसी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचीं। उन्होंने स्कूल का निरीक्षण किया। छात्राओं से क्लास रूम में मिलीं। इस दौरान कल्पना सोरेन ने छात्राओं से पूछा कि स्कूल में नियमित पढ़ाई होती है या नहीं। शिक्षक नियमित स्कूल आते हैं या नहीं। स्कूल में सारी सुविधाएं मिलती हैं या नहीं। उन्होंने छात्राओं से हिन्दी के साथ अंग्रेजी में भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि हर बच्चे में अलग-अगल गुण होते हैं। उसे पहचान कर बेहतर करने की जरूरत है। आपलोग अपना शत-प्रतिशत दें। पूरी ईमानदारी के साथ पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी हाथ अजमाएं। एक दिन सफलता आपके कदम चूमेगी। मौके पर उन्होंने स्कूल की छात्राओं को काफी जरूरी टिप्स भी दिए।

सरकारी स्कूलों को उत्कृष्ट बनाना, प्राइवेट स्कूलों से बेहतर बनाना, गरीब बच्चों को भी शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए संवेदनशीलता चाहिए। अपने राज्य और राज्यवासियों के प्रति प्रेम चाहिए। उनकी खुशी में अपनी खुशी देखने की नीयत चाहिए। कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'हेमन्त जी ने प्रण लिया और झारखंड के सरकारी स्कूलों ने बेहतरीन कायाकल्प देखा। यह अभियान बहुत बड़ा है, जिसे हमें मिलकर पूरा करना है। बेहतर शिक्षा से ही झारखण्ड आगे बढ़ सकता है। और बेहतर शिक्षा से ही झारखण्ड आगे बढ़ेगा भी। आज गिरिडीह स्थित सीएम स्कू ल ऑफ एक्सीलिंस में बेटियों से मिलकर नई ऊर्जा मिली।'

इसके पूर्व गांडेय विधायक के कल्पना सोरेन के स्कूल पहुंचने पर स्कूल की छात्राओं एवं स्कूल के शिक्षक- शिक्षिकाओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत फूल वर्षा कर की गई। इस मौके पर गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू एवं स्कूल के प्राचार्य मुन्ना कुशवाहा मुख्य रूप से मौजूद थे।

टीएसपीसी के सात नक्सलियों को लातेहार पुलिस ने हथियार के साथ किया गिरफ्तार

लातेहार। झारखंड की लातेहार पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के सात उग्रवादियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। लातेहार पुलिस ने सोमवार को उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में ये जानकारी दी।

हथियार, कैश और नक्सली पर्चे बरामद : लातेहार एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों में दीपक उरांव (ईचाबार, नावागढ़), इस्लाम अंसारी उर्फ रवि (लेधपा बेन्दी), रूपेश कुमार (जामुन टोला, पोचरा), सुजीत कुमार उर्फ सुजु (ठाकुरपाड़ा, नावागढ़), रितेश कुमार रवि (नावागढ़), संजय भुईयां (दीपका टोली, बालूमाथ) व अजय सिंह (नगड़ी पांकी, पलामू) शामिल हैं। सभी की गिरफ्तारी सदर थाना क्षेत्र के इचाबार गांव से रविवार को हुई है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से दो लोडेड देसी रिवॉल्वर, एक लोडेड देसी कट्टा, 315 बोर की चार गोलियां, चार मोबाइल, पांच हजार रुपए कैश, टीएसपीसी के तीन पर्चे व तीन मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

ईंट-भट्ठा मालिकों से मांगते थे लेवी : लातेहार के एसपी ने पत्रकारों को जानकारी दी कि दीपक उरांव व इस्लाम अंसारी जेल से छूटने के बाद इस क्षेत्र में टीएसपीसी उग्रवादी संगठन को मजबूत करने के लिए कुछ युवकों के साथ गिरोह बनाकर ज्ञानचंद पांडेय, टन्नू सिंह व गोविंद साव समेत कई ईंट-भट्ठा मालिकों को फोन कर लेवी की मांग करते थे। लेवी नहीं देने पर टन्नू सिंह के ईंट-भट्ठे में मजदूरों के साथ मारपीट भी की थी। मामला दर्ज कर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। इसके बाद नक्सलियों को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

हॉकी लीग चैंपियनशिप का शुभारंभ

खूंटी। प्रथम हॉकी खूंटी जूनियर बालक बालिका लीग चैंपियनशिप का शुभारंभ सोमवार को खूंटी में हुआ। अंतरराष्ट्रीय विश्व कप हॉकी खिलाड़ी सुशील टोपनो और हॉकी संघ खूंटी के पदाधिकारियों ने चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। सोमवार को कुल आठ मैच खेले गए बालक वर्ग के पहले मैच से प्लस टू हॉकी केंद्र ने डे बोर्डिंग सेंटर खूंटी को 5-0 से पराजित किया।दूसरे मैच में हॉकी खूंटी ने डे बोर्डिंग तोरपा को 6-0 से, तीसरे मैच में आरडीसी बिचना ने डे बोर्डिंग गोविंदपुर को 11-0 से पराजित किया। चौथे मैच में हॉकी खूंटी और एसएस प्लस टू हॉकी सेंटर के बीच खेला गया मैंच एक-एक गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। बालिका वर्ग के पहले मैच में डे बोर्डिंग खूंटी को आरडीसी बिचना ने 1-0 से पराजित किया। दूसरे मैच में उे बोर्डिंग गोंविंदपुर ने डे बोर्डिंग तोरपा को 2-1 से पर्रिजत किया। तीसरे मैच में हॉकी खूंटी और रूट फाउंडेशन के मैच में हॉकी खूंटी 3-2 से खूंटी विजयी रही, जबकि चौथे मैच में डे बोर्डिंग खूंटी और डे बोर्डिंग तोरपा के मैच में खूंटी 2-1 से विजयी रही।

हक के लिए किया गया विरोध प्रदर्शन

रामगढ़ । श्रमिकों और किसानों के हक के लिए एक्टू के बैनर तले सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संगठन के नेताओं ने नुक्कड़ सभा की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एक्टू के प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिला सचिव अमल घोषाल ने कहा कि श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 14 जून 2024 को एक नया अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि पीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा -लिंक्ड बीमा योजना (ईडीएलआई) योगदानों के जमा करने में देरी पर दंडात्मक शुल्कों को भारी रूप से कम कर दिया गया है, जिसमें श्रमिकों का हिस्सा भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एक्टू मोदी की 3.0 सरकार की इस कारपोरेट - हितैषी , मजदूर विरोधी कदम का पुरजोर विरोध करती है। एक्टू इसे मजदूरों की कड़ी मेहनत की कमाई की लूट कहता है और एनडीए मोदी सरकार से इस अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग करता है। एआईसीसीटीयू देश के श्रमिक वर्ग से इस कदम का पूरी ताकत से विरोध करने का भी आह्वान करती है। इस अवसर पर एक्टू प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिला सचिव अमल घोषाल, जिला अध्यक्ष महादेव मांझी, रूदल राय, बिजय प्रजापति, भीम प्रजापति, कामेश्वर महतो, महादेव मांझी सरयू बेदिया,भीम प्रजापति सहित कई लोग शामिल थे।

कार को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, महिला की हुई मौत

संवाददाता

रामगढ़ । जिले के कुजू ओपी क्षेत्र के फोरलेन सड़क पर दिगवार ओवरब्रिज के निकट कार ट्रक की टक्कर में एक महिला की मौके हो गई। घटना रविवार की देर रात की है, जहां अमृता ठाकुर पति सत्य प्रियदर्शी ठाकुर कार (बीआर 06 सीजे 7206) पर सवार होकर समस्तीपुर से रांची की ओर जा रहे थे।

इस दौरान दिगवार ओवरब्रिज के निकट ट्रक (जेएच 02 टी 8597) से कार की जोरदार टक्कर हो गई। घटना में कार में सवार अमृता ठाकुर कार से निकलकर ट्रक के अगले पहिए के नीचे जा गिरी, जिससे ट्रक के पहिए के नीचे दबने से अमृत की मौके पर ही मौत हो

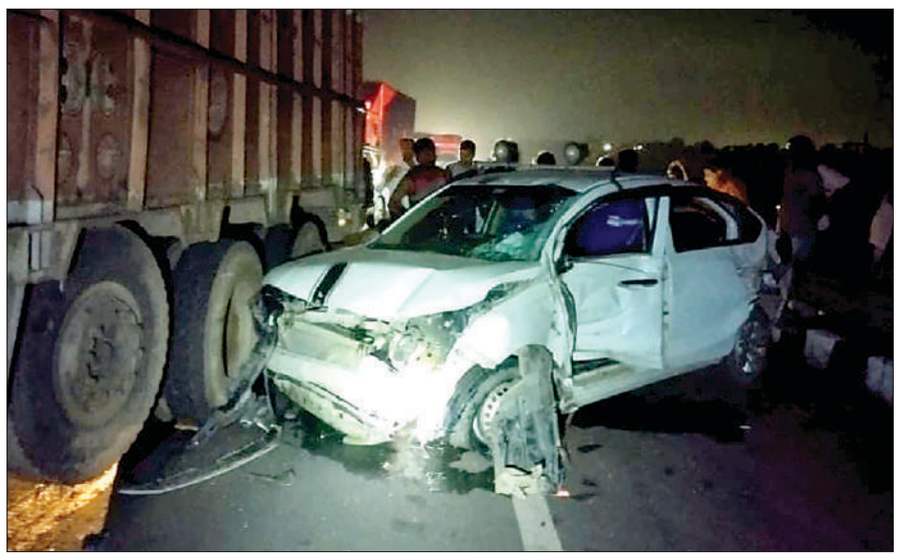

गई। जबकि कर पर सवार अन्य लोग बाल बाल बच गए। घटना की सूचना पाकर सोमवार को पहुंची ओपी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। साथ ही महिला के शव को अंत्यपरीक्षण के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल भेज दिया।

विहिप हर पंचायत में करेगी पौधरोपण

खूंटी। स्थानीय लोबिन बागान स्थित विश्व हिंदू परिषद के अस्थायी कार्यालय में सोमवार को विहिप जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में झारखंड प्रांत से आये संगठन मंत्री देवी सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के साथ ही हिंदू संगठनों को सशक्त बनाने और समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने के विषय पर स्थानीय विहिप कार्यकताओं के साथ चर्चा की। चर्चा के उपरांत निर्णय लिया गया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हर पंचायत में कम से कम पांच पौधा रोपण किया जाएगा। इसके साथ ही हिंदू संगठनों को सशक्त बनाने और समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से सप्ताह में एक दिन वर्ग शाखा का कार्यक्रम तथा मंदिरों में सामुहिक आरती का कार्यक्रम आयोजित करने और इन आयोजनों में सभी सनातनियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया।

जिला जज ने रजरप्पा मंदिर के लिए दो यात्री वाहनों को दिखाई हरी झंडी

रजरप्पा मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा

संवाददाता

रामगढ़। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां छिन्नमस्तिका सिद्ध पीठ और रजरप्पा मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार दुबे ने व्यवहार न्यायालय परिसर से सांकेतिक रूप से दो यात्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आलोक कुमार दुबे ने कहा कि वाहन का संचालन रामगढ़ शहर अंतर्गत बस स्टैंड रामगढ़ से रजरप्पा मंदिर तक एवं एक वाहन का संचालन बरकाकाना रेलवे स्टेशन रामगढ़ से रजरप्पा मंदिर तक निर्धारित दर पर प्रातः 5:00 से शाम 6:00 के बीच किया जाएगा। इसके अलावा पतरातू डैम घूमने के लिए आने वाले पर्यटकों के लिए भी वाहन का संचालन ट्रैक्टर स्टैंड से किया जा रहा है। इस मौके पर प्रधान कुटुंब न्यायाधीश लोलार्क दुबे, उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो, एडीजे 2 कुसुम कुमारी, सीजेएम मनोज कुमार, एसीजेएम संदीप कुमार, डालसा सेक्रेटरी अनिल कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी श मनीषा वत्स सहित अन्य उपस्थित थे।

ट्रक की चपेट में आयी ऑल्टो कार, बाल-बाल बचे कार सवार

संवाददाता

सिल्ली। रांची पुरुलिया मुख्य मार्ग सिल्ली बजार पर आदि दुर्गा मंदिर के समीप सोमवार को सुबह को एक मारुति अल्टो कार ट्रक की चपेट में आ गई। इस हादसे से कार पुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। कार में सवार लोग बाल बाल बचे। जानकारी के मुताबिक सारायकेला निवासी बिनोद कुमार अपनी अल्टो कार (जेएच 05 बीडी 1616) से राजरप्पा छिन्मस्तिका मंदिर में दर्शन के लिए गए थे वापस लौटने के क्रम में सिल्ली बजार में सामान खरीद कर आगे निकलने ही वाले थे कि कार पीछे से आ रही ट्रक के चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार के दाहिने ओर से ट्रक टकरा गया।जिससे कार को आगे की ओर बढ़ गया। कार के अंदर बैठा लोग इस हादसे से बाल बाल बच गये। दुर्घटना के बाद थोड़ी देर के लिए सड़क जाम हो गई और वाहनों की कतार भी लग गई। सुचना पाकर पहुंची सिल्ली पुलिस द्वारा कार को सड़क से हटा दिया गया तब जाकर यातायात सामान्य हुआ। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर घटना की जांच कर रही है।

कई लोगों ने थामा जेबीकेएसएस का दामन

खूंटी। आम अवाम विकास मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव मनीष साहू और खूंटी जिलाध्यक्ष कुणाल भगत ने सोमवार को अपने समर्थकों के साथ झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का दामन थामा।

पार्टी के केंद्रीय महासचिव दीपक महतो की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय मे कार्यकताओं का स्वागत किया गया। पार्टी के अध्यक्ष जयराम महतो ने कार्यकताओं को बधाई दी। बैठक मे खूंटी और सिमडेगा जिले के कई युवाओं ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की सदस्यता ग्रहण की। जेबीकेएसएस के सिद्धांतों और नीतियों से प्रभावित होकर युवा इसमें जुड़ रहे हैं। मोके पर पंचम एक्का, जोरेंज बारला, गौतम विश्वकर्मा, अमनदीप मांझी, गोपाल सिंह, नागेंद्र सिंह, सुभाष महतो, शशांक शेखर, कुणाल कश्यप आदि उपस्थित थे।

आजसू ने प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार व अनियमितता के खिलाफ बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

सिल्ली। आजसू पार्टी सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र करमाली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार, अनियमितता और जनहित के मुद्दे को लेकर बीडीओ रेणु बाला व सीओ अरूणिमा एक्का को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में शमिल केंद्रीय सचिव जयपाल सिंह, सुनील सिंह, संजय सिद्धार्थ, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, उपप्रमुख आरती देवी आदि ने ज्ञापन का बिंदु बार उल्लेख करते हुए समय पर समाधान की मांग की।

बीडीओ एवं सीओ ने सभी मांगों का क्रमबद्ध रूप से जबाब देते हुए आश्वस्त किया कि ज्ञापन के अनुरूप कार्य होगा। दिए गए ज्ञापन में आजसू ने लंबित दाखिल खारिज

का निष्पादन, पंजी 2 सुधार के लंबित मामले का समाधान, अबुआ आवास चयन में पारदर्शिता लाया जाए तथा जरूरत मंद एवं गरिबों को इसका समुचित लाभ मिले। जाति, आय, आवासीय, मृत्यु एवं जन्म प्रमाणपत्र निर्गत करने में शीघ्रता लाया जाए, क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए जरूरी पहल की जाए, अंचल एवं प्रखंड कार्याल में पदस्थापित सभी कर्मियों की उपस्थिति सरकारी नियम अनुसार सुनिश्चित किया जाए, जंगली हाथियों के द्वारा ग्रामीणों के किए गए नुकसान का आकलन कर समय पर मुआवजे का भुगतान का अविलंब निराकरण, सभी प्रकार के पेंशन का भुगतान नियमित रूप से किया जाए, सभी राशन कार्डधारीयों को सही वजन एवं समय पर राशन आपूर्ति किया जाए, किसानों को खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर किया जाए?, मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन एवं भुगतान तथा शीघ्र किया जाए ताकि वर्षो से पहले कार्य पूर्ण किया जा सके, सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारियों एवं उनके परिवार के आश्रितों को प्राथमिकता दिया जाए।

वहीं ज्ञापन में कहा गया कि 15 दिनों में मांगों पर विचार नहीं करने पर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में आजसू पार्टी उग्र आंदोलन करेगी, इसकी जिम्मेदारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय की होगी। इस मौके पर मथुरा महतो, शशि सोनार, प्रफुल्ल महतो, पुर्व मुखिया सम्बत बड़ाइक, मुखिया हरिपद मांझी, पंसस अरविंद सिंह , संदीप कुमार, कालीचरण महतो आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

चोरों ने तोड़ दिया चार दुकानों का ताला

संवाददाता

रामगढ़ । रामगढ़ शहर के सुभाष चौक के समीप टीओपी के सामने ही चोरों ने चार दुकानों का ताला तोड़ दिया। पुलिस मूकदर्शक बनी रही और लाखों रुपए की संपत्ति चोरर उड़ा कर ले गए। साथ ही लोहार टोला में एक दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। रविवार की रात्रि में चोरों ने लोहार टोला के बालाजी हनुमान मंदिर के बगल में विश्वकर्मा फैशन हब का ताला तोड़ कर कांउटर से 4 हजार नकद सहित हजारों रुपए के सामानों की चोरी कर ली।

दुकान के संचालक आदर्श विश्वकर्मा पिता बद्री विश्वकर्मा ने बताया कि रोजाना की तरह दुकान बंद की थी। सुबह दुकान का ताला टूटा पाया गया। दुकान में सामान

बिखरा पड़ा था और चोर ताला तोड़ने का औजार छोड़ कर भागे है। वहीं, चोरों ने मेन रोड के टीओपी के पास राजा यादव की चाय दुकान, वाल्मिकी की चाय दुकान, बब्लू के समोसा दुकान और कपड़े की सिलाई दुकान का भी ताला और दरवाजा तोड़ कर नकद व सामान चोरी कर ली।

दुकानदारों का कहना है कि टीओपी के पास ही चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस तरह चोरी होने से दुकानदार दहशत में है। इधर, पुलिस ने चोरी की घटना के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। दशक में काम कर रहे दुकानदारों ने कहा कि पुलिस को गस्ती और तेज करने की आवश्यकता है, ताकि व्यापारियों को और नुकसान ना हो।

शिलान्यास के बाद भी सड़क नहीं बनने से ग्रामीणों में छायी मायूसी

राहे। प्रखंड के पाठकडीह-नावागांव से शिवटंगरा-उरांवडीह तक 3.75 किलोमीटर निर्माण कार्य शिलान्यास होने के तीन माह बीत जाने के बाद भी कार्य प्रारंभ नही हुआ है। सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में काफी मायूसी है। सड़क इतना जर्जर हो गया है कि साईकिल चलना मुश्किल है। बाइक से रोजाना दुर्घटना हो रही है।सड़क और बड़े बड़े पत्थर और गड्ढे निकल आए हैं। ग्रामीणों के लिए प्रखंड कार्यालय और पंचायत कार्यालय आने जाने का मुख्य मार्ग है। लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सड़क की आवश्यकता को देखते हुए विधायक सुदेश महतो ने निर्माण कार्य का शिलान्यास फरवरी माह को किए थे। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 3.75 किलोमीटर सड़क निर्माण एक करोड़ 60 लाख लागत से किया जाना है।

जेबीकेएसएस की बैठक सम्पन्न

सिल्ली। प्रखंड के पाटका गांव में झारखंडी भाषा खतियानी संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) कि एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरे कृष्ण महतो ने एवं संचालन राजू महतो ने किया।बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। सर्वसम्मति से निर्माण लिया गया कि सिल्ली विधानसभा में पार्टी मजबूती के चुनाव में उतरेगी। सभी कार्यकताओं ने अपने अपने क्षेत्र में संगठन को मजबूती पर कार्य करने का संकल्प लिया। वहीं अगामी 28 जून को बैठक कर क्षेत्र के लिए बेहतर प्रत्यासी चयन कर केंद्रीय समिति को भेजने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर खुदीराम महतो, गुहीराम स्वांसी, संजीव महतो, बिनोद महतो, रमेश महतो, अरबिन्द महतो, कार्तिक कुमार, रंजीत कुमार, संजय कुमार, नीलकमल, शंकर महतो, करम चंद महतो, रामसाय, रमेश, अरबिन्द, राजकिशोर, चैतन, भागीरथ, अवधेश कुमार, समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा सिल्ली मंडल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई पुण्यतिथि

सिल्ली। सिल्ली मंडल के भाजपा कार्यकताओं ने रविवार को सिल्ली जाम टोला स्थित साय निवास में रविवार शाम को जन संघ के संस्थापक और राष्ट्रवादी नेता डॉ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर कार्यकताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कार्यकताओं ने उनके द्वारा किए गए अमूल्य कार्यों को अपनाते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करने का संकल्प लिया। मौके पर एक वृक्ष मां के नाम कार्यक्रम के तहत साय निवास परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर पूर्णिमा सिंह देव, महामंत्री हरिहर महतो, सुधीर साहू, राजेन्द्र प्रसाद साय, कांचन सोनार , चंदन गोस्वामी, नीलकंठ स्वर्णकार, संदीप सिंह देव, कृष्ण रविदास, भूटान सिंह, महादेव बड़ाईक आदि मौजूद थे।

पुलिस ने हत्या के आरोपी मां और बेटे को भेजा जेल

सिल्ली। सिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों हुई एक हत्या कांड के मामले में मृतका पूजा देवी (23) के पति भानु प्रताप सिंह मुंडा एवं मृतक की सास पार्वती देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने सिल्ली के सरकारी अस्पताल से पिछले 22 जून को मृतक का शव बरामद किया था। इसके बाद से ही पुलिस मृतका के पति एवं उसके रिश्तेदारों से लगातार पूछताछ में जुटी थी। थाना प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि विवाहिता की हत्या दहेज एवं घरेलू विवाद के कारणों से हुई है। विवाहिता की शादी करीब साल भर पहले हुई थी घरेलू विवाद और दहेज के कारण इसे मार दिया गया। मारने के बाद इसको आत्महत्या का रूप देने की कोशिश में शव को अस्पताल में इलाज करवाने के लिए लाया गया था। दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आनंद साईं दरबार का 14वां स्थापना दिवस समारोह भव्य पालकी यात्रा के साथ आरंभ

- श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह
- पूर्व विधायक ममता देवी सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

संवाददाता

रामगढ़। राधा कृष्ण कॉलोनी स्थित आनंद साईं दरबार का 14वां तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह साईं बाबा की भव्य पालकी यात्रा के साथ 24 जून को आरंभ हुआ। पालकी यात्रा से पूर्व पुजारी राजेश पांडे ने यजमान रोहित कुमार गुप्ता एवं बसंत कुमार के हाथों पर साईं बाबा की विधिवत पूजा अर्चना संपन्न करवाई। इसके उपरांत मंदिर परिसर से गाजे बाजे के साथ साईं बाबा की पालकी यात्रा आरंभ हुई। पालकी यात्रा झंडा चौक, चट्टी बाजार, लोहार टोला, सुभाष चौक, मेन रोड होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई।

साईं बाबा के भजनों से वातावरण हुआ भक्तिमय

पालकी यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल श्रद्धालु साईं बाबा के मुधर भजनों का गायन करते बढ़ते चल रहे थे। जिससे वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो गया था। साईं बाबा का वेष धारण किये विमल शर्मा लोगों को कर रहे थे आकर्षित पालकी यात्रा में साईं बाबा की वेष में शामिल पूर्व विधायक यमुना शर्मा के पुत्र विमल शर्मा लोगों के लिए आकर्षकण का केंद्र बने हुए थे। आनंद साईं दरबार के स्थापना दिवस समारोह को लेकर मंदिर मंदिर का रंग रोगण करवाया गया है। साथ ही आकर्षक विद्युत बल्बों से मंदिर को सजाया गया है।

आनंद साईं दरबार के स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन मंगलवार को पूजन एवं हवन का अनुष्ठान संपन्न होगा। जबकि बुधवार को 12:30 बजे से मंदिर परिसर में अटूट भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भंडारे का महाप्रसाद ग्रहण करेंगे।

विभिन्न संगठनों ने श्रद्धालुओं का किया स्वागत

साईं बाबा की पालकी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का विभिन्न संगठनों द्वारा जगह जगह शीतल पेयजल आदि देकर स्वागत किया गया। गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान परमदीप सिंह कालरा एवं बलजीत सिंह बेदी के नेतृत्व में पालकी यात्रा में शामिल श्रद्धालु का शीतल पेयजल से स्वागत किया गया। साथ ही साहू समाज की ओर से भी पालकी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

ये हुए शामिल

साईं बाबा की पालकी यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व विधायक ममता देवी, समाज सेवी नंदकिशोर गुप्ता, मनोज मंडल, रंजन फौजी, उमेश सिंह, संतोष सिंह, कौशल सिंह, विमल बुधिया, अजीत जायसवाल, सुबोध सिन्हा, मुन्ना सिन्हा, आनंद प्रताप सिंह, शैलेन्द ठाकुर, अरूण कुमार महतो, दीपक अग्रवाल, शरद सिन्हा,अजीत कुमार,सुभाशीष,अरविंद अग्रवाल,विनोद साव, राजेश प्रसाद, जीतू अग्रवाल, शशि पांडे, अशोक शर्मा, विशाल यादव, विनोद जायसवाल, सन्नी सिन्हा, संजय कुमार, चंदन प्रसाद, उमेश महतो, मौजन कुमार, आयुष कुमार गुप्ता, सुरेश प्रसाद, अनूप विश्वकर्मा, शीतल सिंह, मल्लिका दत्ता, ज्योति मानसाता, नीलम केसरी, संध्या शर्मा, पूनम टोप्पो, लक्ष्मी पटेल, रिमनी कुमारी, ललिता देवी, मालती देवी, अंजू देवी, उषा देवी, सुशीला देवी, मीना देवी, शोभा देवी, तारा देवी, सरिता देवी, मुनिया देवी सहित अनेक लोग शामिल हुए।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

रामगढ़। दुलमी प्रखंड अंतगत दुलमी बाजार टांड में सोमवार को सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि दुलमी प्रखंड बीस सूत्री सुधीर मंगलेश, विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पाण्डेय,मुखिया रंजू देवी ने खिलाड़ियों से परिचय कर व बोल को किक मारकर मैच की शुरूआत की। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि फुटबॉल विश्व का लोकप्रिय खेल है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। ये बच्चे प्रखंड में विजेता होने के बाद जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस तरह के आयोजन से सरकारी विद्यालय के बच्चों के बीच खेल के प्रति उत्साह बढ़ता है। मौके पर शिक्षा विभाग से मिथलेश कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त

अग्रवाल युवा सभा, रांची ने 'अग्रसेन धारा' चलंत प्याऊ की पहल की

रांची : जीवन में पुण्य कार्य करने के कई तरीके है। उनमें से एक कार्य प्यासे को पानी पिलाना भी है। इसी ध्येय वाक्य को आत्मसात करते हुए अग्रवाल युवा सभा, रांची ने 'अग्रसेन धारा' चलंत प्याऊ की पहल की है। अग्रवाल युवा सभा, रांची द्वारा निःशुल्क चलंत प्याउ, अग्रसेन धारा का आज 51वां दिन है। यह सेवा पिछले 50 दिनों से प्रचंड गर्मी में निरंतर बारी - बारी शहर के विभिन्न स्थानों में जाकर वहाँ के नागरिकों, दुकानदारों एवं राहगीरों को शीतल पेय जल, सत्तू पानी, ग्लूकोज पानी, आम पानी एवं अन्य पेय पदार्थ की सुविधा उपलब्ध करा रही है। अभी तक 'अग्रसेन धारा' ने पिछले 50 दिनों में श्रद्धानंद रोड, द्वारकाधीश वस्त्रालय गली, सोनार पट्टी, बारूद दुकान गली, नॉर्थ मार्केट रोड, ईस्ट मार्केट रोड, वेस्ट मार्केट रोड, प्यादा टोली, महावीर चौक, गांधी चौक, बड़ा लाल स्ट्रीट, कोतवाली थाना, नागा बाबा खटाल, राजभवन, कचहरी रोड, लालपुर अग्रसेन चौक के पास, रातू रोड, पंडरा बाजार, मेन रोड आदि जगहों पर अपनी सेवा प्रदान की है। अग्रसेन धारा प्रभारी मयूर पोद्दार, मोहित अग्रवाल, निशान अग्रवाल ने पूरी लगन और मेहनत के साथ इस सेवा को और भी बेहतर तरीके से देने में लगे हुए हैं।

आज विशेष लोक अदालत का आयोजन

रांची : सोमवार को रांची जिला के सभी अंचलों में कैंप लगाकर राजस्व सम्बन्धी वादों के निष्पादन हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसके सम्बंधित अंचल के अंचल अधिकारी रहेंगे। विशेष कैंप में राजस्व सम्बन्धी वादों यथा दाखिल-खारिज/अतिक्रमण/लगान निर्धारण एवं अन्य राजस्व सम्बन्धी वादों का निष्पादन किया जाएगा। जानकारी हो कि दिन शनिवार, 29 जून, 2024 को रांची के न्यायपीठ में लंबित एवं मुकदमे-पूर्व चरण के भूमि एवं राजस्व मामलों के निपटारा के लिए एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्री-स्पेशल लोक अदालत दिनांक 24 जून 2024 से 28 जून 2024 तक आयोजित की जाएंगी। विशेष लोक अदालत न्यायालयों में लंबित भूमि एवं राजस्व मामलों के साथ-साथ मुकदमेबाजी से पूर्व के मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान किया जाएगा।

रक्तदान पखवाड़ा के 11वें दिन लगाया 15वां रक्तदान शिविर

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा 14 जून से 30 जून तक रक्तदान पखवाड़ा मना रहा है जिसके अंतर्गत निरंतर रक्तदान शिविर लगाने का तथा लोगो को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। मंच ने पखवाड़ा के 11वे दिन भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह पखवाड़ा के अंतर्गत मंच का 15वां रक्तदान शिविर है। 24.06.24 को अपर बाजार स्थित गोयल एंटरप्राइजस में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर मे 17 लोगों ने रक्तदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने मे सहयोग दिया। यह शिविर सेवा सदन ब्लड बैंक एवं उनकी टीम के सहयोग से संपन्न हुआ। रक्तदान शिविर के संयोजक मंच के रक्तदान प्रभारी विष्णु अग्रवाल एवं प्रवीण अग्रवाल थे। मंच के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया के कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मंच के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, सचिव सोनित अग्रवाल, विकाश गोयल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मम्मा डे के रूप में मनाया मातेश्वरी जगदम्बा का 55वां पुण्य स्मृति दिवस

रांची : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कांके पिठौरिया के द्वारा आज दिनांक 24 जून 2024 दिन सोमवार को मातेश्वरी जगदम्बा जी की पुण्य स्मृति दिवस मम्मा डे के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर ममा जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की गई। लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि भी अर्पित किए। इस अवसर पर संस्था कि संचालिका ब्रह्माकुमारी राजमती बहन ने कहा कि मम्मा ज्ञान,स्नेह और शांति की मूर्ति थी।

झारखंड में शुरू हुई कोयला गैसीकरण की देश की पहली पायलट परियोजना

एजेंसी

रांची/नई दिल्ली : कोयला मंत्रालय के रणनीतिक निर्देशन के अतर्गत ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने झारखंड के जामताड़ा जिले के कास्ता कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) के लिए एक अभिनव पायलट परियोजना का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य कोयला उद्योग में क्रांति लाना है। इसके लिए मूल स्थान पर कोयला गैसीकरण का उपयोग कर-के इसे मीथेन, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसे गैसों में परिवर्तित करना है।

इन गैसों का उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, ईंधन, उर्वरक, विस्फोटक और अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक फीडस्टॉक्स के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। कोयला मंत्रालय कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह कोयले को विभिन्न उच्च मूल्य वाले रासायनिक उत्पादों में परिवर्तित करते हुए इसकी क्षमता को पूर्ण रूप से उपयोग में लाता है। यह पायलट परियोजना कोल इंडिया और इसकी सहायक कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत को उन्नत कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में अग्रणी के रूप में स्थापित करती है।

दिसंबर, 2015 में कोयला मंत्रालय ने कोयला और लिग्नाइट युक्त क्षेत्रों में यूसीजी के लिए एक व्यापक नीतिगत प्रारूप को स्वीकृति दी थी। इस नीति के अनुरूप, कोल इंडिया ने भारतीय भू-खनन स्थितियों के अनुरूप यूसीजी प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए कस्ता कोयला ब्लॉक का चयन किया। ईसीएल द्वारा सीएमपीडीआई और कनाडा की एर्गो एक्सर्जी टेक्नोलॉजीज इंक (ईईटीआई) के सहयोग से यह परियोजना दो वर्ष तक संचालित की जाएगी। इसमें दो चरण शामिल हैं।

22 जून, 2024 को प्रारंभ हुए प्रथम चरण में बोरहोल ड्रिलिंग और कोर टेस्टिंग के माध्यम से तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करना शामिल है। दूसरे चरण में कोयला गैसीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सीआईएल आरएंडडी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित यह महत्वाकांक्षी आरएंडडी परियोजना, उप-कार्यान्वयन एजेंसियों के रूप में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और एर्गो एक्सर्जी के बीच सहयोग का एक उत्कृष्टी उदाहरण है।

यह प्रोजेक्ट कोयला संसाधन उपयोग में नए मानक स्थापित करने के उद्देश्य के साथ जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा इससे भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वोपूर्ण योगदान मिलेगा। कोयला मंत्रालय इस क्षेत्र में नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, इससे राष्ट्र के लिए एक सुगम और पर्यावरणीय रूप से स्थायी ऊर्जा भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग ने आईक्यूएसी, एसबीयू और आईएसएचआरई के सहयोग से पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने किया।

इस अवसर पर प्रो. गोपाल पाठक ने उपस्थित श्रोताओं को ग्रीन एनर्जी तकनीक के महत्व और इससे जुड़े नवीनतम शोध के विषय में बताया। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत 'मनुष्य पर्यावरण का निमार्ता और विध्वंसक दोनों है' के साथ की। पर्यावरण से संबंधित आईपीसीसी की रिपोर्ट की चर्चा करते हुए पर्यावरण की कीमत पर विकास को गैर जरूरी करार दिया।

कार्यक्रम में डॉ. पंकज गोस्वामी ने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की उपयोगिता और उद्देश्यों की चर्चा की। सेमिनार का संचालन डॉ. वी.एन. लक्ष्मी दुर्गा और धन्यवाद डॉ. सागर सारंगी ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. वी.के. सिंह, डीन डॉ. नीलिमा पाठक, डॉ. संदीप, डॉ. पंकज गोस्वामी, डॉ. एस.बी. डांडिन समेत विवि के अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

आजसू पार्टी ने निकाला आक्रोश कैंडल मार्च

संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी रांची महानगर ने सोमवार को ओरमांझी में 12 वर्षीय बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और सरकार की नाकामी, प्रशासन की विफलता के विरोध में आजसू पार्टी ने रांची यूनिवर्सिटी गेट से फिरायालाल चौक तक आक्रोश कैंडल मार्च निकाला जिसमें सैंकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

कैंडल मार्च का नेतृत्व आजसू पार्टी केन्द्रीय सचिव सह रांची महानगर प्रभारी जितेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सभी को पीड़ित बच्ची एवं उनके परिवार के प्रति गहरी सहानुभूति है एवं आजसू पार्टी उन्हें हर संभव सहायता देगी। पीड़ित बच्ची के साथ जो हुआ वो जघन्य अपराध है और सरकार एवं प्रशासन से मांग करते हैं कि न्यायोचित कार्रवाई करते हुए अपराधी को सजा, पीड़ित एवं उसके परिवार को समुचित सुरक्षा, उचित मुआवजा अविलम्ब प्रदान की जाय। आजसू पार्टी न्याय की मांग करती है, न्याय नहीं मिलने पर आजसू पार्टी चरणबद्ध उग्र आंदोलन को बाध्य होगी। रमेश गुप्ता ने कहा कि चंपई सोरेन की सरकार मतलब जंगल राज हरेक वर्ग परेशान है जनता जल्द जवाब देगी।

बंटी यादव ने कहा कि मौजूदा झारखंड सरकार राज्य के लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम रही है आए दिन चोरी, डकैती, चेन छिनतई, बलात्कार आदि घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है, अपराधियों का मनोबल चरम पर है। जनता देख रही है आने वाले विधानसभा चुनाव में यही जनता जनार्दन इस निरंकुश सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

मांगें पूर्ण हों, अन्यथा युवा आजसू महाविद्यालय में करेगी आन्दोलन : विशाल कुमार यादव

संवाददाता

रांची : सोमवार को युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल विशाल यादव के नेतृत्व में मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कर उन्हें 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपते हुए युवा आजसू से के विशाल यादव ने मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से कहा पूरे कैंपस में छात्र-छात्राओं के लिए वाईफाई की व्यवस्था की जाए। मारवाड़ी महिला महाविद्यालय मैं लिफ्ट की मरम्मत कर उसे चालू किया जाए। महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के पढ़ने के लिए नई शिक्षा नीति के अनुसार किताबें उपलब्ध नहीं है नहीं शिक्षा नीति सिलेबस के अनुसार किताबें उपलब्ध कराई जाए महाविद्यालय में शिक्षकों नॉन टीचिंग स्टाफ एवं सफाई कर्मी की कमी के कारण आए दिन यहां के छात्र-छात्राएं काफी परेशानी का सामना करते हैं महाविद्यालय में शिक्षक नॉन टीचिंग स्टाफ एवं सफाई कर्मी की बहाली अभिलंब की जाए।

मौके पर मौजूद मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार ने युवा आजसू के सदस्यों को आस्वस्थ किया की आपकी सभी मांगे जायज है इन सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा कर दिया जाएगा।

रांची में प्रतिष्ठित रेस्तरां बीकानेर प्रीमियम का भव्य उद्घाटन

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में प्रतिष्ठित रेस्तरां ब्रांड बीकानेर प्रीमियम का उद्घाटन अशोक नगर रोड नंबर 2 स्थित साई आर्केड पर किया गया। यह शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट है जो पूरे देश में काफी प्रचलित है जिसमें मिठाइयां, वेज थाली के साथ-साथ चाइनीस एवं बच्चों की पसंदीदा खाद्यान्न की बड़ी रेंज उपलब्ध। रेस्टोरेंट का उद्घाटन वित्त, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया , झारखंड राज्य के जाने-माने समाजसेवी एवं उद्यमी रोशनलाल भाटिया बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। डॉ रामेश्वर उरांव ने रांची बीकानेर प्रीमियम की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये हमारे राजधानी रांची एवं झारखंड राज्य के लिए गौरव की बात है देश का एक प्रतिष्ठित ब्रांड हमारे शहर में आया है।रेस्तरां बीकानेर प्रीमियम के डायरेक्टर स्वप्निल सौरव ने मीडिया को बताया कि हमारे यहां सभी ग्राहक वर्ग और उनकी मांग को देखते हुए मेन्यू डिजाइन किया गया है सर्वोत्तम ग्राहक सेवा एवं बेस्ट क्वालिटी फूड देना ही हमारा। सर्वप्रथम लक्ष रहेगा। इस मौके पर बीकानेर प्रीमियम के अधिकारी एवं क्षेत्र के कई लोग उपस्थित थे।

मध्यस्थता में मध्यस्थों व अधिवक्ताओं की भूमिका अहम : दिवाकर पांडे

संवाददाता

रांची : झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय, रांची में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। यह मध्यस्थता अभियान दिनांक 28.06.2024 तक चलेगा। वादकारी 28.06.2024 तक मध्यस्थता केंद्र, रांची में आकर मध्यस्थता के माध्यम से वादों को सुलझा सकते है। विशेष मध्यस्थता अभियान में तलाक संबंधी मामले, वैवाहिक पुर्नस्थापना के मामले, दत्तक ग्रहण के मामले, भरण-पोषण के मामले, बच्चों के संरक्षकता एवं अभिरक्षा के मामले, परिवार न्यायालय में लंबित अन्य मामले, दहेज प्रतिषेध अधिनियम के मामले, भा.द.वि. की धारा-498ए के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, घरेलू हिंसा अधिनियम के अन्य मामलों का निस्तारण मध्यस्थों व अधिवक्ताओं के द्वारा किया जायेगा। उक्त तिथि को वादकारी उपस्थित होकर अपने वादों का निस्तारण करा सकेते हैं। ज्ञात हो कि विशेष मध्यस्थता अभियान के पहले दिन कुल 37 (सैंतीस) मामले विभिन्न न्यायालय से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र रांची में आये थे।

दो समुदायों के बीच झड़प मामले को लेकर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल नेता प्रतिपक्ष की अगवाई में राज भवन पहुंचकर पाकुड़ जिला के गोपीनाथपुर गांव में हुए दो समुदायों के बीच झड़प मामले को लेकर एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल को सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में विधायक सारठ रणधीर सिंह, विधायक भवनाथपुर भानु प्रताप शाही, विधायक गोड्डा अमित कुमार मंडल, विधायक हटिया नवीन जायसवाल उपस्थित रहे। राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बाद मीडिया से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 20 जून 2024 को जब भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल गोपीनाथपुर गांव का दौरा करने पहुंचा तो वहां की स्थिति देखकर कहा जा सकता है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों ने पूरी साजिश के तहत गोपीनाथपुर गांव पर हमला कर हिंदुओं का पलायन करवाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह से पश्चिम बंगाल से आए सैकड़ो की संख्या में बंगला देशी घुसपैठियों ने गांव पर हमला कर आगजनी, पत्थरबाजी, बमबाजी, छेड़खानी आदि जैसी घटनाओं को अंजाम दिया। गोपीनाथपुर के भोले भाले जनता को घायल कर मुस्लिम समुदाय अपना दबदबा बनाने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। यह आंतरिक सुरक्षा का मामला है। लेकिन सरकार के तरफ से किसी भी तरह का कोई बयान नही दिया जाता है। अपने 6 सूत्री मांगों में प्रतिनिधिमंडल ने मांग किया कि

- तत्काल गोपीनाथपुर गांव में एक स्थायी पुलिस पिकेट की स्थापना की जाये एवं केन्द्रीय पुलिस बल तैनात किया जाये।
- गोपीनाथपुर की घटना की एक उच्चस्तरीय न्यायीक जांच करा कर दोषियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाये।
- गोपीनाथपुर के ग्रामीणों को हुई क्षति की अविलंब क्षतिपूर्ती की जाये।
- राज्य में इस तरह की घटना की पुनार्वृति न हो इसकी अपने स्तर से कार्रवाई सुनिश्चित करायी जाये।
- गोपीनाथपुर के ग्रामीणों को अविलंब पक्का मकान, पेयजल सुविधा, बिजली एवं बच्चों के शिक्षण हेतु एक स्कूल की स्थापना करायी जाये।

वीडियो फिल्म से नशे से नुकसान व रोकथाम के उपायों के बारे में प्रेजेंटेशन

संवाददाता

रांची : जिला प्रशासन (समाज कल्याण विभाग) एवं बालिका शिक्षा भवन उच्च विद्यालय लोहरा कोचा, लालपुर रांची, के सहयोग से सोमवार को जिला स्तरीय सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमे- मादक पदार्थों के सेवन के विरूद्ध जनजागरूकता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के साथ निकाली गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ शिक्षिका रजनी सेन की अध्यक्षता में हेल्दी प्रैक्टिस योगा अभ्यास से हुआ। विषय प्रवेश डॉ. कमल कुमार बोस द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष बालिका शिक्षा भवन के सचिव डॉ.कमल कुमार बोस, पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी, संत जेवियर महाविद्यालय रांची, सुरभि सिंह, कल्याण अधिकारी एवं रेनू गहलोत, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, उपनिदेशक नेहरू युवा केन्द्र, सर्वेन्द्र प्रताप सिंह, ठउइ से एम. मीना तथा रिनपास के रेडिडेन्ट डॉ. साइकैट्रिस्ट, डॉ. निहारिका सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्या जयश्री मुखर्जी एवं अन्य सम्बंधित लोग उपस्थित रहें।

इस कार्यक्रम में वीडियो फिल्म द्वारा नशे की लत से होने वाले नुकसान एवं रोकथाम एवं समाधानों तथा उपायों के बारे में प्रेजेंटेशन के जरिए दिखाया गया। रिनपास के एक्सपर्ट डॉ. निहारिका सिंह के द्वारा मादक पदार्थों के दुष्परिणामों एवं समाधानों के बारे में प्रेजेंटेशन दिया गया।

रेनु गहलोत क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट ने कार्यक्रम में कहा कि नशा एडिक्टेड नशा करने वाले मानसिक रोगी ही होते है, उन्हें परामर्श एवं काउंसिलिंग की आवश्यकता होती है। तथा पूरे समाज का यह दायित्व है कि संज्ञान में आए नशा रोगियों को क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट के पास गोपनीयता एवं संवेदनशीलता के साथ रोकथाम के लिए आवश्यक रूप से ले जाने का प्रयास करें। NCB से एम. मीना द्वारा कार्यक्रम में अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से ड्रग्स के तरीकों की जानकारी एवं उसके शारीरिक प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ कानूनी प्रावधान एवं ड्रग्स के द्वारा अपराधी प्रवृत्तियों की प्रमुखता से जानकारी दी गई एवं हस्ताक्षर अभियान पटल पर मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए गए।

सात नये प्रशिक्षित श्वानों (विस्फोटक-06, ट्रैकर-01) का निरीक्षण

संवाददाता

रांची : पुलिस मुख्यालय, झारखण्ड, रांची में झारखण्ड पुलिस में शामिल किये गये नये 07 नये प्रशिक्षित श्वानों (विस्फोटक-06, ट्रैकर-01) के निरीक्षण से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें अजय कुमार सिंह, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड, रांची, संजय आनन्दराव लटकर, अपर पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड, रांची, असीम विक्रान्त मिंज, पुलिस महानिरीक्षक, अप०अनु०वि०, झारखण्ड, रांची, कार्तिक एस०, पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष शाखा, झारखण्ड, रांची, डॉ. पंकज कुमार, पशु चिकित्सक, अप०अनु०वि०, झारखण्ड, रांची, एवं जोसेफ फ्रांसिस तिर्की, प्रभारी, श्वान दस्ता, अप०अनु०वि०, झारखण्ड, रांची तथा अन्य पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित हुए। झारखंड पुलिस में शामिल किए गए नये श्वानों का संक्षिप्त टिप्पणी 07 नये प्रशिक्षित श्वानों (विस्फोटक-06, ट्रैकर-01) को RVC (Remount Veterinary Corps) Centre and College, Meerut Cantt. से क्रय करने के उपरान्त झारखण्ड पुलिस में शामिल किया गया है। श्वानों को उनकी मजबूत सूंघने की शक्ति के कारण प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें नाक के म्यूकोसा में 225 मिलियन रिसेप्टर कोशिकाएं होती हैं, जो श्वानों की सूंघने की क्षमता को इंसानों से 40-45 गुना बेहतर बनाती हैं। श्वानों की सूंघने की क्षमता के अलावा, सुनने की क्षमता (इंसानों से 4 गुना बेहतर), दृष्टि (चलती वस्तुओं को हमसे बेहतर

तरीके से पहचान सकती है) और छठी इंद्री (कम आवृत्ति चेतावनी कंपन का पता लगा सकती है) श्वानों को प्रशिक्षण के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

स्नीफर श्वान प्रशिक्षण में शामिल की गयी नवीनतम तकनीकी निम्न प्रकार है :

(क) विस्फोटक को छिपाने के लिए गोबर, यूरिया और राख का उपयोग करके बाहरी गंध की उपस्थिति में लक्ष्य की गंध का पता लगाने के लिए स्नीफर श्वान की कंडीशनिंग पर जोर दिया जा रहा है।

(ख) राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा नये तरीके को अपनाने के संबंध में फील्ड से प्राप्त इनपुट के आधार पर प्रशिक्षण में नवीनतम तकनीकों को शामिल किया गया। जैसे प्रिंटर कार्टिज, दो पहिया वाहन और प्रेशर कुकर आदि में विस्फोटक छिपाना।

(ग) मानव बम/चलती आई.ई.डी. का पता लगाने के लिए मानव शरीर की तलाशी की शुरूआत और विस्फोट के बाद की जांच में स्नीफर श्वान द्वारा तलाशी।

लैब्राडोर श्वान अपने शांत स्वभाव और बेहतर बुद्धिमत्ता के कारण सफल और भरोसेमंद स्नीफर श्वान साबित हुए हैं। ये श्वान राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के विस्फोटकों का पता लगाते हैं और वीवीआईपी सुरक्षा, तोड़फोड़ विरोधी जांच और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों की नियमित जांच के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा लगाए गए सभी प्रकार के आईईडी और लैंड माइंस का पता लगाने के लिए सभी विस्फोटक तलाशी अभियान में महत्वपूर्ण होते हैं। स्नीफर श्वान को छद्म गंध और कच्चे विस्फोटक जैसे टीएनटी, पीईके, आरडीएक्स, कॉर्डेक्स, गन कॉटन, एचएमएक्स०, डायनामाइट, नाइट्रोग्लिसरीन आदि पर प्रशिक्षित किया जाता है।

स्नीफर श्वान को मुख्य रूप से 5 प्रकार की खोज के लिए तैनात किया जाता है- 1. ग्राउंड सर्च, 2. वाहन सर्च, 3. बिल्डिंग सर्च, 4. मानव शरीर की खोज और 5. सामान की खोज।

ट्रैकर श्वान मानव शरीर और मानव द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तु की गंध की पहचान और भेद के आधार पर काम करते हैं। उनका उपयोग आरोपी व्यक्ति की ट्रैकिंग, व्यक्ति से वस्तु और वस्तु से व्यक्ति की गंध को पहचानने, खोज और ढूँढने और अंततः पुलिस द्वारा अपराध उद्भेदन के लिए किया जाता है।

संक्षिप्त

पिस्टल दिखा कर सोने की तीन अंगूठी ले भागे बदमाश

गिरिडीह : पिस्टल का भय दिखाकर जेवर कारोबारी सुरेंद्र भदानी से अपराधियों ने सोमवार को हाथ में पहने करीब एक लाख की तीन अंगूठी छीन कर फरार हो गए। इसकी कीमत डेढ़ लाख बतायी जा रही है। इस घटना की जानकारी जबतक नगर थाना पुलिस को मिलती तब-तक तीनों अपराधी वहां से फरार हो गए थे। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। बताया जाता है कि न्यू मोती ज्वेलर्स के मालिक सुरेंद्र (75) भदानी बैंक से पैसे जमाकर भाबनटोली घर लौट रहे थे। इसी दौरान स्टेशन रोड दो अपराधी एक ही बाइक से जेवर कारोबारी को ओवरटेक कर रोका। इसी दौरान स्टेशन रोड से बाभनटोली जाने के क्रम में दो अपराधियों एक ही बाइक से उन्हें ओवरटेक कर रोका और उनसे हेलमेट नहीं पहनने का कारण पूछा और ये भी कहा कि वाहन चेकिंग अभियान चल रहा है। इसके बाद दोनों अपराधियों ने जेवर कारोबारी को अंटा बंगला मैदान के समीप ले गए और पिस्टल सटाकर हाथ से उनते तीनों अंगूठी खोलवा लिए। इस बीच एक और अपराधी बाइक से वहां आ पहुंचा।

पूर्वी सिंहभूम में सुवर्णरेखा नदी में डूबने से युवक की मौत

पूर्वी सिंहभूम : जिले के चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कपाली ओपी स्थित सुवर्णरेखा नदी के गौरी घाट पर रविवार शाम नहाने के दौरान डूबने से युवक की मौत हो गयी। युवक की पहचान कदमा भाटिया बस्ती के सुमित दास (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने गोताखोर की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। घटना के संबंध में कपाली थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि रविवार की शाम सुमित दो दोस्तों के साथ सुवर्णरेखा नदी के गौरी घाट के पास गया था। वहां सभी ने पार्टी मनायी। इसके बाद सुमित नदी में नहाने के दौरान काफी भीतर तक चला गया और डूब गया। इसकी सूचना दोस्तों ने कपाली पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन की लेकिन अंधेरा होने के कारण कोई भी गोताखोर पानी में उतरने को तैयार नहीं हुआ।

पुलिस जवान की दिल्ली एम्स में मौत

मेदिनीनगर : पलामू लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन सुबह-सुबह पलामू पुलिस लाइन से जवानों को मतगणना केंद्र भेजा जा रहा था।इसी क्रम में पुलिस लाइन में एक पेड़ गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से तीन जवान घायल हो गए। नित्यानंद महतो के सिर में गंभीर चोट लग गई। वहीं नित्यानंद महतो को इलाज के लिए रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के एक निजी अस्पताल से एयरलिफ्ट कर दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था।नित्यानंद महतो बोकारो के चंदनकियारी के रहने वाले थे।घायल जवान नित्यानंद महतो की दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। पलामू पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि जवान नित्यानंद महतो का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया जा रहा है। नित्यानंद महतो लोकसभा चुनाव के दौरान हादसे का शिकार हो गए थे।चुनाव आयोग उनके इलाज पर नजर रख रहा था।

कुटुंब न्यायालय में लम्बित पारिवारिक वादों का निपटारा के लिए स्पेशल मेडिएशन ड्राइव आरम्भ

गुमला : 24 जून से लेकर 28 जून 2024 तक कुटुंब न्यायालय में लंबित मुकदमों का निपटारे के लिए स्पेशल मेडिएशन ड्राइव का शुभांरभ माननीय प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकार गुमला, श्री ध्रुव चंद्र मिश्र के द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय जिला जज ने कहा कि, मध्यस्था एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें निरपेक्ष मध्यस्था वादी और प्रतिवादी को अपने मामले आपसी समझ एवं सहमति से सुलझाने में सहायता करता है, इस प्रक्रिया में मामला आपसी सहमति से जल्द सुलझ जाते हैं अतः वादकारीगण इस स्पेशल मेडिसिन ड्राइव का भरपूर लाभ उठा सकते हैं।

युवक की हत्या के प्रयास में अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

दुमका । पुलिस ने हंसडीहा थाना क्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना का उद्भेदन करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल रविवार की रात हँसडीहा थाना के हथगढ़ मुहल्ला में गोलीबारी की घटना घटी थी। बाईक सवार अपराधी ने घर के बाहर खड़े विभाष चौधरी नामक युवक को गोली मारकर जख्मी कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुचीं और घायल विभाष को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए देवघर में भर्ती करता।

इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर अपराधी की धर पकड़ के लिए जरमुंडी एसडीपीओ संतोष कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना को अंजाम देने वाले अपराधी विक्रम मंडल का जब पीछा किया गया तो विक्रम ने देवघर रोड स्थित धमना कुंडा के समीप पुलिस टीम पर भी फायरिंग कर दिया। सूत्रों की माने इस घटना में एक पुलिसकर्मी बाल बाल बच गए। पुलिस ने पीछा करते हुए आखिरकार रविवार देर रात्रि सरैयाहाट थाना क्षेत्र के सवार्धाम रेलवे पुल के समीप आरोपी युवक विक्रम मंडल को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देशी पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं मोटरसाइकिल के साथ-साथ अलग-अलग जगह से चार खाली खोखा भी बरामद किया गया।

दुमका समाहरणालय स्थित एसपी सभाकक्ष में जरमुंडी एसडीपीओ संतोष कुमार ने प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी।उन्होंने बताया कि जख्मी और आरोपी दोनों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है।हंसडीहा थाना में आरोपी के खिलाफ 3 जबकि जख्मी के खिलाफ हंसडीहा सहित विभिन्न थानों में 4 मामले पहले दर्ज है। पहले भी जेल जा चुका है। वहीं इस मामले में हंसडीहा थाना में दो अलग-अलग कांड दर्ज किया गया है। पहला कांड हंसडीहा थाना प्रभारी संजय कुमार के बयान पर दर्ज किया गया है जिसमें आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई थी, वहीं दूसरा कांड जख्मी विभाष के बयान पर दर्ज किया गया है।

निःस्वार्थ भाव से लगातार सेवा की जा रही है : हर्ष

संवाददाता

हजारीबाग : सामाजिक सेवा में एक अलग पहचान स्थापित करने को लेकर जनता जनार्दन के दिनों में अपनी जगह को कायम कर रही है सेवा सहयोग समिति इस समिति के द्वारा जनता जनार्दन के हर समस्याओं का तत्काल हल करने का प्रयास किया जा रहा है समिति के द्वारा डेढ़ सौ से भी अधिक चापाकल मरम्मत एवं नए चापाकल को लगाया गया है, इतना ही नहीं समिति के द्वारा बेटियों के विवाह में शादी का जोड़ा भी उपहार स्वरूप भेंट किया जा रहा है। इसी सेवा के बीच सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग के पंचायत भवन कुसुभा में आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्घाटन मुखिया कल्लू राम, वार्ड सदस्य धुपलाल यादव वार्ड सदस्य संतोष यादव, वार्ड सदस्य सीमा कुमारी, वार्ड सदस्य जितनी देवी वार्ड सदस्य मोहन तूरी, इंदु कुमारी, साबिया देवी, सुनिल कुमार यादव, गीता बाडो, सलोनी इक्का, अनिल कुमार भोक्ता, विकाश कुशवाहा, विकाश यादव, सुनिल कुमार पाण्डेय, सुनीता कुमारी, कंचन देवी ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर करीब दो बजे तक निरंतर रूप से चलते रहा। सिविल में महिलाएं एवं बुजुर्गों ने पर चढ़कर शिविर का हिस्सा बने, सेवा सहयोग समिति के द्वारा अब तक आठ पंचायत में शिविर का आयोजन किया जा चुका है। इस शिविर में जिले के सुप्रसिद्ध जनरल फिजिशियन के द्वारा लोगों की जांच की गई वही नेत्र रोग के रूप में सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ ने बेहतर सलाह के साथ मरीजों का जांच किया जिसमें कई मरीजों को निशुल्क दवाइयां दी गई, साथ में बीपी, शुगर, पल्स एवं वजन का जांच किया गया। मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर बेहतर सुविधा उपलब्ध थी। मौके पर हर्ष अजमेरा ने कहा कि सेवा सहयोग समिति के द्वारा निस्वार्थ भाव से लगातार सेवा की जा रही है। 30 तारीख तक कटकमदाग प्रखंड के विभिन्न पंचायत में आयोजित किया जाएगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर इसके उपरांत दारू प्रखंड कटकमसांडी प्रखंड सदर प्रखंड में निशुल्क जांच शिविर का आयोजन होगा सदर विधानसभा की जनता स्वस्थ एवं निरोग रहे मेरा यही लक्ष्य है, स्वास्थ्य शिविर के आयोजन का अनुभव शानदार है। स्वास्थ्य शिविर में दूर-दराज से मरीज इलाज के लिए आए थे। लोगों को पास ही सुविधा मिल गई है। निशुल्क स्वास्थ्य का परीक्षण हुआ। पैथालॉजी जांचें भी कराई गईं। दवाइयां भी दी गईं। इस पहल से कई मरीजों को इलाज मिला। शिविर में डॉक्टर का सुझाव और दवा मुफ्त दी गई। शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों की टीम बैठी थी। मरीजों का बेहतर इलाज किया गया। लोगों ने शिविर की तारीफ भी की है। समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सहकारिता से ही समग्र विकास सम्भव : दीनानाथ ठाकुर

संवाददाता

देवघर : असहकार भारती का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन संथाल परगना के देवघर स्थित वायरो इन गार्डन में संपन्न हुआ। सहकार भारती लगभग 45 वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता संबंधी कार्य में पूर्ण ऊर्जा एवं लग्न के साथ काम करने वाली एकमात्र संगठन है जो लगभग 28 प्रदेश में अपना कार्य सुचारू रूप से कर रही है। पूर्व केंद्रीय रजिस्ट्रार एवं सहकार भारती के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनानाथ ठाकुर ने विस्तार पूर्वक बताया की कैसे सहकारिता के माध्यम से यथा पैक्स लैंप्स सहयोग समिति को सशक्त कर उसके माध्यम से कई तरह के रोजगारों उन्मुख कम समाज की भलाई एवं प्रगति के लिए किए जा सकते हैं आज सहकारिता के माध्यम से कुछ भी उद्यम के काम किए जा सकते हैं आज पैक्स के

माध्यम से बनाने के लिए उसके माध्यम से पेट्रोल पंप फार्मास्यूटिकल आदि नवाचार का काम भी किया जा सकता है यह दशार्ता है की सहकारिता मील का पत्थर साबित हो रहा है । आज जहां विश्व उपभोक्तावादी संस्कृति की ओर बढ़ रहा है ऐसे में सहकार भारती इतनी सकारात्मक के साथ सहकारी समितियां को आगे बढ़ाने में आंदोलन स्वरूप भरपूर सहयोग देने के लिए संकल्पित होकर मिशन में लगी हुई है।सहकार भारती अपने प्रयासों से समाज के आखिरी व्यक्ति तक सहकारिता के माध्यम से कैसे उनका लाभ दिया जा सके इसके लिए कृत संकल्पित है राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पंचपोर में अपने वक्तव्य में छोटे-छोटे उदाहरण देकर सहकारिता के माध्यम से क्या-क्या किया जा सकता है विविध नवाचारों की बात उन्होंने स्पष्ट तरीके से बताया उन्होंने झारखंड के लिए एक सुझाव दिया की किस प्रकार यहां लेबर कोऑपरेटिव बनाकर यहां के प्रवासी मजदूर जो समस्त भारत वर्ष में आज शोषित होते हैं। और उन्हें उनका वेतन पारिश्रमिक भी नहीं मिलता है क्योंकि बिचौलिए के माध्यम से वह जाते हैं और बिचौलिए उनका पैसा कहीं ना कहीं हड़प करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर आप झारखंड में ऐसे श्रमिक कोऑपरेटिव का निर्माण करते हैं तो मैं दिल्ली मुंबई और विविध राज्यों में अपने स्तर से बात करके आपके श्रमिकों के लिए कल्याणकारी रोजगार का भरसक प्रयास करूंगा। अधिवेशन में झारखंड सरकार के सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख की भी उपस्थिति हुई। उन्होंने ऐसे कार्यों में अपनी पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

मादक पदार्थों की रोकथाम की जागरूकता के लिए पेन्टिंग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

संवाददाता

हजारीबाग : जिला प्रशासन एवं पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड रांची के निर्देश के आलोक में सोमवार को कर्जन स्टेडियम अवस्थित जिला खेल कार्यलय हजारीबाग के सभागार में मादक पदार्थ के दुरुपयोग को समाप्त करने हेतु हजारीबाग जिला में संचालित आवासीय बालिका क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र एवं डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों एवं अन्य खेल के खिलाड़ियों के साथ पेन्टिंग प्रतियोगिता आयोजन किया गया। जिसमें कुल 65 खिलाड़ियों ने भाग लिया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वीटी कुमारी, द्वितीय स्थान अनिस्का सिंह, तृतीय स्थान अन्नु कुमारी ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी को मुख्य अतिथि कैलाश राम जिला खेल पदाधिकारी, हजारीबाग द्वारा पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रशिक्षकों का मुख्य योगदान रहा।

नेशनल कराटे प्रतियोगिता में लातेहार के खिलाड़ियों ने 5 पदक जीते

संवाददाता

मनिका/लातेहार : जयपुर में आयोजित 5वीं नेशनल गोजुरियो स्पोर्टस कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता 21 और 22 जून को आयोजित किया गया था। इस दौरान विभिन्न वर्गों में लातेहार जिले के तीन खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण पदक सहित कुल पांच पदक अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप में 12 राज्यों के 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में काता और कुमेते दो प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया जिसमें झारखंड के खिलाड़ियों ने खूब दमखम दिखाया। इस प्रतियोगिता में लातेहार के सीनियर वर्ग बालक में 60 किलोग्राम काता में स्वर्ण पदक एवं कुमेते में रजत पदक विजेता मनजीत कुमार सिंह ने शानदार

प्रदर्शन कर झारखंड प्रदेश का नाम रोशन किया। वहीं बालक वर्ग में 50 किलोग्राम में शौर्य राज काता में रजत पदक और कुमेते में कांस्य पदक हासिल किया। बालक वर्ग 55 किलोग्राम कुमेते में पुरुषोत्तम कुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। झारखंड गोजुरियो स्पोर्टस कराटे एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी शिहान धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम नेशनल प्रतियोगिता में भाग लिया जबकि झारखंड टीम के कोच सेंसाई लाल बिहारी सिंह थे। झारखंड गोजुरिया स्पोर्टस कराटे एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी शिहान धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि लातेहार जिले के कराटे खिलाड़ी भी लगातार प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें प्रोत्साहन उत्साहवर्धन की जरूरत है। जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रौशन कर सके।

मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिए नप ने शुरू किया दवा का छिड़काव

संवाददाता

लातेहार: नगर पंचायत के द्वारा शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए आज से दवा का छिड़काव शुरू कर दिया गया है। शहरी क्षेत्र में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए यह अभियान 15 जुलाई तक चलाया जाएगा। इसे लेकर नगर पंचायत प्रशासक राजीव रंजन ने आदेश दे दिया है। जानकारी हो की बरसात के दिनों में मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए नगर पंचायत ने सभी वार्डों में मच्छरों से बचाव के लिए मच्छर मारने वाली दवाई का छिड़काव कराने का निर्णय लिया है। फागिंग नगर पंचायत के सभी वार्ड में कराई जायेगी। इसे लेकर नगर पंचायत के द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग करने की तिथि की भी घोषणा कर दी गई है। मच्छरों के बढ़े प्रकोप को कम करने के लिए शुरू किया गया है यह अभियान इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रशासक राजीव रंजन ने कहा कि गंदगी और जलजमाव से मच्छरों के बढ़े प्रकोप को कम करने के लिए नगर पंचायत के द्वारा यह सघन अभियान शुरू किया है। इसके तहत नालियों में एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया जाएगा। साथ ही शहरी क्षेत्र के गली और मोहल्लों में फॉगिंग कराई जा रही है। साथ ही उन्होंने लोगों से आग्रह भी किया की दवा दिड़काव के समय लोग अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे को खुलें रखें। साथ ही पानी या अन्य कोई भी खाने वाले चीजों को ढक कर रखें।

आज के इस आधुनिक युग में चरित्र निर्माण आधारित शिक्षा की आवश्यकता: स्वामी सर्वविद्यानंदजी महाराज

संवाददाता

विष्णुगढ़ : रामकृष्ण मिशन पटना के सचिव स्वामी सर्वविद्यानंदजी महाराज एवं रामकृष्ण विवेकानंद भाव प्रचार परिषद बिहार झारखंड के संयोजक सुकुमार दास का आगमन विवेकानंद सेवा आश्रम विष्णुगढ़ में हुआ। स्वामी सर्वविद्यानंदजी महाराज ने मंदिर परिसर एवं विद्यालय का निरीक्षण किया।स्वामी जी ने शिक्षकों और छात्रों के बीच अपने संबोधन में विवेकानंद के जीवनी पर प्रकाश डाला और छात्रों को स्वामी विवेकानंद के गुणों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की यह विद्यालय विवेकानंद के विचारों पर आधारित शिक्षा को इस क्षेत्र में प्रसारित कर रहा है। इस मौके पर विद्यालय के निर्देशक यशवंत मिश्र, विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक कैसूल जी, वरिष्ट शिक्षिका उमा सोनी, देवेश सर, अमन सर, आयुष सर, प्रतिष्ठा मिस, स्नेहा मिस, ममता मिस समेत सभी शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ इंडिया बीसी संघ चौपारण इकाई का हुआ पुनर्गठन

चौपारण : रविवार को प्रखण्ड के स्थानीय शिव मंदिर, चौपारण के प्रांगण में बैंक ऑफ इंडिया बीसी संघ चौपारण इकाई का बैठक आयोजित हुआ। बैठक का अध्यक्षता जगन्नाथ राम ने की। बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से बैंक ऑफ इंडिया बीसी संघ प्रखण्ड चौपारण इकाई का पुनर्गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष जगन्नाथ राम, उपाध्यक्ष चंदन कुमार यादव, सचिव राधेश्याम दांगी, उपसचिव गुड़िया कुशवाहा, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार, उपकोषाध्यक्ष मुकेश कुमार नायक, संरक्षक नागेंद्र कुमार, सह संरक्षक मिथलेश कुमार, अन्य सदस्य में मिथिलेश कुमार, राजमोहन सिंह, ब्रजेश कुमार, सोनी कुमारी, अजीत कुमार, संजीत कुमार दांगी, आशीष कुमार, विनोद साव, अरिनन्दम कुमार, दीपक कुमार चुने गए।

हल्की बारिश ने नगर निगम की खोल दी पोल : नगर अध्यक्ष

हजारीबाग : आजसू पार्टी हजारीबाग जिला कमिटी के द्वारा सोमवार को आजसू पार्टी के हजारीबाग जिला अध्यक्ष सह केन्द्रीय प्रवक्ता विकास राणा के नेतृत्व में आजसू पार्टी कार्यकताओं ने हजारीबाग सहायक नगर आयुक्त के माध्यम से नगर आयुक्त को ज्ञापण सौंपा। कूद रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे भारी जल जमाव और शहरी क्षेत्र में जगह जगह जल जमाव एवं नालियों की सफाई जल्द से जल्द कराने का आग्रह किया ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। आजसू पार्टी के हजारीबाग जिला अध्यक्ष सह केन्द्रीय प्रवक्ता विकास राणा ने कहा कि हजारीबाग में जल जमाव जगह जगह हो रही है नालियों को पैक कर दिया गया है बहुत सारी नाली जाम होने के कारण रास्ते में नालियों का पानी बह रहा है सड़क पर आ गया है इस कारण राहगीरों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। आजसू पार्टी के हजारीबाग जिला अध्यक्ष सह केन्द्रीय प्रवक्ता विकास राणा के नेतृत्व में ज्ञापण देनेवालों में मुख्य रूप से केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य विजय वर्मा, केन्द्रीय सदस्य आनन्द सिंह, नगर अध्यक्ष आफताब आलम, कटकमदाग प्रखण्ड अध्यक्ष अवध किशोर साव, प्रमोद कुमार वर्मा, तुलेश्वर साव, मनोज कुमार, सुभाष रजक, गौतम कुमार मुख्य रूप से शामिल थे। हजारीबाग नगर निगम इसका जल्द से जल्द समाधान करे नहीं तो आजसू पार्टी चरणबद्ध आन्दोलन करेगी। नगर अध्यक्ष आफताब आलम ने कहा कि हल्की बारिश ने हजारीबाग नगर निगम की पोल खोल दी व्यवस्था को अविलम्ब ठीक करे नगर निगम। कटकमदाग प्रखण्ड अध्यक्ष अवध किशोर साव ने कहा कि कूद रेलवे ओवर ब्रिज के निचे जल जमाव से वहां रोज दुर्घटना हो रही है नालियों का पानी सड़क पर आ गया है इस कारण राहगीरों

रोटरी क्लब कोडरमा को डिस्ट्रिक्ट एनुअल अवॉर्ड सेरेमनी कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

संवाददाता

कोडरमा : समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट सेवा कार्य के लिए रोटरी क्लब कोडरमा को जमशेदपुर में डिस्ट्रिक्ट एनुअल अवॉर्ड सेरेमनी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब कोडरमा को समाज सेवा क्षेत्र के विभाग में 9 अवार्ड दिया गया इस कार्यक्रम में बिहार झारखंड से 108 क्लब के सैकड़ो पदाधिकारी सदस्य उपस्थित हुए। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एसपी बगड़िया ने रोटरी क्लब कोडरमा की प्रशंसा करते हुए कहां की सेवा के क्षेत्र में सत्र 23- 24 में रोटरी अध्यक्ष विकास सेठ और सचिव नवीन जैन ने सराहनीय कार्य किया है। रोटरी क्लब कोडरमा के परमानेंट प्रोजेक्ट आई हॉस्पिटल, डायलिसिस सेंटर, बाल विद्यालय, सहेली सेंटर और स्कॉलरशिप प्रोजेक्ट से आम जनों को बहुत लाभ हुआ है।

विशिष्ट सेवा कार्यों के क्षेत्र में चार अवार्ड मिले रोटरी कोडरमा में पिछले 40 वर्ष से सेवा दे रहे। रोटेरियन सुरेश जैन पांडया को भी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन कुमार पुजारा को जोन 12 में बेस्ट असिस्टेंट गवर्नर का अवार्ड मिला। इस जोन में कोडरमा बिहार शरीफ तथागत नालंदा राजगीर शेखपुरा

नवादा शामिल थे बेस्ट लेडी रोटेरियन का अवार्ड सहेली केंद्र की डायरेक्टर रोटेरियन माला दारूका को दिया गया। इमर्जिंग रोटेरियन का अवार्ड रोटरी कोडरमा के युवा सदस्य शैलेश दारूका एवं विपुल बगड़िया को मिला। डिस्ट्रिक्ट प्रिएजिटिएस 2 प्रीपेट्स के सफल आयोजन पर अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। मेजर डोनर राजेंद्र मोदी जी को विशेष योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया आई हॉस्पिटल के लिए अवार्ड मौके पर मौजूद रोटेरियन कैलाश चौधरी अध्यक्ष विकास सेठ सचिव नवीन जैन पूर्व अध्यक्ष अजय अग्रवाल रितु सेठ ने लिया रोटरी कोडरमा की इस उपलब्धि पर क्लब के सभी पूर्व अध्यक्ष सेक्रेटरी ने बधाई दी। रोटरी अध्यक्ष विकास सेठ ने अवार्ड उपलब्धि के इस मौके पर कहा कि क्लब के सभी सदस्यों ने इस सत्र के सेवा कार्यों में अपना सहयोग प्रदान किया सचिव नवीन जैन ने कहा कि सेवा से ही सम्मान मिलता है रोटरी के हर सदस्य समाज सेवा का कार्य भी अपने परिवार के कार्य की तरह करते है। इस उपलब्धि पर रोटेरियन जयकुमार गंगवाल महेश दारूका संगीता शर्मा अमित कुमार कमल सेठी सुरेश सेठी सुशील छाबड़ा नवीन आर्य संतोष सिन्हा प्रवीण बरनवाल सुनील बडगवे मनीष पेड़ीवाल अनिल खाटू वाला धर्मेंद्र प्रसाद अश्विनी राजगढ़िया आदि सदस्यों ने रोटरी कोडरमा की उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि आने वाले 24- 25 के सत्र में भी रोटरी कोडरमा समाज सेवा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य करेगी।

संक्षिप्त

बिजली के जर्जर खंभों को बदलने का काम शुरू

बोकारो। जैनामोड़ बिजली ऑफिस के कर्मचारी और मिस्त्री इन दिनों तुपकाडीह की खुटरी तथा तांतरी पंचायत के विभिन्न गांवों में जर्जर हो चुके खंभों को बदलने का काम कर रहे हैं। सोमवार को मेनरोड चौक स्थित खंभे और तार से सटे पेड़ की डाली को काटकर हटाया गया। बिजली कर्मी दशरथ कुमार ने बताया कि बरसात का मौसम है, कहीं कोई अप्रिय घटना नहीं हो, इसके लिए पुराने जर्जर हालत के खंभे बदले जा रहे हैं। बताते चलें कि गांवों में 20 से 25 साल पहले एकीकृत बिहार के समय लगाये गए बिजली के खंभे और तार हर क्षण अनहोनी को आमंत्रण दे रहे हैं।

विस्थापितों की नयी कमेटी का गठन

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल स्थित बोकारो क्लब मैदान में सोमवार को विस्थापित एवं स्थानीय संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक समिति के बालेश्वर यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को भंग करते हुए पुनः नयी कमेटी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। नयी समिति में अध्यक्ष वाजीद हुसैन, उपाध्यक्ष छत्रधारी गोप, सचिव भोला यादव, उपसचिव मिथिलेश रजवार, संगठन सचिव मुबारक अंसारी, उप संगठन सचिव सुरेंद्र घांसी, कोषाध्यक्ष रवि तुरी सहित कार्यकारिणी के दस सदस्यों का चुनाव किया गया।

इंडोस्कोपी को लेकर चिकित्सकों ने किया मंथन

बोकारो । नगर के सेक्टर-5 स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) चैप्टर में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। आयोजन में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बी बी करुणामय मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित थे। इस कार्यक्रम में पचास से अधिक नए चिकित्सक आईएमए से जुड़े। बोकारो स्टील सिटी के इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) चैप्टर के अध्यक्ष डॉ आर के मिश्रा ने कार्यक्रम में नए चिकित्सकों सहित सभी का स्वागत किया। सेमिनार के आयोजित व्याख्यान में मेंदाँता अस्पताल, रांची के वरीय सलाहकार डॉ संगीत सौरव ने पित्त एवं अग्न्याशय की बीमारियों में एंडोस्कोपी के द्वारा अल्ट्रासाउंड एवं उपचार विषय पर अपने विचार एवं अनुभव को साझा किए। इस अवसर पर आई एम ए के एकेडमिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ आरके गौतम द्वारा बोकारो चैप्टर के अध्यक्ष डॉ आर के मिश्र को सम्मानित किया गया। बोकारो चैप्टर के कोषाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र कुमार तथा सेक्रेटरी डॉ गौरव विशाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन डॉ मधुमिता श्रीवास्तव, डॉ संदीप एवं डॉ अनुपमा ने किया।

लगाए गए पौधों का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व : ठाकुर

चंद्रपुरा । दामोदर घटी निगम, (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन और ईएम एंड पीसी विभाग द्वारा यहां के ऐश पौंड के पास एक हजार पौधा रोपण का कार्य सोमवार से आरंभ हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ महाप्रबंधक सह- परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने किया। इस अवसर पर श्री ठाकुर ने कहा कि पौधा संरक्षण का दायित्व हम सभी का है। पौधा संरक्षण से हम सभी का जीवन सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए डीवीसी और हम सभी कृतसंकल्पित हैं। जल, जंगल, जमीन का संरक्षण कर हम सभी अपने जीवन के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी को भी सुरक्षित रखने में कामयाब होंगे। उल्लेखनीय है कि चंद्रपुरा के ऐश पौंड स्थित रिकवरी पंप के पास डीवीसी के पर्यावरण प्रबंधन एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा पौधा रोपण का कार्य आरंभ किया गया है। इस क्षेत्र में एक हजार से अधिक पौधा रोपण किया जाएगा और इसका संरक्षण भी किया जाएगा।

बोकारो : तेज रफ्तार टेम्पो बेकाबू होकर पलटा, युवक की हुई मौत

▶ बेरमो में मुख्य मार्ग पर हुई घटना

संवाददाता

बोकारो । जिले के बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत करगली गेट-चार नंबर मुख्य मार्ग में रामबिलास प्लस टू हाई स्कूल के समीप मुख्य मार्ग में तेज रफ्तार ऑटो जेएच10 एएक्स 9720 एक बाइक सवार के कलाबाजी से चकमा खाकर बीच सड़क में पलट गया। इससे ऑटो में सवार नावाडीह प्रखंड के आहारडीह निवासी 35 वर्षीय शिव नंदन साहु उर्फ डालो साहु की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि ऑटो चालक सहित ऑटो में सवार अन्य तीन महिला व एक पुरुष वहां से भाग खड़े हुए। उन्हें हल्की चोट लगने की बात कही जा रही है। जबकि, पूरे ऑटो का भार शिवनंदन साव के सिर पर ही आकर गिर गया, जिससे उसका पूरी तरह कुचला गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

बताया जाता है कि ऑटो का फिटनेस, इंश्योरेंस, टैक्स सब कुछ 22 अगस्त 2022 से ही फेल था। ऑटो का सेंकेंड ऑनर बाटा गली फुसरो के एस घोष के नाम से बताया जा रहा था। जिसे श्रीराम फाइनेंस से फाइनेंस किया हुआ दशार्या जा रहा है।

हालांकि समाचार लिखे जाने तक उक्त व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी थी। घटना की जानकारी शिवनंदन साव के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे जहां शव को देखते ही मृतक की पत्नी रेणु देवी, माता अरुणा देवी, भाई ईश्वर साव दहाड़ मार कर रो पड़े। मृतक अपने पीछे मां-पिता व पत्नी सहित 12 वर्षीय पुत्र तथा 8 वर्षीय पुत्री छोड़ गए। इधर घटना की जानकारी मिलते ही बेरमो थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची जहां आवश्यक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि शिवनंदन साहु कथारा पोस्ट ऑफिस सह ग्रामीण बैंक के समीप अपने परिवार के जीविकोपार्जन के लिए ठेला में समोसा चाट आदि बेचता था। वह किसी काम के लिए एक दिन पहले ही अपने घर आहरडीह गया था। सोमवार की सुबह वहां से कथारा लौटने के क्रम में यह घटना घटी। घटना के बाद बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार ने 10 हजार रुपए की तत्काल सहायता की। जबकि, सरकारी प्रावधान के अनुसार अन्य सुविधाएं जल्द दिलाने का आश्वस्त किए। वहीं समाजसेवी अशोक अग्रवाल ने अपनी ओर से मृतक के आश्रित को 5 हजार रुपए दी। बीडीओ ने मृतक की पत्नी को डीएवी ढोरी में चतुर्थ श्रेणी में नियोजित कराने का भी आश्वासन दिए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उक्त स्थान पर स्पीड ब्रेकर की मांग की।

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए निकली जागरुकता रैली

संवाददाता

गोमिया । नशा मुक्ति अभियान के तहत पलिहारीगुरु डीह की जन-प्रतिनिधि सपना कुमारी के नेतृत्व में महिलाओं व पुरुषों ने जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को मादक पदार्थों का सेवन न करने की अपील की। यह जागरूकता रैली गोमिया पोस्ट ऑफिस मोड़ से निकलकर काली मंदिर होते हुए स्वांग नेहरू फील्ड तक गई और इसमें शामिल लोगों ने आमजन को जागरूक किया। रैली में नारा के माध्यम से लोगों को संदेश देते हुए कहा गया कि मादक पदार्थ का सेवन करने से महिलाओं में हिंसा और जघन्य अपराध होने की संभावना बनती है। मादक पदार्थ सेवन से घरेलू हिंसा देखने को मिलता है। अपराध और हिंसा को रोकने के लिए लोगों को नशा करने से रोकना होगा। अंत में सभी ने नशामुक्ति के प्रति शपथ ग्रहण किया। इसरेली में बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक संध्या रानी, सहिया, सेविकाएं शांति देवी, शीला, रानी, रीना देवी, मीना देवी, गीता देवी, क्रांति देवी, निर्मला देवी सहित कई महिलाएं और पुरुष शामिल थे।

अमरनाथ यात्रा के लिए जत्था रवाना

▶ विधायक ने श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र देकर किया स्वागत

संवाददाता

बोकारो थर्मल। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोमवार को गोमिया-बोकारो थर्मल से लगभग दो दर्जन श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के जत्था को गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने रवाना किया।

इसके पूर्व विधायक ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत अंग वस्त्र देकर किया। सभी श्रद्धालु आगामी 29 जून को अमरनाथ यात्रा के पहले दिन बालटाल से यात्रा में शामिल होकर बाबा बफार्नी के दर्शन करेंगे। जत्थे के रवाना होने से पहले विधायक ने सभी श्रद्धालुओं के यात्रा की मंगलकामना की। श्रद्धालुओं में पत्रकार संजय कुमार मिश्रा एवं बॉबी ने विधायक को बताया कि सभी श्रद्धालु बालटाल के रास्ते बाबा बफार्नी के दर्शनोपरांत कटरा स्थित वैष्णो माता, शिवखोड़ी, नौ देवी के भी दर्शन करने के उपरांत श्रीनगर से होकर जम्मू पहुंचेंगे। इस अवसर पर विधायक के साथ राजेश विश्वकर्मा, केदार प्रसाद स्वर्णकार, उमेश कुमार, डॉ देवेंद्र कुमार, अभिषेक कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अवर निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह, पंकज श्रीवास्तव, डॉ जेबी कोयरी, दिनेश कुमार, रविंद्र यादव, धर्मेंद्र कुमार, बंटी पाठक, रोहित स्वर्णकार सहित कई श्रद्धालु शामिल थे।

झारखंड शिक्षक संघ ने प्रभारी प्रधानाध्यापकों का वेतन स्थगित रखने पर जताया रोष

संवाददाता

बोकारो । झारखंड +2 शिक्षक संघ की बोकारो इकाई की बैठक जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में संघ के सचिव डॉ अवनीश कुमार झा, संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक, उपाध्यक्ष दीपा पंकज लाटा, डॉ शशिकांत पांडेय, इर्वि रानी, कौशल कुमार मुखर्जी, कोषाध्यक्ष राजदेव साहू, संयुक्त सचिव डॉ शक्ति पद महतो, राजेश कुमार विश्वकर्मा, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, प्रवक्ता-सह-मीडिया प्रभारी गौरव कुमार दुबे, प्रांतीय गुणात्मक शिक्षा समिति सदस्य धनंजय कुमार, विद्यालय प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह, सृष्टिधर महतो, मुकेश कुमार

यादव, राजीव रंजन, नमिता कुमारी व एनएमओपीएस के जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में जिले के टीजीटी शिक्षकों और प्रभारी प्रधानाध्यापकों का लगभग तीन माह से वेतन स्थगित होने पर रोष जताया गया और जल्द बहाल करने की मांग की गई। इसके साथ ही बैठक में महीने में दो शनिवार को विद्यालय बन्द रखने, शिक्षकों का प्रमोशन प्रत्येक 10 वर्ष किये जाने, सत्र 2024- 25 के लिए संघ की सदस्यता अभियान तेज करने तथा एनएमओपीएस के जिला अध्यक्ष के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में विद्यालय में सकारात्मक माहौल बनाते हुए छात्र हित में पठन-पाठन को सुचारू बनाने तथा झारखंड सरकार द्वारा विद्यालयों में संचालित प्रोजेक्ट इम्पैक्ट और प्रोजेक्ट रेल के सुचारू रूप से संचालन पर भी विचार-विमर्श किया गया। जबकि, प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के सजीव क्रियान्वयन को लेकर धनञ्जय जी व राजेश कुमार विश्वकर्मा ने अपनी बात रखी।

अब ड्रोन से होगा छत संरचनाओं का सर्वे

संवाददाता

बोकारो । बोकारो स्टील प्लांट में छत संरचनाओं के निरीक्षण के लिए सोमवार को ड्रोन सर्वेक्षण का शुभारंभ एसएमएस-न्यू विभाग में राजीव धवन, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी एवं अतिरिक्त प्रभार एसएमएस-न्यू) तथा शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) की उपस्थिति में संरचना निरीक्षण जियोडेटिक सर्वेक्षण (एसआईजीएस) विभाग द्वारा शुरू किया गया। इस मौके पर टीएस रंजन, आरके पात्रो, पी के स्वैन, पी मिंज, जे इमाम और रितुराज सिंह उपस्थित थे। उन्नत ड्रोन सर्वेक्षण पहल का उद्देश्य उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजरी और वास्तविक समय डेटा प्रदान कर बोकारो स्टील प्लांट में छत संरचनाओं की निरीक्षण दक्षता को बढ़ाना है, जिससे संरचनात्मक मुद्दों की त्वरित पहचान हो सके। ड्रोन के प्रयोग से मैन्युअल निरीक्षण की आवश्यकता में काफी कमी आती है तथा इसे सुरक्षित तरीके से संपादित करने में मदद मिलती है। इस परियोजना को संरचना निरीक्षण जियोडेटिक सर्वेक्षण (एसआईजीएस) विभाग के अंतर्गत मेसर्स हंटेक इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

साहित्य परिषद की काव्य गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

बोकारो । अखिल भारतीय साहित्य परिषद, बोकारो इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी शिशु विद्या मंदिर, सेक्टर 2/ए, संघ कार्यालय में डॉ. परमेश्वर भारती की अध्यक्षता में हुई। गोष्ठी की शुरूआत मां भारती के चरणों में पुष्प अर्पित करते हुए परिषद के महासचिव ब्रह्मानंद गोस्वामी की सरस्वती वंदना से हुई। काव्य गोष्ठी का संचालन करते हुए गीता कुमारी गुस्ताख की- इस माटी का हूं कर्जदार, रेणुका सिन्हा की- वर्षा गीत, डॉ आशा पुष्प की- प्रवृति, दयानंद सिंह की- बलिदान, लव कुमार की- हास्य-व्यंग से वातावरण आनंदमय हो गया। करुणा कलिका की-अब दिल्ली दूर नहीं, ज्योति वर्मा की- जीवन की सांझ, अमृता शर्मा की- जीवन का मर्म, चर्चा कवित्री शैलजा झा की- मैं थी कभी घर गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। क्रांति श्रीवास्तव की- चलो जंगल की सैर करते हैं, नीलम झा की- शान हमारी भारत मां की राष्ट्र भक्ती की सभी ने सराहना की। अनिल कुमार श्रीवास्तव की- आंखे/राहे, ऐश्वर्या की- देश भक्ति गीत के बाद परिषद के मीडिया प्रभारी गंगेश कुमार पाठक ने अपनी कविता- भारत मेरी जान के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया।

जमशेदपुर में वरिष्ठ नागरिकों ने वाटर पोलो टूर्नामेंट में पानी के बीच खूब की मस्ती

संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में वरिष्ठ नागरिकों के लिए वाटर पोलो टूनार्मेंट का आयोजन किया। 55 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में 9 टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें 80 उत्साही प्रतिभागी शामिल हुए। इस टूनार्मेंट में वरिष्ठ एथलीटों की एथलेटिक क्षमता और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया गया। जेआरडी (ए) टीम विजयी रही और उसने चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। टाटा वर्कर्स यूनियन की टीम ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया, जबकि झारखंड वेटरन स्पोर्ट्स कमेटी (बी) की टीम ने दूसरे उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टाटा वर्कर्स यूनियन के वाइस प्रेसिडेंट संजय सिंह उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों की समर्पण और खेल भावना की सराहना की और ह्यस्वर्णिम कालह्व के दौरान सक्रिय जीवनशैली बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए श्री सिंह ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नागरिकों को इस वाटर पोलो टूनार्मेंट के माध्यम से प्रतिस्पर्धा और सौहार्द की भावना को अपनाते हुए देखना वास्तव में प्रेरणादायक है। इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि हमारे सम्मानित बुजुर्गों के बीच सामुदायिक भावना को भी बढ़ावा देते हैं। वाटर पोलो टूनार्मेंट वरिष्ठ एथलीटों के सतत जुनून और लचीलेपन का प्रमाण था। इसने इस विश्वास पर जोर दिया कि स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए उम्र सिर्फ. एक संख्या है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिस्पर्धी खेलों में शामिल होने और सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करने में जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बहुमूल्य योगदान को भी रेखांकित किया गया।

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में आगे आया ईएसएल स्टील

तपेदिक रोगियों के बीच शुरू किया पोषण सहायता किट वितरण कार्यक्रम

संवाददाता

बोकारो । वेदांता समूह की कंपनी और भारत की अग्रणी एकीकृत ग्रीनफील्ड स्टील निमार्ता कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने प्रधानमंत्री के टीबी-मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में आगे हाथ बढ़ाया है।

कंपनी ने इस अभियान के तहत तपेदिक रोगियों के बीच पोषण सहायता किट वितरण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। कंपनी ने अपने आसपास में सामाजिक कल्याण के लिए अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से लोगों की स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित कर कार्यान्वयन एजेंसी सिटीजन्स फाउंडेशन के सहयोग से चलाये जाने वाले हेल्थकेयर प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत सियालजोरी में संयंत्र के पास रहने वाले 100 तपेदिक रोगियों के लिए एक पोषण सहायता किट कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसकी मासिक लागत प्रति व्यक्ति 800 रुपये है।

धनडाबर स्थित ईएसएल स्टील लिमिटेड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित प्रोजेक्ट आरोग्य कार्यक्रम में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी, बोकारो डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह ने कहा कि गरीबी, खाद्य असुरक्षा, अल्पपोषण, और भीड़भाड़ तपेदिक (टीबी) के प्रमुख कारक हैं। भारत में कुपोषण इसका प्रमुख कारण है।

योजना के संदर्भ में चर्चा करते हुए डॉ. जफरुल्लाह ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना है, जिसने मरीजों के खाते में एनपीवाई योजना के तहत प्रति माह 500 रुपये डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला पीपीएम नितिन कुमार सिंह, ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर उप प्रमुख राकेश कुमार मिश्रा और सीएचसी चंदनकियारी की डॉ. श्रीमती तृप्ति पांडेय सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से ईएसएल स्टील लिमिटेड मरीजों को 1.5 किलोग्राम काला चना, 3 किलो चने की दाल, 1 लीटर सरसों का तेल, 1 किलो मूंगफली और 1 किलो गुड़ प्रदान करेगा। यह सहायता चास और चंदनकियारी प्रखंड स्थित गांवों के 100 मरीजों तक हर महीने दी जाएगी। यह 6 महीने का पोषण सहायता कार्यक्रम है, जिसके पहले चरण में मरीजों को एक बार में दो महीने की पोषण सहायता किट दी गई है। शेष 4 माह की किट अगले माह से अगले 4 माह तक दी जाएगी।

ईएसएल के सीएसआर, ईआर और पीआर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा कि वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने स्वास्थ्य सेवा परियोजना, आरोग्य के माध्यम से तपेदिक रोगियों के लिए एक समर्पित पोषण सहायता पहल के साथ देश के तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम का समर्थन करने का निर्णय लिया है, ताकि हम तपेदिक मुक्त भविष्य का निर्माण कर सकें।

एनटीएचए ने फ्लोरिस बोवेलैंडर के साथ मनाया ओलंपिक दिवस

जमशेदपुर। नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता फ्लोरिस जान बोवेलैंडर की उपस्थिति में 23 जून को ओलंपिक दिवस मनाया। यह दिन ओलंपिक मूवमेंट और उत्कृष्टता, मित्रता और सम्मान के इसके मूल मूल्यों के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन टीम फ्लोरिस बनाम टीम एनटीएचए कोच के बीच एक रोमांचक हॉकी मुकाबला भी हुआ, जिसमें टीम फ्लोरिस ने टीम एनटीएचए कोच को अंतिम शूट-आउट में पराजित कर दिया। एनटीएचए बॉयज की टीम के 50 खिलाड़ियों ने भी फ्लोरिस के साथ एक सत्र में भाग लिया, जहां उन्होंने अपने ओलंपिक स्वर्ण पदक की यात्रा, अनुशासन, कौशल और एनटीएचए के शुरूआती वर्षों की यादों को साझा किया। बच्चों के साथ फ्लोरिस के लाइव बातचीत के दौरान, युवा हॉकी उत्साही लोगों ने पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल के प्रति उत्साह दिखाया और नारे लगाए। इससे इन उभरते हॉकी खिलाड़ियों का जुनून और बढ़ गया, जो एक दिन देश का नाम रोशन करना चाहते हैं।

संपादकीय

चार महादेशों का तपना

धरती के चार महादेश इतना तप रहे हैं कि लगता है, इस बार गर्मी तमाम कीर्तिमान तोड़ डालेगी। धूप या ताप से होने वाली मौतों को बहुत स्पष्टता से नहीं नापा जा सकता, फिर भी दुनिया में इस साल गर्मी की वजह से हजारों मौतें हुई हैं, इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े हैं। सऊदी अरब में इतनी ज्यादा गर्मी पड़ रही है कि वहां 900 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें 70 से ज्यादा तो अकेले भारतीय हैं। वहां 51 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जा रहा पारा हाजियों के लिए काल बन जा रहा है। मिस्र में 530 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, तो भारत में 1 मार्च से 18 जून के बीच 40,000 से अधिक हीटस्ट्रोक के मामले आए हैं और 100 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। लू से मौत केवल एशिया और अफ्रीका तक सीमित नहीं है, यूरोपीय देशों में भी मौत हो रही है और अमेरिका में भी। यूएस नेशनल ओशनिक ऐंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अर्थ ऑब्जर्वेटरी के मुताबिक, भूमध्य सागर के पास के देशों को भी प्रचंड उच्च तापमान का सामना करना पड़ रहा है, पुर्तगाल से ग्रीस और अल्जीरिया तक में जंगलों में आग लगी हुई है। वैज्ञानिक इस बात का एहसास करने लगे हैं कि दुनिया में बड़े पैमाने पर प्रयास करने पड़ेंगे, तभी अत्यधिक ताप से जीवन बचाया जा सकेगा। अपनी ठंड के लिए विख्यात न्यूयॉर्क का तपना तो और भी चिंताजनक है। जिन शहरों को कभी गर्मियों में खुशनुमा माना जाता था, वैसे शहर भारत से लेकर अमेरिका तक, अपनी पहचान खोते दिख रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर में अनेक संस्थानों में शीतलन की व्यवस्था करनी पड़ी है, अनेक स्कूलों में बच्चों को दोपहर से पहले ही घर भेज दिया जा रहा है। अनेक अमेरिकी राज्यों में पारा 45 के पार पहुंच जा रहा है। न्यू मैक्सिको में भीषण गर्मी के चलते 23,000 एकड़ से अधिक भूमि जल गई और 500 से ज्यादा घर नष्ट हुए हैं। दुनिया के अनेक देशों में जंगल जल रहे हैं, जिनकी आग केवल भारी बारिश से ही बुझ सकती है। बढ़ता तापमान संकेत है कि दुनिया धीरे-धीरे असहनीय हो रही है। ऐसा क्यों हो रहा है? गर्मी आज बड़ा सवाल है, पर उसका हमारे पास क्या जवाब है? हमें गंभीरता से सोचना होगा? ऐसी गर्मी के लिए नेपाल जैसा देश जिम्मेदार है या अमेरिका जैसा सुपरपावर? जलवायु परिवर्तन का मुद्दा जब छिड़ता है, तो अमेरिकी रवैया देख चिंता होती है। अमेरिका की दलील है, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जंग की कीमत नेपाल जैसा देश भी चुकाए, जबकि भारत जैसे देश चाहते हैं कि जलवायु परिवर्तन की लागत अमीर हो चुके देशों को ज्यादा चुकानी चाहिए। एक दौर वह भी था, जब अमेरिका ने जलवायु बचाव से अपने कदम पीछे खींचने शुरू कर दिए थे। अनेक अमीर देश हैं, जो खुशफहमी में हैं कि गर्मी उनका कुछ न बिगाड़ पाएगी, पैसे और ऊर्जा भंडार से वे अपना बचाव कर लेंगे। ऐसे देशों को झुलसाती धूप में खुली आंखों से सच्चाई को परखना और समझना चाहिए। भारत निरंतर गुहार लगाता रहता है, पर हरित तकनीक के हस्तांतरण में अभी भी खूब बाधाएं हैं। हरित तकनीक को महंगा किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों को दुनिया के विकासशील देशों में बहुत किफायती हो जाना चाहिए, पर विकसित देश यहां भी अपना व्यावसायिक लाभ देख रहे हैं। वाकई, निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर ही दुनिया को बचाने के प्रयास सफल हो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

व्यवस्था की खामियां दूर करने से टलेंगे हादसे

सरबजीत अरजन सिंह

पिछले साल बालासोर, ओडिशा में 3 रेलगाड़ियों की टक्कर हुई, जिसमें 296 यात्रियों की मृत्यु हुई और 1000 से अधिक घायल हुए। इसके पीछे वजह मानवीय चूक बताई गई। उम्मीद थी कि यह हादसा रेलवे को अपनी संचालन और रख-रखाव की प्रणाली की समीक्षा करके सुरक्षा में आगे सुधार लाने का निमित्त बनेगा, विशेषकर मानवीय चूक से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम करने में, किंतु लगता है यह उम्मीद झूठी निकली। अब 17 जून को पश्चिम बंगाल में नई जलपाईगुड़ी के पास एक जगह ठहरी कंचनजंगा एक्सप्रेस को एक मालगाड़ी ने पीछे से आकर टक्कर मारी, जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और 40 जख्मी हुए। इस दुर्घटना का दोष भी मानवीय चूक पर मढ़ दिया गया। हालांकि, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा की जा रही वैधानिक जांच अभी जारी है, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर कुछ बिंदु जोड़कर, जो हुआ होगा, हम उसका अंदाज़ा लगा सकते हैं। अब तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 17 जून के दिन सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर रंगापानी और चैटरहाट स्टेशनों के बीच रेल-खंड में आसमानी बिजली गिरने से स्वचालित सिग्नल प्रणाली ठप्प पड़ गई, इसकी सूचना 6 बजकर 5 मिनट पर सिग्नल विभाग को प्रेषित कर दी गई। अब चूंकि निदान होने में वक्त लगना था तो सामान्य व सहायक नियमों के मुताबिक विभाग को पैदा हुई समस्या की घोषणा तुरंत कर देनी चाहिए थी, इससे होता यह कि कार्यप्रणाली का ढंग स्वचालित ब्लॉक सिग्नल व्यवस्था से बदलकर पूर्णरूपेण मानव-चालित व्यवस्था बन जाता, शायद तब हादसा टल जाता। फिलहाल अभी पता नहीं है कि ऐसा क्यों नहीं किया गया। नतीजतन, यह प्रखंड स्वचालित सिग्नल नियमों के मुताबिक काम करता रहा, जो ड्राइवरों को दोषपूर्ण सिग्नल पारित करने के लिए अधिकृत करता है। चूंकि स्वचालित क्षेत्रीय व्यवस्था लागू थी तो चालक के लिए गाड़ी की गति 15 किमी प्रतिघंटा तक सीमित रखना और प्रत्येक रेड सिग्नल पर 1 मिनट रुकना जरूरी था। कंचनजंगा एक्सप्रेस सहित 6 रेलगाड़ियों ने इस संहिता की पालना की भी, लेकिन कंटेनर ले जा रही मालगाड़ी के चालक ने ऐसा नहीं किया, जिससे दुर्घटना घटी। यदि मालगाड़ी चालक ने भी उक्त निर्देशों का पालन किया होता तो टक्कर होने से बच जाती। साफ है, मालगाड़ी की रफ्तार 15 किमी प्रतिघंटा से कहीं अधिक थी। लोको ड्राइवरों के प्रवक्ता का कहना है कि 'पेपर लाइन क्लियर' (जिसमें इंजन चालक को अनुमति चिट थमाई जाती है) शायद जरूरी न थी क्योंकि चालक को सावधानी वाली गति बनाए रखते हुए सिग्नल पार करने का अधिकार होता है, चाहे वह खराब हो या न हो, वैसे भी स्वचालित सिग्नल प्रणाली का सारा प्रयोजन रेलगाड़ियों को, जितना संभव हो सके, अधिक से अधिक गाड़ियों को, उचित परस्पर नज़दीकी दूरी कायम रखते हुए चलाना है। उनके अनुसार, पेपर लाइन क्लियर चिट यदि थमाई होती तो इसका सीधा अर्थ है ऐसी परिस्थिति जिसमें चालक के लिए संहिता का पालन करना जरूरी नहीं और वह सामान्य गति से आगे बढ़ सकता है। लगता है, नई सिग्नल व्यवस्था के कार्यकारी-नियमों में यह एक असमंजसपूर्ण त्रुटि है (स्वचालित प्रणाली दो स्टेशनों के बीच एक वक्त में केवल एक ही रेलगाड़ी होने की अनुमति देने वाले कड़े ब्लॉक नियम के विपरीत है)। कर्मियों के विभिन्न स्तरों पर इन नियमों की यथेष्ट समझ न होना भी एक कारक हो सकता है। मानवीय चूक को वजह बताने वाले हादसों को रोकना इतना मुश्किल क्यों है? रेलवे द्वारा नई तकनीकें अपनाकर मानवीय दखलअंदाज़ी न्यूनतम करने के प्रयासों के बावजूद, मसलन, घरेलू तकनीक पर विकसित 'कवच' नामक रेल सुरक्षा प्रणाली- जो खतरे का सिग्नल पार करने के परिणामवश हुई दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बनाई गई है- अभी भी हादसों की संख्या में मानवीय चूकों की हिस्सेदारी आधी है। यदि उक्त रेल-खंड में कवच व्यवस्था स्थापित की गई होती तो भले ही टक्कर होने से बच जाती लेकिन यह चालक को गलती करने से नहीं रोक पाती। तो आखिर क्या वजह है कि मानवीय चूक को खत्म कर पाना इतना मुश्किल है? वह इसलिए, क्योंकि यह असफलता का मुख्य कारक न होकर, व्यवस्था में गहरे तक समाई खामी का चिन्ह है। यह वह चीज़ है जिसकी स्वीकारोक्ति रेलवे विभाग द्वारा करना बाकी है। यह प्रवृत्ति मानवीय चूक को 'सड़े सेब' के नज़रिए से देखती और मानती है कि चंद गैर-भरोसेमंद की काहिली के सिवाय सुरक्षा व्यवस्था मूलतः चाक-चौबंद है, ऐसों की शिनाख्त कर उन्हें मिसाल के तौर पर पेश किया जाए। जबकि इस किस्म के तत्वों से छुटकारा पाने से समस्या हल नहीं होने वाली क्योंकि यह खामी व्यवस्थागत है। दुर्घटनाओं का ठीकरा मानवीय चूक के सिर फोड़ने के प्रसंगों की गिनती घटाने के लिए, रेलवे के शीर्ष कर्ताधर्ताओं को यह स्वीकार करना जरूरी है कि हादसे के जिम्मेवार लोगों की शिनाख्त करना जांच का निष्कर्ष न होकर आरंभिक बिंदु होना चाहिए। प्रबंधन को खुद से पूछना चाहिए कि कौन से ऐसे कारक हैं जो कर्मियों को सुरक्षा के बदले अन्य ध्येय चुनने का मौका बनाते हैं। और उनमें से कितने इनके अपने निर्णयों का परिणाम हो सकते हैं। आखिरकार, संगठन के प्रत्येक स्तर पर बैठे अधिकारियों को बहु-व्यवस्थात्मक ध्येयों को लेकर समझौते करने पड़ते हैं, जिनमें कुछ ऐसे होंगे जो रेल प्रचालन में प्रत्यक्ष रूप में शामिल लोगों पर बेजा जोर डालते होंगे। उपरोक्त स्थिति के मद्देनजर, किसी को भी हैरानी होगी कि आखिर वह क्या था जिसने मालगाड़ी चालक को स्थापित संहिता को अनदेखा करने को मजबूर किया होगा, जबकि वह भी भली भांति जानता था कि टक्कर की सूरत में उसकी अपनी जान भी जा सकती है (और यह हुआ भी)। हम यह निष्कर्ष नहीं निकाल सकते हैं कि इसका उत्तर 'व्यवस्था की विसंगति' से परे नहीं है। यह हो सकता है, और यहां मैं केवल समझाने के मकसद से अंदाजा लगा रहा हूं, चालक नये स्वचालित प्रखंड सिग्नल नियमों से पूरी तरह वाकिफ और प्रशिक्षित न हो, उसने 'पेपर लाइन क्लियर' धारा की छूट उठाई और रेलगाड़ी सामान्य गति से दौड़ाता रहा। शायद स्टेशन मास्टर भी इस बारे में पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं था कि उसके अधिकार क्षेत्र में सिग्नल प्रणाली में आई खामी दुरुस्त करने में यदि वक्त ज्यादा लगे, और जटिलताएं एक से अधिक बन जाएं, तब कौन से सर्वश्रेष्ठ उपाय लागू करवाए। सुरक्षा का मामला, आखिरकार, मानवीय चूकों से कहीं अधिक व्यापक है। सुरक्षा महज प्रणाली का ठप्प पड़ जाना या उसमें आया विकार न होकर, पैदा हुई जटिलताओं के मुताबिक खुद को निरंतर ढालते जाने का परिणाम है। किसी भी घड़ी, व्यक्तिगत और रेलवे की कार्यकुशलता के प्रदर्शन में वर्तमान स्थितियों के मुताबिक समस्या होना लाजिमी है। इस किस्म की समन्वयता बनाने को जो मुश्किल बनाता है वह है संसाधनों और समय का सीमित होना। अतएव, सुरक्षा बनाए रखना एक स्थाई प्रक्रिया है, और इसकी सफलता संगठन, समूह एवं व्यक्ति की, हादसा होने से पहले, जोखिम के पहलुओं का पूर्वानुमान लगाने की काबिलियत पर निर्भर होती है। सीधी-सी बात है- घटिया सुरक्षा तंत्र और मानवीय चूक यह काबिलियत के न होने की वजह से भी है। सुरक्षा विभाग का मुख्य ध्येय जोखिम का आकलन करना और सुरक्षा सुनिश्चित करने को लोचशील व्यवस्था प्रदान करना है। जब रेलवे आला अधिकारियों ने इस मामले में भी मालगाड़ी चालक को दोषी ठहराने में जरा देर नहीं लगाई, ऐसा उन्होंने रेलवे व्यवस्था में पैठ कर चुकी आदत की वजह से किया है। समय आ गया है कि रेलवे विभाग परंपरागत ढर्रे के सिद्धांत को छोड़ दे। जांच का दायरा और कार्रवाई रेल परिचालन में केवल सीधे तौर पर शामिल लोगों तक सीमित रखने से व्यवस्था की वह खामियां दूर नहीं होंगी, जिनकी वजह से दुर्घटनाएं घटती हैं।

लेखक भारतीय रेल के पूर्व महाप्रबंधक हैं।

भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने पर हो रहा है विचार

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का एवं भारत के राजकोषीय घाटे से सम्बंधित आंकड़ों का लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। यदि उक्त दोनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग **BBB-** है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है। किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है। भारत में हाल ही में केंद्र में नई सरकार के गठन सम्बंधी प्रक्रिया सम्पन्न हो चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद मोदी सहित केंद्रीय मंत्रीमंडल के समस्त सदस्यों को विभागों का आबंटन भी किया जा चुका है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान लिए गए आर्थिक निर्णयों का भरपूर लाभ देश को मिला है। इससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली है एवं आज भारत, विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अपार कमी दृष्टिगोचर है। देश में बहुत बड़े स्तर पर वित्तीय समावेशन हुआ है, जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक बचत खाते खोले जा चुके हैं एवं इन बचत खातों में आज लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है, इस राशि का उपयोग देश के आर्थिक विकास के लिए किया जा रहा है। रोजगार के नए अवसर भारी संख्या में निर्मित हुए हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2200 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है। देश के कुछ राज्यों में तो किसानों की आय दुगने से भी अधिक हो गई है। भारत में विदेशी निवेश भारी मात्रा में होने लगा है एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में ही करने लगी हैं। इससे देश में विनिर्माण इकाईयों (उद्योग क्षेत्र) की विकास दर 8-9 प्रतिशत के पास पहुंच गई है। मंदिर की अर्थव्यवस्था एवं लगातार तेज गति से आगे बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन के चलते भारत में आर्थिक विकास की दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से भी अधिक रही है। भारत, अपने आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से आधारभूत ढांचें को विकसित करने के लगातार प्रयास कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.5 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान देश के आधारभूत ढांचे को विकसित करने हेतु किया गया था, जिसे वित्तीय वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इसे और अधिक बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है। आधारभूत ढांचे को विकसित करने से देश में उत्पादकता में सुधार हुआ है एवं विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत में कमी आई है। जिससे, कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को भारत में स्थापित करने हेतु आकर्षित हुई हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर का तो यह भी कहना है कि भारत जिस प्रकार की आर्थिक नीतियों को लागू करते हुए आगे बढ़ रहा है और केंद्र में नई सरकार के आने के बाद से अब सम्भावनाएं बढ़ गई हैं कि भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम बहुत तेजी के साथ किए जाएंगे इससे कुल मिलाकर भारत की आर्थिक विकास दर को लम्बे समय तक 8 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा जा सकता है। भारत ने अपने आर्थिक विकास की गति को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। यह राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.8 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है। भारत के राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.1 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत तक नीचे लाने के प्रयास केंद्र सरकार द्वारा सफलता पूर्वक किए जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी जैसे विकसित देश भी अपने राजकोषीय घाटे को कम नहीं कर पा रहे हैं परंतु भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यह बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का खर्च उसकी आय से अधिक होने पर इसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। केंद्र सरकार ने खर्च पर नियंत्रण किया है एवं अपनी आय के साधनों में अधिक वृद्धि की है।

यह लम्बे समय में देश के आर्थिक स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बहुत महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया है। भारत के कुछ राज्यों (पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल, आदि) में राजकोषीय घाटे को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, परंतु केंद्र सरकार एवं कुछ अन्य राज्य (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु आदि) जरूर अपने राजकोषीय घाटे को सफलता पूर्वक नियंत्रित कर पा रहे हैं। राजकोषीय घाटा मलेशिया, फिलिपीन, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम जैसे देशों में 4 प्रतिशत से कम है जबकि भारत में केंद्र सरकार एवं समस्त राज्यों का कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा 7.9 प्रतिशत है। उक्त वर्णित समस्त देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग क्क्क है जबकि भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग क्क्क- है। अतः भारत के कुछ राज्यों को तो अपने राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु बहुत मेहनत करने की आवश्यकता है। राजकोषीय घाटे को कम करने में भारत को सफलता इसलिए भी मिली है कि देश 20 से अधिक करों को मिलाकर केवल एक कर प्रणाली, वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली, को सफलता पूर्वक लागू किया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के रूप में भारत को औसत 1.75 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रतिमाह अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त हो रही है। साथ ही, प्रत्यक्ष कर के संग्रहण में भी 20 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि परिलक्षित हुई है। भारत में बैंकिंग व्यवस्थाओं के डिजिटलीकरण को ग्रामीण इलाकों तक में लागू करने से भारतीय अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बहुत तेज गति से हुआ है, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में भारी भरकम वृद्धि हुई है। जबकि केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों ने अपने गैर योजना खर्च की मदों पर किए जाने वाले व्यय पर नियंत्रण करने में सफलता भी पाई है।

विचार मंथन

डीमार्ट और सुपर मार्केट में बिक रहा है नकली सामान

लेखक- सनत जैन

नकली और मिलावटी सामान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शोरूम और माल से बिकने लगा है। हाल ही में डीमार्ट, आईपरमार्ट और सुपर मार्केट में नकली सामान की खेप पकड़ी गई है। नामी गिरामी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट में यदि इस तरह के मिलावटी सामान और नकली ब्रांड बिक रहे हैं तो इस स्थिति में देश का भगवान ही मालिक है। सरकार ने खाद्य सुरक्षा और नकली सामान से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बड़े-बड़े कानून बनाए हैं। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियां कानून का उल्लंघन कर अपने आउटलेट से अमानक और नकली सामान की बिक्री करने लगी हैं। सरकार आंख मूंदकर लोगों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आसरे में लुटने के लिए छोड़ दे। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। छोटी मोटी दुकानों में तो छापे डाले जाते हैं। रेहड़ी और पटरी वालों को भी नहीं छोड़ा जाता है। खुले दूध की बिक्री लगभग-लगभग पूरे देश में बंद हो गई है। छोटी-छोटी होटल बंद हो गई हैं। अब डिब्बा बंद मिठाइयां और पेक्ड नमकीन बाजार में बिक रहा है। स्थानीय स्तर का रोजगार पूरी तरह से खत्म हो गया है। पिछले एक दशक में जिस तरह से नकली सामान और अमानक खाद्य पदार्थों को लेकर सरकार द्वारा सारे देश में मुहिम चलाई गई। उसकी गाज छोटे-छोटे कारोबारियों पर गिरी है। इसका लाभ बड़ी-बड़ी कंपनियों को मिला है। वहीं ब्रांडेड कंपनियों के आउटलेट में धड़ल्ले से बड़ी मात्रा में नकली सामान बेचा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जयपुर में उजागर हुआ है। जयपुर के डीमार्ट और आईपरमार्ट, सुपर मार्केट के आउटलेट में बड़ी मात्रा में नकली घी और तेल जप्त किया गया है। जयपुर खाद्य विभाग की टीम ने नकली सामग्री बेचने की खबर पर कार्रवाई की। सरस घी के नाम से सरकारी ब्रांड का नकली घी डी मार्ट के आउटलेट से विक्रय किया जा रहा था। वहीं सिरसी रोड में स्थित आइपरमार्ट में टैगोर ब्रांड का नकली घी बेचा जा रहा था। खाद्य विभाग की जांच के दौरान नकली सामान बेचने का मामला उजागर हुआ। डी मार्ट के आउटलेट में खंडेलवाल एंड कंपनी द्वारा सरस घी की सप्लाई की जा रही थी। डी मार्ट जिनसे घी खरीद रहा था, वह कंपनी के अधिकृत डीलर नहीं थे। डीमार्ट प्रबंधन ने लापरवाही बरती या उनकी मिली भगत थी, इसका खुलासा नहीं हुआ। खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद जिन दो फार्मो द्वारा नकली घी की सप्लाई की गई थी, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। दोनों फर्मों के संचालक फरार हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है, कि दोनों फमों के कर्ताधर्ता कैसे नकली घी की सप्लाई करते थे। घी कहां से लाते थे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभी तक 40000 लीटर से अधिक नकली तेल और घी को जप्त किया है। मिलावटी सामान की सप्लाई करने वाली फर्मों के बारे में खाद्य विभाग और स्थानीय पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। खाद्य विभाग ने डीमार्ट, आईपरमार्ट और सुपर मार्केट जैसे संस्थानों के ऊपर कोई कठोर कार्रवाई नहीं की है। सरस कंपनी के सीएमडी सुषमा अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया है, कि कंपनी के प्रोडक्ट में क्यूआर कोड प्रिंट किया जाता है। स्कैन करने पर सही पहचान भी की जा सकती है। इसके बाद भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और सुपर मार्केट जैसे संस्थान, कमाई के लालच में नकली सामान, उपभोक्ताओं को खुलेआम बेचकर उन्हें दिन दहाड़े ठग रहे हैं। खाद्य विभाग द्वारा बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। यह चिंता का विषय है। अब तो लोग कह रहे हैं, भारत में दो तरह के कानून हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अलग कानून हैं। बड़े-बड़े लोगों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत में अलग कानून है। लोगों का मानना है, कि खाद्य विभाग को

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट को सील करना चाहिए था। पूरे आउटलेट की जांच करनी चाहिए थी, लेकिन खाद्य विभाग ने उनके ऊपर कोई कार्यवाही ना करके, उन्हें बचाने का प्रयास करने जैसा काम ही किया है। खाद्य विभाग द्वारा पुलिस में केवल सप्लायर के ऊपर एफआईआर दर्ज कराई है। इससे देश भर के लोगों में नाराजी फैल रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट पर लोग बड़े विश्वास के साथ खाद्य पदार्थों की खरीदी करने और ब्रांडेड सामग्री को खरीदने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में पहुंचते हैं। यदि बड़ी-बड़ी और बहुत राष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट से नकली और अमानक सामान बेचा जा रहा है। ऐसी स्थिति में किस पर भरोसा किया जा सकता है।

यह आग की झील है। इसका पानी इस्तेमाल करना तो दूर, यहां खड़े होने के बारे में भी सोच नहीं सकते? अगर आपने छलांग लगाई तो जलकर खाक हो जाएंगे।

आग का दरिया नहीं यह झील है
खाक हो जाएंगे यहां...

दोस्तों, तुमने बहुत-सी अनोखी और प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर नदियों के बारे में सुना होगा। हो सकता है देखा भी हो। बहुत-सी नदियों के नीले साफ पानी में आपने अपने परिवार और दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भी की होगी। करें भी क्यों न नदियों का ठंडा नीला पानी सभी को लुभाता है। इसके ठंडे पानी में घुटनों तक खड़े होकर दूर आसमान को निहारने का लुत्फ अलग ही होता है। पहाड़ी इलाकों में तो नदियों का पानी इस कदर साफ होता है कि लोग हर काम के लिए इन्हीं के जल पर निर्भर होते हैं। यहां तक कि उन्हें इस पानी को पीने में कोई गुरेज नहीं होता। लेकिन क्या आप एक ऐसी नदी के बारे में जानते हैं, जहां का पानी इस्तेमाल करना तो दूर, आप वहां खड़े होने के बारे में भी सोच नहीं सकते? अगर आपने ऐसा करने की हिमाकत की तो आप जलकर खाक हो जाएंगे।

जी हां, अमूमन सागर और झीलों को ठंडक देने के लिए जाना जाता है लेकिन तंजानिया में स्थित नेटरोन झील ठंडे पानी की बजाय अपने तापमान को लेकर पूरे विश्व में मशहूर है। केन्या बॉर्डर से लगती इस झील का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है और इसके पानी में सोडा और नमक की मात्रा भी काफी अधिक है। इसीलिए इसे जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। बहुत अधिक गर्म होने के कारण यहां पर एक बार छलांग लगाने वाला जीव सख्त पत्थर में परिवर्तित हो जाता है। यहां तक कि अब भी इस झील और इसके आसपास ऐसे जीवों के पत्थरनुमा शरीर देखे जा सकते हैं। अपनी अद्वितीय जैव विविधता के कारण तंजानिया ने 4 जुलाई, 2001 को इस झील को रामसर लिस्ट में शामिल किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खासा महत्व रखती है।

10 फुट से भी कम गहराई

इस झील का जल स्तर काफी कम है। यह लगभग तीन मीटर अर्थात 9.8 फुट से भी कम गहरी है। झील के आसपास का क्षेत्र सूखा है हालांकि यहां अनियमित मौसमी वर्षा भी होती है। अमूमन झील का रंग उच्च वाष्पीकरण दरों द्वारा निर्धारित होता है। जब गर्मी के मौसम में झील का पानी भाप बन जाता है और झील पूरी तरह सूख जाती है, तब झील में केवल नमक ही शेष बचता है। ऐसे में, नमक से प्रेम करने वाले सूक्ष्मजीव वहां पनपने लगते हैं। यह सूक्ष्म जीव भी पौधों की भांति प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन स्वयं बनाने में सक्षम होते हैं। इन सूक्ष्मजीवों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया के कारण झील का रंग लाल और कहीं-कहीं नारंगी भी होता है तथा सतह पर क्षार नमक और सूक्ष्मजीवों के कारण इसका रंग गुलाबी और लाल पाया जाता है। साथ ही नमक, दलदल और ताजा पानी झील के आसपास विभिन्न किस्म के पौधों को उगने के लिए समर्थन करते हैं।

अब आया नया खतरा

अब तक जहां सिर्फ इसका तापमान ही जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए खतरे का कारण था, वहीं अब झील पर भी एक नया खतरा मंडरा रहा है। यह नया खतरा उसके किनारे पर सोडा राख संयंत्र का प्रस्तावित विकास है। इस संयंत्र द्वारा झील से पानी पंप करके सोडियम कार्बोनेट निकाला जाएगा, जिससे निर्यात करने के लिए वाशिंग पाउडर बनाया जाएगा। संयंत्र के साथ 1,000 से अधिक कार्यकर्ताओं और एक कोयला आधारित पावर स्टेशन के लिए संयंत्र परिसर में ऊर्जा प्रदान करने के लिए आधार भी बनेगा। साथ ही यह भी संभावना जताई जा रही है कि निकासी की क्षमता बढ़ाने के लिए डेवलपर्स वहां एक हाइब्रिड ब्रान शिम्प अर्थात संकर नमकीन शिम्प की शुरुआत करेंगे। इस संयंत्र से झील को कितना नुकसान होता है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

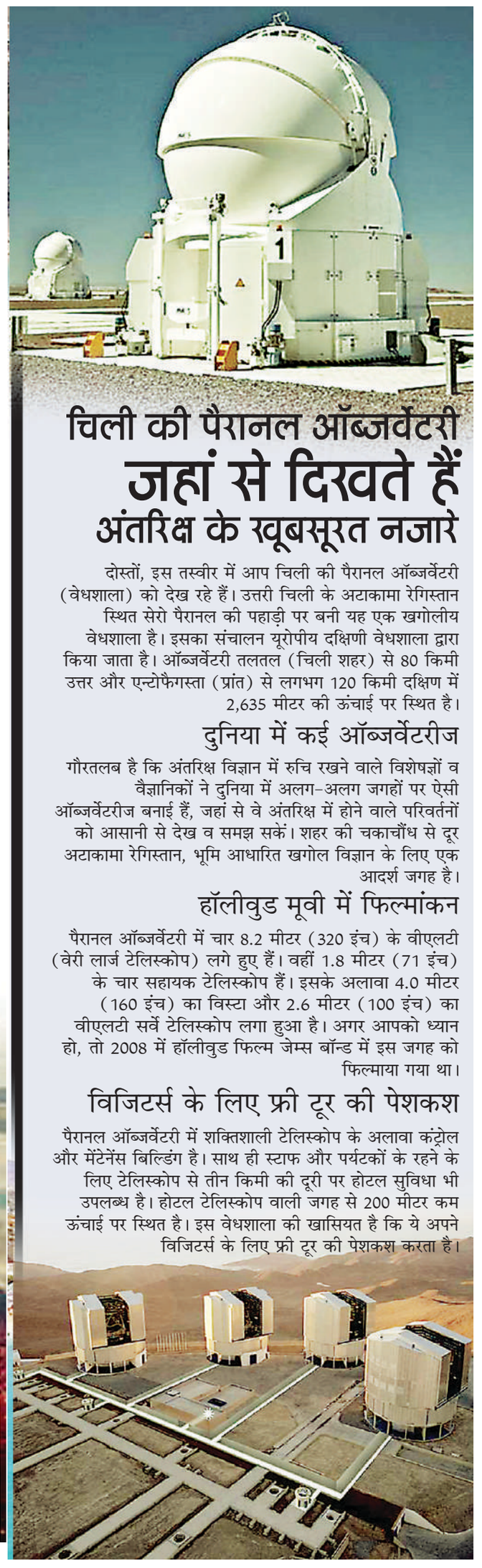

चिली की पैरानल ऑब्जर्वेटरी
जहां से दिखते हैं
अंतरिक्ष के खूबसूरत नजारे

दोस्तों, इस तस्वीर में आप चिली की पैरानल ऑब्जर्वेटरी (वेधशाला) को देख रहे हैं। उत्तरी चिली के अटाकामा रेगिस्तान स्थित सेरो पैरानल की पहाड़ी पर बनी यह एक खगोलीय वेधशाला है। इसका संचालन यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला द्वारा किया जाता है। ऑब्जर्वेटरी तलतल (चिली शहर) से 80 किमी उत्तर और एन्टोफैगस्ता (प्रांत) से लगभग 120 किमी दक्षिण में 2,635 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

दुनिया में कई ऑब्जर्वेटरीज

गौरतलब है कि अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाले विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों ने दुनिया में अलग-अलग जगहों पर ऐसी ऑब्जर्वेटरीज बनाई हैं, जहां से वे अंतरिक्ष में होने वाले परिवर्तनों को आसानी से देख व समझ सकें। शहर की चकाचौंध से दूर अटाकामा रेगिस्तान, भूमि आधारित खगोल विज्ञान के लिए एक आदर्श जगह है।

हॉलीवुड मूवी में फिल्मांकन

पैरानल ऑब्जर्वेटरी में चार 8.2 मीटर (320 इंच) के वीएलटी (वेरी लार्ज टेलिस्कोप) लगे हुए हैं। वहीं 1.8 मीटर (71 इंच) के चार सहायक टेलिस्कोप हैं। इसके अलावा 4.0 मीटर (160 इंच) का विस्टा और 2.6 मीटर (100 इंच) का वीएलटी सर्वे टेलिस्कोप लगा हुआ है। अगर आपको ध्यान हो, तो 2008 में हॉलीवुड फिल्म जेम्स बॉन्ड में इस जगह को फिल्माया गया था।

विजिटर्स के लिए फ्री टूर की पेशकश

पैरानल ऑब्जर्वेटरी में शक्तिशाली टेलिस्कोप के अलावा कंट्रोल और मेंटेनेंस बिल्डिंग है। साथ ही स्टाफ और पर्यटकों के रहने के लिए टेलिस्कोप से तीन किमी की दूरी पर होटल सुविधा भी उपलब्ध है। होटल टेलिस्कोप वाली जगह से 200 मीटर कम ऊंचाई पर स्थित है। इस वेधशाला की खासियत है कि ये अपने विजिटर्स के लिए फ्री टूर की पेशकश करता है।

दुनिया का सबसे ऊंचा
169 फुट का वाटर स्लाइड!

पानी पर रोमांच करना किसे अच्छा नहीं लगता! फिर चाहे बच्चा हो या बड़ा, हर कोई वाटर स्लाइड का नाम सुनते ही खुशी से झूमने लगता है। आपने आज तक बहुत-सी वाटर स्लाइड की होंगी लेकिन शायद आपको यह जानकर हैरानी हो कि अब एक ऐसी भी वाटर स्लाइड बन गई है, जिसकी लंबाई लगभग 169 फीट है। जी हां, कैनकास सिटी में स्लिश्टरबेहन के वाटर पार्क में दुनिया के इस सबसे ऊंचे वाटर स्लाइड को बनाया गया है। स्लिश्टरबेहन के वाटर पार्क में बने विश्व के इस सबसे ऊंचे वाटर स्लाइड का नाम वेरक्ट रखा गया है। अपनी इस ऊंचाई के कारण यह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल हो चुका है।

65 मील प्रतिघंटे की रफ्तार

यह वाटर स्लाइडर पानी में रोमांच की सबसे ऊंची जगह है, जहां पर स्लाइड करने वाला व्यक्ति 65 मील प्रतिघंटे की रफ्तार से नीचे आता है। 17 मंजिला लगभग 169 फुट ऊंचा यह वाटर स्लाइड नाइजीरिया के वाटर फॉल से भी ऊंचा है। पानी और ऊंचाई पर रोमांच की इस दुनिया को बनाने का श्रेय स्लिश्टरबेहन के को-ओनर जैफ हेनरी को दिया जाता है। इसे डिजाइन किया है स्लिश्टरबेहन वाटर पार्क के सीनियर डिजाइनर जॉन स्कूली ने। यह इतना ऊंचा है कि इसे बनाने वाले जैफ हेनरी ने ही इसे एक मॉन्स्टर अर्थात दैत्य की संज्ञा दी है। नवम्बर 2012 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट काफी पहले ही लोगों के लिए खोल दिया जाता लेकिन बहुत-सी परेशानियों के बाद इसे पूरा होने में लगभग डेढ़ साल लग गए और अंत में कड़ी मेहनत के बाद 10 जुलाई 2014 को आम लोगों के लिए खोल दिया गया।

बच्चे नहीं जा सकते

इस स्लाइड के राफ्ट में एक साथ तीन से चार लोग बैठकर इसका आनंद उठा सकते हैं। इस स्लाइड में बच्चों को जाने की अनुमति नहीं है। इस स्लाइड में जाने के लिए व्यक्ति की हाइट 5 फीट से अधिक होनी आवश्यक है। विश्व की सबसे ऊंची यह वाटर स्लाइड तभी चालू की जाती है, जब राफ्ट का वजन 400 से 550 पाउंड के बीच हो। चूंकि यह स्लाइड न सिर्फ वहां के निवासियों अपितु पर्यटकों को भी काफी लुभा रही है, इसलिए इस स्लाइड को इंज्वॉय करने के लिए रिजर्वेशन प्रोसेस शुरू किया गया है। इस स्लाइड पर बैठकर ऐसा अनुभव होता है जैसे कोई एम्पायर स्टेट बिल्डिंग से कूद रहा हो। चूंकि यह स्लाइड जितनी रोमांचक है उतनी ही डरावनी भी। इसलिए कमजोर दिल के व्यक्तियों को इस स्लाइड पर नहीं बैठना चाहिए। अगर आप कभी कैनकास सिटी जाएं तो इस राइड का लुत्फ अवश्य उठाएं लेकिन तभी जब आपका दिल मजबूत हो!

दुनिया का सबसे बड़ा सी-साइड टाउन इटली का
ट्रोपिया

दक्षिण इटली में स्थित ट्रोपिया एक खूबसूरत सी साइड टाउन है। इसे कोस्ट ऑफ गॉड्स भी कहा जाता है। यहां आने वाले इस जगह को परफेक्ट समर हॉलीडे डेस्टिनेशन मानते हैं। इस जगह का इतिहास उतना ही पुराना है जितना कि रोमन पीरियड। कहा जाता है कि जब हरक्यूलिस, स्पेन लौट रहे थे तो उन्होंने कुछ वक्त के लिए ट्रोपिया को अपना पोर्ट बना लिया था। इसी वजह से आज भी यहां की सड़कों पर पुराना आर्किटेक्चर दिखाई देता है।

ट्रोपिया में और बहुत कुछ...

यहां का नॉर्मन चर्च डुओमो सबसे आकर्षक इमारत है। यहां आने वाले जगह के इतिहास को जान सकें, इसलिए मुसियो डिओसीसैनो म्यूजियम है। सेंटा मारिया डेलसोला, लिडो एल.ओइस, पियाजा इर्कोले देख सकते हैं।

क्लिफ के ऊपर होने के कारण ये जगह काफी डरावनी दिखाई देती है। एक के बाद एक यहां कई बीचेस हैं जहां का पानी बिलकुल साफ है। यहां मिलने वाले वुडन स्टैचू और चांदी के सामान की सप्लाई इटली में होती हैं।

ट्रोपिया से दूसरी तरफ स्थित बड़े आकार वाले रॉक खूबसूरत दिखते हैं। कहा जाता है कि कई साल पहले ये जगह एक टापू था। अब सिर्फ पत्थर हैं।

छोटी-छोटी सड़कों के कोने पर बने रेस्त्रां में खाने का अलग स्वाद मिलता है। अब यहां लोग सनबाथ या एडवेंचर गेम्स का मजा लेने आते हैं, लेकिन सदियों पहले चर्च, पैलेस, गार्डन देखने आया करते थे। पूरे शहर में एक ही तरह का खाना मिलता है। ट्रेडिशनल फूड में स्वीट रेड अनियन सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। दरअसल, ये जगह रेड अनियन (प्याज) के लिए प्रसिद्ध है। यहां आने वाले प्याज लेकर जाते हैं। ट्रोपिया को देखने के लिए यहां रेलवे लाइन और बोट ट्रिप उपलब्ध हैं। जुलाई और अगस्त में यहां सबसे ज्यादा लोग आते हैं। मई, जून और सिंतबर में ज्यादा टूरिस्ट होने के कारण जगह काफी सस्ती है।

संक्षिप्त

हथियार व गोली के साथ बदमाश गिरफ्तार

सहरसा। बख्तियारपुर पुलिस सर्किल क्षेत्र के सलखुआ थाना की कोपरिया पंचायत के राय चौक से एक बदमाश को हथियार व गोली के साथ सलखुआ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के संबंध में सोमवार को सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बख़्तियारपुर थाना में प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि रविवार शाम को सलखुआ पुलिस बल गश्ती के दौरान कोपरिया गांव के राय चौक के समीप पहुंची कि एक गुमटी पर खड़ा एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा।

पति के सामने नहर में कूदी पत्नी, मौत

वाल्मीकिनगर। वाल्मीकिनगर थाने की चंपापुर गोनौली पंचायत के धंगड़हिया में पत्नी से कहासुनी के बाद पत्नी ने उसके सामने ही तिरहुत नगर में छलांग लगा दी। घटना रविवार को दोपहर की है। परिजन और ग्रामीण उसके शव को नहर में खोज रहे हैं। उसके पति प्रद्युमन उरांव ने बताया कि किसी बात पर दोनों में कहासुनी हो गई। इससे नाराज होकर मेरे सामने चमैनिया के नजदीक मुख्य तिरहुत नहर में छलांग लगा दी। घटना के बाद उसकी तीनों पुत्रियों प्रिया कुमारी (12), प्रीति कुमारी (6) और कन्या कुमारी (3) का रो-रोकर बुरा हाल है।

रूपौली विस उपचुनाव में एक का पर्चा रद्द

पटना। रूपौली विधानसभा उप चुनाव को लेकर नामांकन पत्र दाखिल करनेवालों के नामांकन पत्रों की जांच सोमवार को संपन्न हो गयी। इस विधानसभा उपचुनाव में कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। जांच के दौरान एक प्रत्याशी का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया जबकि शेष 12 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाये गये। वैध नामांकन पत्रों में जदयू के प्रत्याशी कलाधर प्रसाद मंडल और राजद प्रत्याशी बीमा भारती का नामांकन पत्र भी शामिल है। उपचुनाव में नामांकन दाखिल करनेवाले प्रत्याशियों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जुलाई निर्धारित की गयी है।

तीन अलग-अलग घरों में लाखों की चोरी

सोनवर्षाराज (सहरसा)। प्रखंड के नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार चोरी की घटना में इजाफा हो रहा है। मई माह के बाद जून में भी चोरों के उत्पात से आमजन त्रस्त हो रहे हैं। रविवार की रात भी अज्ञात चोरों के एक समूह द्वारा नगर पंचायत सोनवर्षा के हरिखंड गांव में तीन अलग-अलग परिवार के घरों में लाखों रुपयों के गहने, नकदी, महंगे कपड़े, बर्तन व एक एलसीडी की चोरी कर पूरे गांव में दहशत पैदा कर दिया है। रविवार की रात चोरों ने सबसे पहले हरिखंड गांव के मुकेश गुप्ता के घर को अपना निशाना बनाया।

मुख्यमंत्री 27 को वाल्मीकिनगर में

बेतिया। लोकसभा चुनाव बीतने के बाद मुख्यमंत्री विकास कार्यों का अवलोकन करने के लिए निकल रहे हैं। वह आगामी 27 जून को वाल्मीकिनगर आयेंगे। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने बताया कि दूरभाष पर मिली जानकारी के अनुसार सीएम आगामी 27 जून को वाल्मीकिनगर आयेंगे। वह करीब 106 करोड़ की लागत से निर्मित कन्वेंशन सेंटर के साथ अतिथिगृह का भी लोकार्पण करेंगे।

बैंक लूटने आये बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़, दो अपराधी घायल

- पुलिस ने घेराबंदी की, तो अपराधी करने लगे फायरिंग

एजेंसियां, मुजफ्फरपुर

सिवाइपट्टी थाना क्षेत्र के बनघरा में सोमवार को इंडियन बैंक में लूटपाट करने पहुंचे अपराधियों से पुलिस की मुठभेड़ हो गयी । अपराधियों ने पुलिस को देखते ही अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। थानेदार मनमोहन कुमार ने अपराधियों को सरेंडर करने की चेतावनी दी। इसके बाद भी अपराधी ताबड़तोड़ फायरिंग करते रहे। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें कुख्यात बैंक लुटेरा सुंदरम कुमार (25) के पैर में दो गोली और दीपू कुमार (23) के पैर में एक गोली लगी। अपराधियों की फायरिंग में सिवाइपट्टी थाने की पुलिस गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गयी।पुलिस ने दोनों अपराधियों के पास से दो पिस्टल जब्त की है। मीनापुर पीएचसी में प्राथमिक उपचार करने के बाद अपराधियों को एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है। एसएसपी राकेश कुमार, सिटी एसपी अवधेश सरोज दीक्षित, एएसपी पूर्वी शहरियार अख्तर, डीएसपी पश्चिमी समेत जिला पुलिस के सभी वरीय पदाधिकारी पहले घटनास्थल पर पहुंच कर जांच की। फिर, एसकेएमसीएच पहुंच कर घायल अपराधियों से पूछताछ की है।

सुंदरम पर उड़ीसा, कोलकाता में बैंक लूट के मामले हैं दर्ज : कांटी के रहने वाले कुख्यात बैंक लुटेरे सुंदरम कुमार पर जिले में 12 बैंक लूट, डकैती की प्राथमिकी दर्ज है। इसके अलावा ओडिशा, कोलकाता समेत कई राज्यों में भी बैंक लूट के मामले दर्ज है। जिला पुलिस की विशेष टीम लगातार उसके ठिकाने पर रेड कर रही थी। वह लगातार फरार चल रहा था। एसएसपी ने बताया कि दूसरा अपराधी दीपू पर भी तीन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी मिली है। उसका विस्तृत आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

इधर, एसएसपी राकेश कुमार ने कहा कि सिवाइपट्टी में बैंक लूटने की नीयत से पहुंचे दो अपराधियों ने पुलिस पर गोलीबारी कर दी है। पुलिस गाड़ी में तीन गोली लगी है। आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की गयी है। इसमें कुख्यात बैंक लुटेरा सुंदरम के पैर में दो गोली व दीपू के पैर में एक गोली लगी है।

गार्ड ने संदिग्ध गतिविधि देख थानेदार को दी सूचना

सिवाइपट्टी थानेदार ने बताया कि बनघारा का इंडियन बैंक शिवहर , पूर्वी चंपारण और मोतीपुर, कांटी, मीनापुर व सिवाइपट्टी के बॉर्डर पर है। बैंक में सुरक्षा के लिए थाने से तीन गार्ड रखा गया है। सोमवार को दोपहर दो युवक माथे में गमछा बांधे थे। बैंक के आसपास रेकी करते हुए दिख रहे थे। संदेह होने पर गार्ड ने सूचना दी। पुलिस टीम के साथ वह मौके पर पहुंचे। अपराधियों ने देखते ही पुलिस जीप पर फायरिंग कर दी।

4.28 लाख के घपले में बैंक प्रबंधक सहित तीन नामजद

नवादा। नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही गांव निवासी व प्रखंड कार्यालय कौआकोल में पदस्थापित कार्यपालक सहायक रत्नाकर प्रसाद के बैंक खाता से हुई 4 लाख 28 रुपये से अधिक की अवैध निकासी मामले में सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक कौआकोल के प्रबंधक समेत तीन अन्य नामजद अभियुक्त बनाए गए। घपले के विरुद्ध एक अन्य बैंक कर्मियों के विरुद्ध पीड़ित के लिखित आवेदन के आलोक में प्राथमिकी कौआकोल थाना में सोमवार को दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत कांड संख्या-195/24 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान का जिम्मा थाना में ही पदस्थापित एसआई लक्ष्मण यादव को दिया है। बता दें कि कार्यपालक सहायक रत्नाकर प्रसाद के खाते से 4 लाख 28 हजार 690 रुपये की अवैध ढंग से निकासी 12 जून एवं 13 जून को कर ली गई थी। इस सम्बंध में पीड़ित कार्यपालक सहायक द्वारा कौआकोल थाना में बैंक प्रबंधक प्रशांत कुमार प्रसाद, बैंक कर्मी मनोज कुमार, रंजीत कुमार, अनिल कुमार सहित चार के विरुद्ध लिखित आवेदन देकर जलसाजी के तहत उनके खाता से 4 लाख 28 हजार 690 रुपये की अवैध निकासी करने का आरोप लगाया है। कार्यपालक सहायक प्रसाद ने कहा कि इतना ही नहीं उनके खाता का पता भी भलुआही, थाना कौआकोल से बदलकर जैन वीडियोज 5जी फ्लॉर, टाइम्स ऑफ इंडिया बिउल, पटना बिहार कर दिया गया है, जबकि उनके द्वारा कभी भी बैंक में एड्रेस बदलने को लेकर कोई आवेदन नहीं दिया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि जलसाजी के तहत प्रबंधक एवं अन्य बैंक कर्मियों के सहयोग से उनके पीएनबी कौआकोल के बैंक खातासंख्या-2309000100196096 से अवैध ढंग से राशि की निकासी कर ली गई है। उनका स्पष्ट मानना है कि बगैर बैंक कर्मियों की मिलीभगत से इतनी मोटी रकम की निकासी महज एक दिन में सम्भव ही नहीं है।

सीएम आवास घेराव करने पहुंचे अतिथि शिक्षकों पर लाठीचार्ज, कई घायल

पटना। राज्य सरकार ने कबिनेट की बैठक में नयी बहाली निकालने और लोगों को नौकरी देने की बात कही थी लेकिन बिहार के चार हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों की सेवा एक झटके में सरकार ने समाप्त कर दी। इसके विरोध में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पटना पहुंचे अतिथि शिक्षकों पर सोमवार को पटना पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस लाठीचार्ज में कई शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गये।

इस संबंध में शिक्षकों का कहना है कि पटना में सोमवार को मुख्यमंत्री आवास के सामने अतिथि शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। शिक्षक अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे थे। पुलिस ने पहले उन्हें रोका लेकिन जब वो नहीं माने तो लाठीचार्ज कर उन्हें वहां से हटाया। इसमें कई शिक्षकों को चोट भी आई है।

पुल गिरने की जांच करने पहुंची एफएसएल की टीम, सबूत गायब

घोड़ासहन (पूचं)। प्रखंड क्षेत्र के अमवा में 1 करोड़ 59 लाख की लागत से बन रहे पुल के गिरने की जांच करने मुजफ्फरपुर की एफएसएल व पुलिस टीम सोमवार को घटना स्थल पर पहुंची। एफएसएल की दो सदस्यीय टीम व छौड़ादानो अंचल निरीक्षक धनंजय कुमार ने संयुक्त रूप से जांच की। जांच के दौरान घटनास्थल से टीम को कई सबूत गायब मिले। एफएसएल टीम के अधिकारी ने बताया कि जब पुल निर्माण कंपनी ने पुल गिरने की घटना को लेकर

अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है, तब सारे सबूत यहां से नहीं हटाने चाहिए थे।

पुल निर्माण एजेंसी ने रातो रात गिरे पुल का मलबा गायब कर दिया है। इससे प्रथम दृष्टया पुल निर्माण एजेंसी की लापरवाही सामने आ रही है। अंचल निरीक्षक ने आसपास के ग्रामीणों से पुल गिरने की घटना के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों के बयान को दर्ज किया। मौके पर एफएसएल टीम व अंचल निरीक्षक के साथ पुअनि विकास कुमार, दीपक कुमार व पुलिस बल मौजूद रहे। बताते चलें कि शनिवार की रात ढलाई के बाद 1 करोड़ 59 लाख की लागत से बन रहा पुल गिर गया। ग्रामीणों ने घटिया पुल निर्माण कार्य को लेकर पुल निर्माण एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की व प्रदर्शन किया था।

पेज एक का शेष

झारखंड में 5 सितंबर...

पठन-पाठन में बाधा नहीं पहुंचे : सीएम ने कहा कि शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने शिक्षक बहाली के लिए जो लक्ष्य रखा है, उसी अनुरूप कार्य प्रगति में तेजी लाते हुए लक्ष्य को हासिल करना है। इस निमित्त शिक्षक बहाली की सभी प्रक्रियाओं को यथाशीघ्र पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हमारी सरकार राज्य में शैक्षणिक व्यवस्थाओं को निरंतर मजबूत करने का कार्य कर रही है। स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थियों को शिक्षकों की कमी की वजह से पठन-पाठन में बाधा नहीं पहुंचे। यह हमसभी की नैतिक जिम्मेवारी है।

वितरण कार्यों को ससमय पूरा करें : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, पोशाक वितरण, मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना एवं साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को ससमय पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक आपूर्ति एवं वितरण का कार्य जारी है। निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पोशाक वितरण कार्य में तेजी लाते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की संख्या बढ़ाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की कार्य योजना में तेजी लाएं। राज्य के स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्थाओं को हर हाल में सुदृढ़ करना है। राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में बिजली, पानी, शौचालय तथा स्कूल परिसरों के साफ सफाई में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट क्लास की पढ़ाई की व्यवस्था में कोई बाधा नही पहुंचनी चाहिए, यह सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा, निपुण समागम-2024, विद्यालय प्रमाणीकरण, मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत मेधावी छात्रों के बीच पुरस्कार वितरण, समावेशी शिक्षा मध्यान्ह भोजन योजना सहित विभाग द्वारा किए जा रहे अन्य कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव समेत ये अधिकारी मौजूद : बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक (सर्व शिक्षा अभियान) आदित्य रंजन, प्राथमिक शिक्षा निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद जयंत मिश्रा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जानबूझकर वनपट्टा के...

सम्मान के साथ दें वनपट्टा : अबुआ वीर, अबुआ दिशोम अभियान को लेकर आयोजित कार्यशाला झारखंड के लिए ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित होगा। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम को सरल और पारदर्शी बनाकर झारखंड के वन क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी-मूलवासी सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को ग्राम सभा के निर्णय के अनुसार सम्मान के साथ वनपट्टा प्रदान करें। ग्राम सभा की अनुशंसा के अनुरूप वनपट्टा के लिए मिले आवेदनों में भूमि की मांग हेक्टेयर में हो या एकड़ में, हम उतनी भूमि उन्हें प्राथमिकता के तौर पर उपलब्ध कराएंगे। इस लक्ष्य के साथ कार्य करने की जरूरत है।

दायित्वों का निर्वहन करें अधिकारी : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने विश्वास जताया कि इस कार्यशाला के बाद अबुआ वीर, अबुआ दिशोम अभियान में तेजी आएगी। वनपट्टा वितरण में जो कमी रही है, उसे इस अभियान के तहत पूरा करना ही मुख्य उद्देश्य है। भरोसा है कि लक्ष्य के अनुरूप अब वनपट्टा वितरण कार्य में राज्य सरकार अवश्य आगे बढ़ते हुए सफलता हासिल करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वन क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों के बीच सिर्फ वनपट्टा वितरण करना ही नहीं बल्कि, उन्हें विकास के हर पहलू से जोड़ने की आवश्यकता है। सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से उन्हें मजबूत करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। हम सभी मिलकर झारखंड में एक ऐसी व्यवस्था बनाएं, जहां ग्रामीण और शहरी लोगों के विकास में कोई भेदभाव नहीं हो। सबका एक समान विकास हो। देश में झारखंड विकास के मॉडल का एक बेहतर उदाहरण पेश कर सके। मजबूत इच्छाशक्ति को जागृत कर अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

वनपट्टा के आवेदनों को जानबूझकर रद्द नहीं करें : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम वर्ष 2006 में लागू हुआ है। इस अधिनियम के लागू हुए 18 साल हो चुके हैं फिर भी हम सभी लोग वन क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को वन भूमि का अधिकार अभी तक देने में काफी पीछे हैं। झारखंड के विभिन्न कार्यालयों में वनपट्टा के हजारों आवेदन रद्द कर दिए गए हैं। ये आवेदन क्यों रद्द हुए हैं, इसका जवाब जनता को देना पड़ेगा।

अधिकारी वनपट्टा के लिए प्राप्त आवेदनों को जानबूझकर रद्द करने का प्रयास करेंगे, उन पर राज्य सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी। इस कार्यशाला में 2 डिसमिल और 3 डिसमिल भूमि का वनपट्टा आवेदकों को देने को लेकर चर्चा करने के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं, बल्कि वनवासियों को उन्हें उनका पूरा अधिकार देने के संकल्प के लिए एकत्रित हुए हैं। वन भूमि पर जिनका जितना अधिकार है, उन्हें सम्मानपूर्वक उपलब्ध कराएंगे। वन क्षेत्र में रहनेवाला परिवार उस भूमि पर कृषि कार्य कर चाहे धान की खेती हो, रबी फसल हो या वन उत्पाद हो, अपना जीवन यापन सम्मान के साथ कर सकें।

कार्यशाला में ये थे उपस्थित : कार्यशाला में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, पीसीसीएफ संजय श्रीवास्तव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, विभागीय सचिव कृपानंद झा, सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता संजय उपाध्याय, आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, सभी जिलों के उपायुक्त एवं जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

सरकारी महिला...

नए नियमों में कहा गया है, सरोगेसी के माध्यम से बच्चा होने के मामले में पिता, जो सरकारी सेवक है, जिसके दो से कम जीवित बच्चे हैं, उसे बच्चे के जन्म की तारीख से छह माह के भीतर 15 दिन का पितृत्व अवकाश दिया जा सकता है। अभी तक सरोगेसी केस में अवकाश का नहीं था प्रावधान : अभी तक सरोगेसी के जरिए बच्चे के जन्म की सूरत में सरकारी महिला कर्मियों को मातृत्व अवकाश देने के लिए कोई नियम नहीं था। इन नियमों को 18 जून को अधिसूचित किया गया। इसमें कहा गया है कि सरोगेसी की दशा में, मां, जिसके दो से कम जीवित बच्चे हैं, उसे शिशु देखभाल अवकाश दिया जा सकता है। मौजूदा नियमों से किसी महिला सरकारी सेवक और एकल पुरुष सरकारी सेवक को दो सबसे बड़े जीवित बच्चों की देखभाल के लिए जैसे कि शिक्षा, बीमारी और इसी तरह की जरूरत होने पर पूरे सेवाकाल के दौरान अधिकतम 730 दिन का शिशु देखभाल अवकाश (चाइल्ड केयर लीव) दिया जा सकता है।

प्रधानमंत्री समेत...

इन्हें प्रधानमंत्री के बाद शपथ दिलाई जानी थी, लेकिन विपक्षी सदस्यों कोडिकुन्नील सुरेश, टीआरबालू और सुदीप बंदोपाध्याय शपथ के समय सदन में उपस्थित नहीं थे। बाकी तीनों पैनल सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। इसके बाद कैबिनेट मंत्रियों राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी सहित एक-एक कर सबने शपथ ली। कैबिनेट के बाद स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्रियों और राज्यमंत्रियों ने शपथ ली। इसके बाद अल्फाबेटिकल क्रम में राज्यों के सासंदों को शपथ दिलायी जा रही है। सबसे पहले आंध्र प्रदेश से सांसदों ने शपथ ग्रहण की। ज्यादातर मंत्रियों ने अपने राज्य की भाषा में शपथ ली। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के शपथ ग्रहण के दौरान विपक्ष ने शोर किया। इस दौरान विपक्ष के नेता नीट-नीट शेम-शेम के नारे लगाने लगे। हाल ही में नीट की परीक्षा का पेपर लीक होने के मुद्दे से राजनीति गरमा हुई है। सदन की शुरुआत में विपक्ष के नेता हाथ में संविधान लिए हुए विरोध करने लगे। आज और कल सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। बुधवार को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा, जिस पर चर्चा होगी और प्रधानमंत्री का वक्तव्य होगा। पहला सत्र 3 जुलाई तक है और इसके थोड़े दिनों के ब्रेक के बाद बजट सत्र आयोजित किया जाएगा। परंपरा के तहत प्रधानमंत्री ने आज सुबह मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने विपक्ष से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सरकार सर्वसम्मति के साथ कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन संसद सर्वसम्मति से चलती है। प्रधानमंत्री ने नए और खासकर युवा सांसदों के सदन में पहुंचने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अवसर विकसित भारत 2047 और देश के लोगों की आकांक्षाओं पूरा करने का है। देश में दूसरी बार है जब एक सरकार को लगातार तीसरी बार लोगों ने सेवा का अवसर दिया है। वे अपेक्षा करते हैं कि विपक्ष अपनी जिम्मेदारी निभाएगा।

अब कल लोकसभा अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। इसके अगले दिन राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दोनों सदनों में चर्चा होगी, जिसका उत्तर प्रधानमंत्री देंगे। लोकसभा का पहला सत्र पूरा होने के बाद कुछ दिनों के अंतराल में बजट सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें वित्त मंत्री वित्त वर्ष 24-25 के लिए बजट पेश करेंगी।

टीएसपीसी के सात...

वारदात को अंजाम देने की बना रहे थे योजना : एसआईटी को गुप्त सूचना मिली थी कि रविवार की देर शाम सदर थाना क्षेत्र के इचाबार गांव में दीपक उरांव के घर में 8-10 उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर छापेमारी की गयी। इस दौरान सभी नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। छापामारी अभियान में पुअनि रंजन कुमार पासवान, धर्मवीर सिंह, सअनि कुबेर प्रसाद देव, रविंद्र महली, उमापद महतो व सैट-1 के जवान व तकनीकी शाखा के कर्मी शामिल थे।

राहुल गांधी ने...

लेकिन इसके साथ ही विपक्षी दलों के हमले और तेज हो गए हैं। भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन को बने हुए 15 दिन हुए हैं और इन 15 दिनों के दौरान कई हादसे, हमले और कुछ कथित घोटाले सामने आए हैं। इसे लेकर अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने एनडीए सरकार के 15 दिनों में हुए हादसे, हमले और कथित घोटाले के साथ-साथ तमाम कमियां गिनवाई हैं।

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा - NDA के पहले 15 दिन!: 1. भीषण ट्रेन दुर्घटना, 2. कश्मीर में आतंकवादी हमले, 3. ट्रेनों में यात्रियों की दुर्दशा, 4. नीट घोटाला, 5. नीट पीजी निरस्त, 6. यूजीसी नेट का पेपर लीक, 7. दूध, दाल, गैस, टोल और महंगे, 8. आग से धधकते जंगल, 9. जल संकट, 10. हीट वेव में इंतजाम न होने से मौतें। इन 10 मुद्दों को गिनाते हुए राहुल गांधी ने साथ में लिखा- मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर नरेंद्र मोदी बस अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। नरेंद्र मोदी जी और उनकी सरकार का संविधान पर आक्रमण हमारे लिए मान्य नहीं है - और ये हम किसी हाल में होने नहीं देंगे। उन्होंने आगे लिखा कि इंडिया का मजबूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज उठाएगा और प्रधानमंत्री को बिना जवाबदेही बच कर निकलने नहीं देगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भी साधा निशाना : वहीं इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र और मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी, उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की और हर लोकतांत्रिक नियमों को तोड़ा जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में एनडीए को हुआ नुकसान : लोकसभा चुनाव में एनडीए को कई सीटों का नुकसान हुआ है। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा ने 303 सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन 2024 में 240 पर ही सिमट गई। जबकि एनडीए गठबंधन ने 290+ सीटें हासिल की। वहीं इंडिया ने 230+ सीटें हासिल की थी, जिसमें कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 99 सीटें जीती थीं।

सीबीआई ने बिहार, गुजरात...

नीट-यूजी से जुड़े 6 मामलों की जांच कर रही सीबीआई : अधिकारियों ने बताया कि इन नये मामलों की जांच संभालने के बाद सीबीआई अब 'राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक' (नीट-यूजी) में कथित गड़बड़ी से संबंधित कुल छह मामलों की जांच कर रही है। नीट-यूजी का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा देशभर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किया जाता है। रविवार को सीबीआई ने पहली प्राथमिकी दर्ज की थी। इससे एक दिन पहले ही मंत्रालय ने घोषणा की थी कि वह परीक्षा के आयोजन में कथित गड़बड़ी की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंप देगा। यह मांग कई शहरों में छात्रों के एक वर्ग द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान की गई थी।

क्या है मामला : नीट-यूजी की परीक्षा पांच मई को 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिनमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। परीक्षा में 23 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। 4 जून को रिजल्ट सामने आने के बाद से हंगामा जारी है। क्योंकि एनटीए ने टॉपर्स की जो सूची जारी की थी, उसमें 67 छात्रों को 720 अंक मिले थे। जो कि नीट परीक्षा के इतिहास में पहली बार हुआ। इसके अलावा दो छात्रों को 718 और 719 अंके दिए गए, ये भी विवादों के घेरे में है। पेपर लीक के मामले को लेकर भी हंगामा जारी है।

हजारीबाग के ओएसिस...

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (इओयू) के सत्यापन में प्रथमदृष्टया इस परीक्षा केंद्र से प्रश्न पत्र की पैकिंग के संदिग्ध पॉलीबैग, संबंधित अभ्यर्थी से बरामद मूल प्रश्न पत्र की पैकिंग और संबंधित पैकिंग ट्रंक में इन सभी के साथ छेड़छाड़ होना पाया गया है। इओयू ने आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि सभी सबूतों को जब्त कर लिया गया है।

इओयू ने स्पष्ट किया है कि प्रश्न पत्र की सॉल्वड पीडीएफ कॉपी संजीव कुमार उर्फ लूटन मुखिया के माध्यम से गिरफ्तार अभियुक्त बालदेव कुमार उर्फ चिंटू के मोबाइल पर परीक्षा तिथि यानी पांच मई 2024 की सुबह पहुंची थी, जिसके बाद उसे अभ्यर्थियों को रटवाया गया।

इओयू ने बताया कि जब्त अधजले प्रश्न के सीरियल कोड से संबंधित जानकारी 20 जून को एनटीए से मिलने के बाद स्पष्ट हुआ कि उक्त सीरियल कोड हजारीबाग के मंडई रोड के कल्लू चौक स्थित ओएसिस स्कूल का है। इसके बाद इओयू की टीम ने हजारीबाग जाकर इसका सत्यापन किया। सत्यापन में पैकिंग ट्रंक में प्रथमदृष्टया छेड़छाड़ होना पाया गया है।

इसके बाद संबंधित परीक्षा केंद्र, एसबीआइ बैंक शाखा और ब्लू डार्ट कंपनी के दफ्तरों में संबंधित कर्मियों का बयान लिया गया है। इओयू ने कहा कि प्रश्न पत्रों के ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज व हैंडओवर-टेकओवर में एनटीए के निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। इसके कारण प्रश्न पत्रों के बक्सों और लिफाफों में हुई छेड़छाड़ नहीं पकड़ी जा सकी। इसको देखते हुए पूरी 'चेन ऑफ कस्टडी' में किस स्तर पर और किस समय प्रश्न पत्र का लीकेज हुआ, इस संबंध में जांच चल रही है।

संजीव कुमार उर्फ लूटन मुखिया गिरोह से मिला था प्रश्न पत्र : इओयू ने बताया है कि इस कांड में संगठित अंतरराज्यीय पेशेवर गिरोह की संलिप्तता सामने आयी है। जांच में पता चला है कि शनिवार को झारखंड के देवघर से गिरफ्तार बालदेव कुमार उर्फ चिंटू को ही परीक्षा के दिन यानी पांच मई 2024 की सुबह सॉल्वड प्रश्न पत्र की पीडीएफ कॉपी मिली थी। चिंटू प्रश्न पत्र लीक कांड के पेशेवर अपराधी संजीव कुमार उर्फ लूटन मुखिया गिरोह से जुड़ा है। पीडीएफ कॉपी मिलने के बाद चिंटू ने रामकृष्णा नगर स्थित स्कूल में रखे प्रिंटर से प्रतियां निकाल कर अभ्यर्थियों का ग्रुप बना कर उनको रटवाया।

एक्शन में सीबीआई, देशभर में अबतक 25 की गिरफ्तारी, सड़क से संसद तक हंगामा जारी

नई दिल्ली। नीट मामले में अबतक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें झारखंड से 5, बिहार से 13, गोधरा से 5 और लातूर से दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गुजरात पुलिस ने अबतक गोधरा के एक स्कूल के प्रधानाचार्य और शिक्षक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई टीम जांच के लिए गोधरा पहुंची : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम पांच मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए सोमवार को गुजरात के पंचमहल जिले में स्थित गोधरा शहर पहुंची। गोधरा पुलिस ने 27 उम्मीदवारों से 10-10 लाख रुपये लेकर नीट-यूजी उत्तीर्ण कराने में उनकी मदद करने की कथित कोशिश के लिए आठ मई को आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया था।

संसद में नीट को लेकर हंगामा : नीट परीक्षा में कथित अनियमितता के मुद्दे की गूंज सोमवार को लोकसभा में भी सुनाई दी, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के सदन की सदस्यता की शपथ ग्रहण करते समय विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की। जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए अपने स्थान से उठे तो विपक्षी दलों के कुछ सदस्य 'नीट-नीट' और 'शेम-शेम' के नारे लगाने लगे। विपक्षी दल नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने और शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

दो दर्जन छात्र हिरासत में लिए गए : नीट-यूजी और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के खिलाफ सोमवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे दो दर्जन से अधिक छात्रों को हिरासत में ले लिया गया जिनमें से कुछ कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई के सदस्य भी थे। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत के दिन संसद तक जुलूस निकालने की योजना बनाई थी। बड़ी संख्या में छात्र तख्तियां और एनएसयूआई के झंडे लेकर जंतर-मंतर पर 'छात्र संसद घेराव' के लिए एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस ने छात्रों को जुलूस निकालने से रोकने के लिए इलाके में बैरिकेड लगा दिए। मौके पर अर्धसैनिक बलों सहित दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती की गई थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों ने बैरिकेड को पार करने की कोशिश की। जिसके बाद दिल्ली पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर विभिन्न पुलिस थानों में ले गयी।

प्री मानसून की पहली बारिश में ही टपक रहा राम मंदिर में पानी

रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य ने बताया

अयोध्या ।

रामलला का मंदिर 500 वर्षों के संघर्ष के बाद निर्माण होकर खड़ा है।

प्रभु रामलला का दर्शन उनके भव्य मंदिर में हो रहा है। लाखों करोड़ों राम भक्तों की आस्था के मंदिर में प्री मानसून की पहली बारिश में ही छत से बहुत ज्यादा पानी टपक रहा है। यह हम नहीं.. बल्कि यह दावा रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास कर रहे हैं। रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य दास ने बीते दिनों रामलला के गर्भगृह से पानी निकासी को लेकर सवालिया निशान मंदिर निर्माण में लगी संस्था के ऊपर लगाया था और अब रामलला मंदिर में प्री मानसून की पहली बारिश ने निर्माण कार्य की पोल खोल दी है। रामलला के प्रधान पुजारी के अनुसार भगवान राम के भव्य मंदिर के गर्भगृह की छत बीते दिनों टपक रही थी, उस ठीक किया गया लेकिन अब पहली बारिश में भगवान के मंदिर के ठीक सामने पुजारी के बैठने के स्थान और जहां पर वीआईपी दर्शन के लिए लोग आते हैं, उस स्थल पर तेजी के साथ बारिश का पानी टपक रहा है।

यह नॉर्मल नहीं बहुत ज्यादा है, इस निकालने में भी कड़ी मशक्कत की गई। दास ने कहा कि यह आश्चर्यचकित करने वाली घटना है कि भगवान राम का भव्य मंदिर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद आमजन के लिए खोला गया है। प्री मानसून की पहली बारिश में रामलला के मंदिर की छत टपक रही है।

तेजी के साथ बारिश के पानी का रिसाव छत से हो रहा है। विश्व प्रसिद्ध मंदिर के निर्माण कार्य में बारिश के पानी का रिसाव आश्चर्यजनक है। उनका कहना है कि इससे साफ होता हैं कि निर्माण कार्य में लापरवाही हुई है। अब जहां गर्भगृह के सामने दर्शनस्थल पर जहां पुजारी बैठते हैं और जहां

से वीआईपी दर्शन होता है, उस मार्ग पर पानी भर गया था। रात में बारिश हुई और जब सुबह पुजारी भगवान के पूजन के लिए गए, तब वहां पर पानी भरा मिला, इस पानी को कड़ी मस्क्कत के बाद मंदिर परिसर से निकाला गया है। निर्माण कार्य में टाटा कंसल्टेंसी और एलएनटी कंपनी ने निर्माण कराया है, जिसमें देश के नामचीन इंजीनियरों ने अपना योगदान दिया है और प्री मानसून की पहली बारिश ने राम मंदिर निर्माण में लगी हुई कार्यदायी संस्थाओं की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ की घटना चिंताजनक, निर्दोषों की तत्काल रिहाई हो-मायावती

लखनऊ ।

छत्तीसगढ़ राज्य में सतनामी आस्था के केंद्र अमर गुफा में असमाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ की घटना की भर्त्सना करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने निर्दोषों की तत्काल रिहाई और शरारती तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई किये जाने की मांग की है। मायावती ने सोमवार को सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि जय स्तंभ को काट कर फेंकना अति चिंताजनक है और जब सतनामी समाज के लोगों ने इस बारे में सीबीआई जांच की मांग की तो उन्हे ही आरोपी बना दिया गया। उनकी मांग है कि निर्दोषों की तत्काल रिहाई दोषियों की पहचान कर उन्हे उनके कृत्य की सजा दी जाये। उन्होने एक्स पर पोस्ट किया ÷छत्तीसगढ़ में सतनामी समाज के आस्था के केन्द्र गिरौदपुरी से लगा हुआ अमर गुफा में असामाजिक तत्वों के द्वारा परमपूज्य बाबा गुरूघासी दास जी के जय स्तंभ को काटकर फेक दिया जाना अति-चिन्ताजनक।÷ मायावती ने कहा ÷इसके विरोध में सतनामी समाज द्वारा सीबीआई जांच की मांग को लेकर बलौदा बाजार में किये गये धरना प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर परिसर में षड्यंत्रकारी असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़-फोड़ आदि की घटना भी अति निदंनीय है उक्त घटना की आड़ में शासन प्रशासन द्वारा निर्दोष सतनामी समाज के लोगों की गिरफ्तारी व मारपीट के ऊपर रोक लगाई जाये तथा उन्हें बिना शर्त तत्काल रिहा किया जाये व असली दोषियों के ऊपर जांच कर कार्यवाही की जाये।÷ गौरतलब है कि कि बलौदाबाजार में हुई हिंसक घटना को लेकर भी पुलिस ने कई आरोपियों को हिरासत में लिया हालांकि विपक्ष का कहना है कि छत्तीसगढ़ पुलिस बेगुनाहों पर कार्रवाई कर रही है।

सिंधु जल संधिः तटस्थ विशेषज्ञों का प्रतिनिधिमंडल किश्तवाड़ के लिए रवाना

जम्मू । सिंधु जल संधि के तहत भारत और पाकिस्तान का 38 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को किश्तवाड़ जिले के लिए रवाना हुआ। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'तटस्थ विशेषज्ञ मिशेल मार्क लिनो कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में पाकिस्तान से पांच, भारत से 19, तटस्थ सदस्यों के अलावा फ्रांस और ब्रिटेन से दो-दो, कनाडा से तीन, केन्या, रूस, स्विट्जरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और डेनमार्क से एक-एक सदस्य शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार ने 'तटस्थ विशेषज्ञों' की यात्रा के लिए 25 संपर्क अधिकारी भी नियुक्त किए हैं। उन्होंने बताया कि यह यात्रा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के प्रावधानों के तहत आयोजित की गयी है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच जल-वितरण संधि है। विश्व बैंक ने सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों में उपलब्ध जल का उपयोग करने के लिए व्यवस्थित तरीके अपनाने पर बल दिया गया है।

नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले सरगना सहित 11 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजीपुर । यूपी के गाजीपुर में संयुक्त टीम ने शहर में अवैध तरीकों से नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले गिरोह के सरगना सहित 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में दवाईयां, इंजेक्शन और नकदी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी बिहार से प्रतिबंधित इंजेक्शन को 25 से 30 रुपये में खरीद कर लाते थे, उसके बाद 160 से 170 या उससे ज्यादा दामों पर नशे के आदी लोगों को बेचते थे। एसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि महुआबाग इलाके में मादक पदार्थों का कारोबार चलता है। पुलिस ने जब सूचना की जांच की, तब वहां कुछ संदिग्ध गतिविधियां मिली। पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब 22.40 बजे जांच की। पुलिस ने ड्रग्स इंस्पेक्टर को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया था। पुलिस ने 11 अभियुक्त को गिरफ्तार किया। इनके पास से नशीली इंजेक्शन बुप्रीरेज (बुप्रीनारफीन) 210 पीस, 2 एमएल एम्पुल (30 शीशी प्रत्येक 10 एमएल), ऐविल इंजेक्शन और 560 पीस निडल के साथ ही 180 पीस सिरिंज जब्त किया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि वह लोग बिहार से नशीली दवाइयां और इंजेक्शन सस्ते दामों में खरीदते हैं। फिर उन्हें नशा करने वाले लोगों को ऊंची कीमत पर बेचते और लगाते हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी स्लम नशे के आदी लोगों के इलाके में रहने वालों को अपना टारगेट बनाते थे। उन्हें शुरू में नशे के इंजेक्शन उपलब्ध कराते थे। एक इंजेक्शन का असर दो से तीन दिनों तक रहता है।

सोशल मीडिया पर मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस नेता को बताया बुद्धिमान

-रमेश बोले-मेरी बुद्धिमत्ता का आपका प्रमाण एनटीए ग्रेडिंग जैसा तो नहीं

नई दिल्ली।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो गई। आज संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बीच सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई, इससे यह साफ हो गया है कि यह सत्र हंगामेदार रहेगा। रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए नवनिर्वाचित विपक्षी सांसदों से सहयोग मांगा। जयराम रमेश ने मंत्री रिजिजू से अपनी बात पर अमल करने को कहा। रिजिजू ने जवाब दिया और कहा कि अगर वह सदन में सहयोग दें तो वह एक मूल्यवान संपत्ति हो सकते हैं। इसके बाद कांग्रेस नेता ने एनटीए की ग्रेस मार्क्स का संदर्भ देते हुए पलटवार किया। यह सब तब शुरू हुआ जब रिजिजू ने कहा कि वह सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे और सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए विपक्षी सदस्यों से समन्वय की उम्मीद करते हैं। रिजिजू ने ट्वीट किया कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज सोमवार से शुरू हो रहा है। मैं सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत करता हूं। संसदीय कार्य मंत्री के रूप में मैं सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा। मैं सदन को चलाने के लिए समन्वय की सकारात्मक रूप से प्रतीक्षा कर रहा हूं। संसद के शांतिपूर्ण और उत्पादक सत्र का आह्वान करते हुए रिजिजू ने कहा कि आज, जब नए माननीय सांसद अपनी प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा कर रहे हैं। मुझे आगे आने वाली बड़ी जिम्मेदारी याद आ रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में, आइए हम सब मिलकर अपने देश की प्रगति के लिए अथक प्रयास करें। रिजिजू की अपील पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री से अपनी बात पर अमल करने को कहा। रमेश ने ट्वीट किया कि श्रीमान मंत्री, काम शब्दों से ज़्यादा ज़ोरदार होगा। अपनी बात पर अमल करें। जवाब में रिजिजू ने सहमति जताई और रमेश को बुद्धिमान सदस्य कहा और कहा कि अगर वह नए संसद सत्र के दौरान सकारात्मक योगदान दें तो वह लोकसभा के लिए मूल्यवान संपत्ति होंगे। उन्होंने कहा कि बिल्कुल जयरामट्ठरमेश जी। आप एक बुद्धिमान सदस्य हैं और यदि आप सकारात्मक योगदान देते हैं तो आप सदन के लिए एक मूल्यवान संपत्ति होंगे। संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद बने रहेंगे, लेकिन हम राष्ट्र की सेवा में एकजुट हैं।

नीट मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश : मनोज झा

-नीट पेपर लीक मामले में सियासत जारी

पटना।

एक तरफ नीट पेपर लीक मामले से लाखों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है, वहीं दूसरी तरफ जांच के नाम पर सियासत जारी है। बिहार में इस मामले को लेकर सियासत गर्म है। इस पूरे मामले को लेकर राज्यसभा सांसद मनोज झा ने आरोप लगाया है कि इस पूरी प्रक्रिया में नीट मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भाजपा ने आरोपी कैंडिडेट सिकंदर के लिए सरकारी गेस्ट हाउस बुक कराने के तार तेजस्वी के पीएस से जोड़ने की कोशिश की थी, अब राजद ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की पत्नी को जदयू नेता बताकर राजनीतिक गलियारे को गर्मा दिया है। दरअसल राष्ट्रीय जनता दल के एक्स अकाउंट में दो पोस्ट करते हुए इस मामले को उठाया गया है। इसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी बिहार के मुख्यमत्री नीतीश कुमार, मंत्री श्रवण कुमार और नीरज कुमार के साथ दिखाई दे रही है। वहीं दूसरी पोस्ट में चिराग पासवान के आवास पर टिकट के साथ ममता देवी की फोटो को शेयर किया गया है, इसमें संजीव मुखिया भी दिखाई दे रहे हैं।

इस पूरे मामले में राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सीएम नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए और बकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, कि इस मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी जेडीयू की सक्रिय नेता हैं, जो कि जेडीयू की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी के सीएम नीतीश कुमार के जिले से गहरे संबंध हैं। राज्यसभा सांसद झा ने तेजस्वी का नाम घसीटे जाने पर कहा, कि गेस्ट हाउस बुकिंग के लिए एक स्टोरी चलाई गई है, जिसके न कोई सबूत हैं और न ही कोई कागजात ही हैं। बातचीत के दौरान ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर संजीव मुखिया को बाहर से ही जमानत कैसे मिल गई? उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नालंदा के संजीव मुखिया गिरोह ने ही बीपीएससी द्वारा आयोजित तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर भी लीक किए थे, लेकिन उस पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई? उन्होंने आगे कहा कि उनके बेटे डॉक्टर शिव का नाम भी इसमें जुड़ा, लेकिन बिहार पुलिस ने तो उसे भी गिरफ्तार नहीं किया। अंत में चुटकी लेते हुए सांसद मनोज झा ने कहा कि सिकंदर यादवेंदु का नाम लालू यादव से महज इसलिए जोड़ दिया जाता है कि यादव उनके नाम के साथ जुड़ा हुआ है। यदि ऐसा ही है तो फिर नीरव मोदी तो मोदी के मौसेरे भाई हुए। इस तरह सांसद झा ने प्रेस वार्ता कर न सिर्फ प्रदेश की बल्कि देश की राजनीति में गर्माहट पैदा कर दी है।

साउथ कोरियाः बैटरी फैक्टरी में आग लगने के बाद मिले 20 शव, 23 लापता

सियोल। दक्षिण कोरिया में एक बैटरी संयंत्र में आग लगने की घटना में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार को सियोल के दक्षिण में ह्वासोंग में लिथियम बैटरी प्लांट में आग लगने के बाद अब तक मौके से 20 शव बरामद किए गए हैं और अभी भी 23 लोग लापता हैं। राष्ट्रपति यूं सुक योल ने लापता लोगों की तलाश और बचाव के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया है।

अग्निशमन कर्मियों के मुताबिक बैटरी प्लांट में आग लगने के बाद 23 लोग लापता हैं, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि लापता हुए 23 लोगों में से 20 विदेशी हैं, जिनमें चीनी नागरिक भी हैं। उन्होंने कहा कि बैटरी प्लांट के पूर्णकालिक और अंशकालिक श्रमिकों की दैनिक सूची भी आग में नष्ट हो गई है, इसलिए हताहतों की वास्तविक संख्या का पता नहीं चल पा रहा है।

सियोल से 45 किलोमीटर दूर दक्षिण में ह्वासोंग में लिथियम बैटरी निर्माता एरिसेल के प्लांट में सुबह करीब 10:30 बजे लगी। अग्निशमन कर्मियों ने दोपहर 3 बजे तक मुख्य आग पर काबू पा लिया और प्लांट में जाकर शवों को बरामद किया। टीवी फुटेज में जलते हुए प्लांट में छोटे-छोटे विस्फोट होते हुए दिखाई दिए और चिंगारी निकलती रही। उन्होंने बताया कि इससे पहले दिन में एक अन्य मृतक कर्मचारी की हृदयाघात के बाद अस्पताल ले जाने के बाद मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया और दो को मामूली चोटें आईं। यह तीन मंजिला प्लांट मजबूत कंक्रीट की इमारत में है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 2,300 वर्ग मीटर है। इसीलिए अग्निशामकों को आग बुझाने में कठिनाई हुई। आग बुझाने के दौरान जलती हुई लिथियम बैटरियों को संभालना मुश्किल हो गया। प्लांट की दूसरी मंजिल से भागकर आए एक चश्मदीद ने ह्वासोंग फायर स्टेशन को बताया कि आग लगने के समय एक बैटरी सेल में विस्फोट हुआ था। आग तेजी से फैली, क्योंकि अंदर बैटरी सेल लगातार फट रहे थे, जिससे बचावकर्मियों के लिए अंदर जाकर तलाशी लेना मुश्किल हो गया। माना जाता है कि प्लांट के अंदर कम से कम 35,000 बैटरियां हैं।

सरकार ने आपदा से होने वाली मौतों को कम करने के उपायों पर चर्चा करने के लिए दोपहर में केंद्रीय आपदा और सुरक्षा प्रतिवाद मुख्यालय की एक आपातकालीन बैठक बुलाई।

कांग्रेस की कोशिश.....दिलावर को जल्द जेल भेजा जाए

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा का बयान

टोंक ।

राजस्थान में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच जुबानी जंग जारी है। सोमवार को टोंक में सभा के दौरान फिर से डोटासरा ने शिक्षा मंत्री दिलावर पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कोशिश करेगी कि हाई कोर्ट में दिलावर की गिरफ्तारी पर लगे स्टेट को हटाया जाए, ताकि दिलावर को जेल भेजा सके। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नीट पेपर मुद्दे पर बीजेपी की डबल इंजन सरकार को भी घेरने की कोशिश की। बात दें कि कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा और मंत्री दिलावर के बीच जमकर बयान बाजी जारी हैं। दोनों ही नेता एक दूसरे पर तीखे व्यंग्य छोड़ने में लगे हुए हैं। सोमवार को कांग्रेस नेता दिलावर को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी और आरएसएस की ऐसी मानसिकता वाले व्यक्ति को शिक्षा मंत्री क्यों बना रखा है? जिनके खिलाफ 14 मुकदमे दर्ज हैं, जो कि अपनी गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट से स्टेट ले रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कोशिश करेगी कि हाई कोर्ट में दिलावर की गिरफ्तारी पर लगे स्टे को हटाया जाए, ताकि उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जा सके। डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल को फिर जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि 6 महीने में इस सरकार के भीतर कोई काम नहीं हुआ, यदि एक भी काम हुआ तब बताइए। उन्होंने कहा कि केवल सिर्फ घूमने और भाषण देने का काम होता है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री के पास जाओ, तब कहा जाता है मुख्य सचिव के पास जाओ। प्रदेश में बिजली पानी संकट पर हाहाकार मच रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं है। डोटासरा ने नीट पेपर के मामले में कहा कि परीक्षा को रद्द करने की जगह सीबीआई को मामले की जांच दी गई है, इससे युवाओं में युवाओं में आक्रोश हैं। डोटासरा के साथ कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी बीजेपी पर कई सियासी हमले किए। दोनों ही नेता जयपुर से कोटा जाते समय टोंक रुके, जहां उन्होंने मीडिया स बातचीत की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस बड़ी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी।

आंध्र प्रदेश और बिहार को विशेष दर्जा देने में जल्द फैसला न करे सरकार

-नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने केंद्र को दी सलाह

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार को आंध्र प्रदेश और बिहार की विशेष दर्जा देने की मांग पर सोच समझकर विचार करना चाहिए। केंद्र कोई भी फैसला जल्दबाजी में न करे, क्योंकि इससे यह एक मिसाल कायम हो जाएगी। फिर बाकी राज्यों में भी ऐसी मांग उठने लगेगी और केंद्र के वित्तीय संसाधनों पर हद से ज्यादा जोर पड़ सकती है। यह बात नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने कही।आंध्रप्रदेश का विभाजन 2014 में हुआ और उससे अलग होकर एक नया राज्य तेलंगाना भारत के नक्शे पर उभरा। अब आंध्र प्रदेश का कहना है कि इस बंटवारे में उसे राजस्व का नुकसान हुआ है क्योंकि हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बन गया। इस आधार पर आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। वहीं, बिहार 2005 से विशेष दर्जे की मांग कर रहा है, जब नीतीश कुमार पहली बार सीएम बने। बिहार की मांग के पीछे भी राज्य का बंटवारा ही है। 2000 में इससे अलग होकर झारखंड बना था, जो खनिज में समृद्ध है। इससे बिहार भी राजस्व के नुकसान की बात कहकर विशेष राज्य का दर्जा हासिल करना चाहता है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने एक साक्षात्कार में कहा है कि बिहार और आंध्र प्रदेश काफी लंबे समय से विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। लेकिन, केंद्र को इस पर सोच समझकर विचार करने की जरूरत है। केंद्र को आर्थिक मानदंडों की बारीकी से जांच करनी होगी, जिसके आधार पर यह मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर आप जल्दबाजी में विशेष राज्य का दर्जा देते हैं, तो यह एक मिसाल कायम कर सकता है। फिर कई राज्य यही मांग करने लगेंगे, जिसे पूरा करना संभव नहीं होगा। विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को केंद्र से अतिरिक्त वित्तीय सहायता मिलती है। किसी भी सामान्य राज्य के मामले में केंद्र सरकार अपनी योजनाओं का सिर्फ 60 फीसदी खर्च उठाती है। बाकी 40 फीसदी राज्य सरकार को देना होता है लेकिन, विशेष दर्जा वाले राज्यों के मामले में केंद्र योजना का 90 फीसदी बोझ उठाती है। राज्य को सिर्फ 10 फीसदी देना होता है। ये राज्य अगर केंद्र से मिली राशि को एक साल में खर्च नहीं करते हैं तो वह अगले साल के लिए कैरी फॉरवर्ड हो जाती है। लेकिन, सामान्य राज्यों के मामले में वह राशि लैप्स हो जाती है।

2031-32 तक देश में सड़कों का जाल बिछा देगी मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2031-32 तक लगभग 30,600 किलोमीटर राजमार्ग विकास योजना में निवेश के लिए कैबिनेट से मंजूरी मांगी है। पिछले सप्ताह वित्त मंत्रालय को सौंपी गई और सभी प्रमुख मंत्रालयों के साथ साझा की गई इस योजना में 18,000 किलोमीटर एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण, शहरों के आसपास 4,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की डिकंजेशन और रणनीतिक और अंतरराष्ट्रीय सड़कों का निर्माण शामिल है। इसमें लगभग 35 प्रतिशत निवेश निजी क्षेत्र से आएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजमार्ग विकास के लिए मास्टर प्लान दो चरणों में प्रस्तावित किया गया है। सड़क परिवहन सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालयी बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय मंत्रालय ने 2028-29 तक चरण-1 के तहत सभी परियोजनाओं के लिए निविदा जारी करने और उन्हें 2031-32 तक पूरा करने के लिए रोडमैप को अंतिम रूप दे दिया है। 22 लाख करोड़ रुपये का अनुमान पहले चरण में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के लिए है। अंतरिम बजट में, मोदी सरकार ने मंत्रालय के लिए 2,78,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 2.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। दूसरे चरण में 28,400 किलोमीटर के विकास के लिए वित्तीय अनुमान बाद में निर्धारित किया जाएगा। योजना के अनुसार, चरण-2 के तहत खंडों की मंजूरी और आवंटन 2033-34 तक पूरा होगा, जबकि निर्माण 2036-37 तक पूरा होगा। सड़क मंत्रालय ने बताया कि जीएसटीएन डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि 2021-22 में लगभग 73 प्रतिशत माल सड़क मार्ग से पहुंचाया गया।

मेजबान टीमें टी-20 विश्वकप से बाहर, ग्रुप-2 से द. अफ्रीका और इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में

नार्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी । टी20 विश्व कप कप 2024 में सुपर-8 के ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों का नाम तय हो चुका है। ग्रुप-2 में दक्षिण अफ्रीका ने छह अंकों के साथ पहले स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया, जबकि इंग्लैंड की टीम चार अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। बारिश से बाधित मैच में सोमवार को एंटीगा में दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टक्कर हुई। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। टूर्नामेंट की सह मेजबान वेस्टइंडीज ने अफ्रीकी टीम के सामने 136 रन का लक्ष्य रखा। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन रोस्टन चेज (52 रन) ने बनाए। इससे पहले काइल मेयर्स ने 35 रन की अहम पारी खेली थी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बारिश की वजह से डकवर्थ लुईस नियम के तहत तीन ओवर्स कम कर दिए गए थे। फिर दक्षिण अफ्रीका को 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में शुरुआती झटकों से उबरते हुए अफ्रीकी टीम ने 16.1 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, लेकिन मार्को यानसन ने सबसे अहम नाबाद 21 रन की पारी खेली। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की और वेस्टइंडीज को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने गेंद और बल्ले से दोहरा प्रदर्शन किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 52 रन बनाए और 3 विकेट झटके। दक्षिण अफ्रीका ने 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इससे पहले इंग्लैंड, अमेरिका को हराते हुए ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी थी।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

लुसाने, एजेंसी । एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच में बेल्जियम के खिलाफ ग्रेट ब्रिटेन की हार के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है । एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2023/24 सीज़न की शुरुआत में, इस आयोजन में एक नया प्रोत्साहन जोड़ा गया, जिसमें खिताब विजेता आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधे योग्यता अर्जित करेंगे । नियमों के

अनुसार, बेल्जियम या नीदरलैंड पुरुष या महिला दोनों में से किसी एक का खिताब जीतते हैं, तो उनके पीछे सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली टीम को सीधे प्रवेश मिलेगा । ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में 34 अंकों के साथ पुरुष तालिका में पहले स्थान पर है, पहले ही अपने 16 मैच पूरे कर चुका है । ग्रेट ब्रिटेन के आज अंक गिरने से, अब वे अधिकतम 31 अंक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं । जबकि नीदरलैंड, अपने सीज़न में 4 मैच शेष रहते हुए, वर्तमान में 26 अंकों पर है, खिताब की तलाश में बना हुआ है । ऑस्ट्रेलिया को अब खिताब विजेता के रूप में या नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहने की गारंटी है, दोनों उदाहरणों से उन्हें एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 में स्थान की गारंटी मिलती है ।

हम काफी कुछ सीखकर जा रहे हैं : कोरी एंडरसन

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी। अमेरिका का टी20 विश्व कप में स्वर्णिम अभियान भले ही सुपर 8 में थम गया लेकिन उसके बल्लेबाज कोरी एंडरसन ने कहा कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला। अमेरिका ने टूर्नामेंट के पहले दौर में पाकिस्तान को हराया था तथा भारत के सामने भी कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन सुपर 8 चरण में उसे दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। एंडरसन ने रविवार को इंग्लैंड के हाथों मिली 10 विकेट से हार के बाद कहा, 'आसमान की भी एक सीमा होती है। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी क्रिकेट को लेकर चर्चा चल रही थी। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम प्रगति करते रहेंगे। एंडरसन मूल रूप से न्यूजीलैंड के रहने वाले हैं जिसके लिए उन्होंने 93 मैच भी खेले। बाद में अमेरिका में बसने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि टीम में अभी काफी सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'कई ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जिनमें सुधार करने की जरूरत है। हम अभी आईसीसी के एसोसिएट देशों में शामिल है और बड़ी टीमों में शामिल होने के लिए प्रयास कर रहे हैं। सुपर 8 में जगह बनाना निश्चित तौर पर अमेरिका के लिए ऐतिहासिक है। एंडरसन ने कहा, 'हमें इन बड़ी टीमों के खिलाफ अक्सर खेलने का मौका नहीं मिलता। इसलिए इन टीमों के खिलाफ हमें जितना भी खेलने को मिला वह हमारे लिए काफी मायने रखता है। हमारी टीम अभी शुरुआत कर रही है लेकिन हमें इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला।

सेमीफाइनल में पहुंचकर बोले मार्कराम-

गेंदबाजों को दिया जीत का श्रेय

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने से राहत महसूस कर रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लक्ष्य को जल्दी हासिल करने की हड़बड़ी दिखायी जिससे यह मुकाबला काफी करीबी हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने दो बार की चैंपियन टीम को आठ विकेट पर 135 रन रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते समय जब टीम ने 15 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे तब बारिश के कारण एक घंटे तक खेल रूका रहा। दक्षिण अफ्रीका को इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली से जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। टीम ने सात विकेट गंवाकर आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया। मार्कराम ने मैच के बाद कहा, 'सेमीफाइनल में पहुंचने से काफी राहत मिली। हम हालांकि इस जीत के बाद भावनाओं पर काबू रखना चाहते है। हम बल्लेबाजी करते समय और अधिक सतर्कता बरतना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, 'बारिश के ब्रेक के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो गई थी। हम मैच को जल्दी खत्म करना चाहते थे लेकिन साझेदारियां नहीं बना पाए। जल्दबाजी दिखाने से टीम मुश्किल में पड़ गई थी। हमारे लिए यह (सेमीफाइनल में पहुंचना) बड़ी सफलता है और टीम ड्रेसिंग रूम में माहौल शानदार

है। मार्कराम ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए बल्लेबाजों से अधिक जिम्मेदारी लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, परिस्थितियों का आकलन किया और उन्हें सामान्य से कम स्कोर पर रखा। हम बारिश के बाद साझेदारी बना सकते थे और फिर उसे आगे बढ़ा सकते थे, हम उससे सीख लेंगे और उम्मीद है कि दोबारा यह गलती नहीं करेंगे। इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज के लिए तीसरा खिताब जीतने की उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं, लेकिन कप्तान रोवमैन पॉवेल को पिछले एक साल में टीम की प्रगति पर बेहद गर्व है। पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद, ऐसा लग रहा था कि वेस्टइंडीज क्रिकेट अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। पॉवेल की कप्तानी में टीम ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और आईसीसी टी20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। पॉवेल ने कहा, 'जब आप बड़े पैमाने पर देखते हैं, तो हमने विश्व कप या सेमीफाइनल नहीं जीता है, लेकिन अगर आप पिछले 15 महीनों में खेले गए क्रिकेट को देखें तौ रैंकिंग में नौवें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा, 'वेस्टइंडीज क्रिकेट को लेकर कैरेबियाई देशों में काफी चर्चा है और अब खेल में सुधार करने का काम यहीं से शुरू होगा। एक समूह के रूप में मिलकर काम करना जारी रखें और कैरेबियाई लोगों को गौरवान्वित करें। जब हम राष्ट्रगान सुनते हैं, तो खिलाड़ी के रूप में हमें कुछ महसूस होता है. उन्होंने कम स्कोर के बावजूद मैच को आखिरी ओवर तक खींचने के लिए गेंदबाजों की तारीफ की। पॉवेल ने कहा, 'खिलाड़ियों को इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उन्होंने आखिरी ओवर तक संघर्ष किया। बल्लेबाजी इकाई के लिए यह ऐसा प्रदर्शन है जिसे आप भूलना चाहेंगे। हमने बीच के ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। मैच की शुरुआत में यह आसान विकेट नहीं था।

हॉकी ने जो कुछ भी दिया, उसके लिए आभारी हूं: माधुरी किंडो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर माधुरी किंडो को हाल ही में जूनियर टीम से प्रमोट किया गया है। अपने इस शानदार सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हॉकी ने जो कुछ भी उन्हें दिया, वो उसके लिए सदैव आभारी रहेंगी। माधुरी ओडिशा के बीरमित्रपुर के एक साधारण किसान परिवार से हैं, जो राउरकेला के राजसी बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम से एक घंटे की दूरी पर है। माधुरी ने अपने जीवन में हॉकी के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि बीरमित्रपुर में हमारे पास बिना कंक्रीट की छत वाले दो घर थे और परिवार में केवल मेरे भाई मनोज ही कमाते थे।

उन्होंने नए घर के निर्माण का सारा खर्च उठाया और पश्चिमी रेलवे से नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बाद, मैं आखिरकार उनकी आर्थिक मदद करने में सक्षम हुई।

अपने भाई की मदद करना काफी अच्छा एहसास था। मैं हॉकी की आभारी हूं, जिसने मुझे हर चीज में मदद की। माधुरी अपने भाई मनोज किंडो के हॉकी कौशल से काफी प्रभावित थी। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए, माधुरी ने हॉकी स्टिक उठाई और 2012 में पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल में शामिल हो गई। माधुरी शुरू में एक डिफेंडर के रूप में शामिल हुई, लेकिन अपने एथलेटिक कौशल के कारण गोलकीपर बन गई।

ओडिशा से राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कई बार भाग लेने के बाद, माधुरी को 2021 में भारतीय जूनियर टीम में शामिल किया गया। जापान में जूनियर महिला एशिया कप 2023 में उनका शानदार प्रदर्शन उनके लिए टर्निंग पॉइंट था, जहां टीम ने स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्हें मुंबई में पश्चिमी रेलवे से नौकरी का प्रस्ताव मिला। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड हॉकी टीम में जगह पक्की करने के अलावा, माधुरी ने इस साल अप्रैल में साई बेंगलुरु में एक शिविर के बाद भारतीय टीम में भी कदम रखा। हालांकि उन्हें अभी सीनियर में डेब्यू करना बाकी है, लेकिन माधुरी अपनी आदर्श सविता के साथ प्रशिक्षण के अवसर का पूरा लुत्फ उठा रही हैं। उन्होंने कहा, जूनियर और सीनियर टीमों के बीच का अंतर इतना बड़ा नहीं है क्योंकि मेरी टीम में सविता, बिचू देवी खारीबाम और बंसरी सोलंकी जैसे सीनियर खिलाड़ी हैं जो मेरे खेल में मेरी मदद करते हैं। उन्हें हर दिन गहन प्रशिक्षण करते हुए देखने से मुझे उच्चतम स्तर पर खेल के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने में मदद मिली है। मेरे पास सुधार की बहुत गुंजाइश है। मैं टीम में अपने लिए जगह बनाने का प्रयास कर रही हूं। मैं अपनी कमजोरियों पर काम कर रही हूं ताकि मैं भविष्य में टीम को जीतने में मदद कर सकूं। मैं दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं।

एशियन चैंपियनशिप में रोहतक की मुस्कान व दिपांशी ने अंडर-17 मुकाबलों में जीता स्वर्ण, परिवार में जश्न

रोहतक, एजेंसी। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन से अखाड़े की सभी पहलवानों को प्रेरणा मिलती है। स्वर्ण पदक जीतने पर पहलवानों के परिवार व अखाड़े में खुशी का माहौल है। मंगलवार को घर लौटने पर दोनों पहलवानों का जोरदार स्वागत किया जाएगा। एशियन चैंपियनशिप में पहले अंडर-17 व बाद में अंडर-19 के मुकाबले होंगे। ये चैंपियनशिप जार्डन में 22 से 30 जून तक हो रही है। कोच मंदीप ने बताया कि जार्डन में आयोजित कुश्ती एशियन चैंपियनशिप में गांव रिठाल निवासी दीपांशी 46 किलोग्राम भार वर्ग व गांव अस्थल बोहर निवासी मुस्कान 53 किलोग्राम भार वर्ग में दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन से अखाड़े की सभी पहलवानों को प्रेरणा मिलती है।

मंधाना ने रचा इतिहास

- **शतक की हैट्रिक लगाने से चूकी स्मृति मंधाना, 3 मैचों में बनाए 343 रन**

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में साऊथ अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ तीसरे वनडे में लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गई। स्मृति ने सीरीज के पहले दो मैचों में 117 और 136 रन बनाए थे। रविवार को तीसरे वनडे में 216 रनों का पीछा करते हुए स्मृति ने अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दी। वह 31वें ओवर में 90 रन बनाकर आऊट हुई और अपने शतक से चूक गई। स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से यह रन बनाए। तीन वनडे मैचों की सीरीज में इसी के साथ स्मृति के 343 रन हो गए हैं। वह 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

पहले ही मिताली का रिकॉर्ड कर चुकी हैं बराबर- स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में दो शतक लगाए जिसके चलते उन्होंने अपने वनडे करियर में 7 शतक पूरे किए। भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले मिताली राज के नाम पर था। अब इसे स्मृति ने बराबर कर लिया है। महिला वनडे में सबसे ज्यादा 15 शतक लगाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग के नाम पर हैं जिन्होंने 103 मैचों में ही 15 शतक लगाए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम 13 शतक हैं। इंगलैंड की नेट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की अथापथ्थु, इंगलैंड की टिम ब्यूमोंट और एडवर्ड 9-9 शतक लगा चुकी हैं। अब स्मृति से आगे इंगलैंड की एस टेलर, न्यूजीलैंड की सोफिया डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की के रॉल्टन हैं जोकि 8-8 शतक लगा चुकी हैं।

अभिषेक, रियान, मयंक की होगी भारतीय टीम में एंट्री, आगामी टी-20 सीरीज में मिल सकता है मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा, रियान पराग तथा तेज गेंदबाज मयंक यादव को जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किए जाने की संभावना है। आईसीसी टी20 विश्व कप के समापन के बाद भारत पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा। यह सीरीज 6 जुलाई से शुरू होगी और 14 जुलाई तक चलेगी। सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि इस सीरीज में कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा। अभिषेक और रियान ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन से धमाल मचाया। अभिषेक 16 मैचों में 32.26 की औसत और 204.31 की स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाकर 10वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 75* रहा। अभिषेक ने सीजन में 42 छक्के लगाए और ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार ओपनिंग साझेदारी की। वह एक उपयोगी स्पिन गेंदबाज भी हैं।

रियान एक और ऑलराउंडर हैं जो ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं और स्पिन के कुछ महत्वपूर्ण ओवर कर सकते हैं। कई वर्षों तक निचले क्रम में खराब प्रदर्शन के बाद राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने रियान को चौथे नंबर पर अपग्रेड किया और उन्होंने 16 मैचों में 52.09 की औसत, 149 से अधिक की स्ट्राइक रेट और चार अर्धशतकों के साथ 573 रन बनाकर उन्हें इसका बदला चुकाया। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84* रहा। उनकी लगातार बल्लेबाजी आरआर के प्लेऑफ में पहुंचने के पीछे प्रमुख कारणों में से एक थी। मयंक ने चार मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 12.14 की औसत और 6.98 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए, जिसमें 3/14 का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा रहा।

आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा

पेंशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। उषा ने आईओए की कार्यकारी समिति को सिफारिशें प्रस्तावित की हैं जिन पर जल्द ही चर्चा होगी।

उषा को यह विचार भारतीय तीरंदाज लिंबा राम की दुर्दशा को देखने के बाद आया। प्रस्ताव के मुताबिक आईओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा। उषा ने यहां अपने आवास पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर महान भारतीय खिलाड़ी गुरबचन सिंह रंधावा को सम्मानित करते हुए कहा, आईओए कई एथलीट-केंद्रित कदम उठा रहा है और इनमें से हमारे सभी पूर्व-ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा और पेंशन शामिल है।

उषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति सदस्यों को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व ओलंपियनों के लिए आईओए की ओर से एक छोटी सी मदद है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों के योगदान की सराहना करना चाहते हैं।

रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की घटना के बाद एक्शन में EFA, यूरो मुकाबलों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी

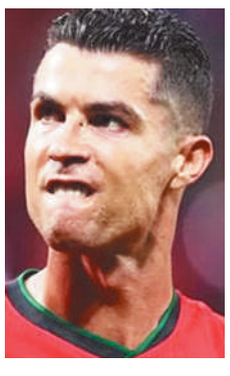

फ्रैंकफर्ट, एजेंसी। पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान शनिवार को चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गए थे । मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की ।

यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी । यूएफा (श्वस्त्र) ने रविवार को कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जायेंगे । हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई । यूएफा ने कहा, पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जाएगा । साथ ही उसे टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जाएगी ।

हिंडनबर्ग मामला : हमें बर्बाद करने के लिए रचा गया षड्यंत्र : गौतम अडानी

कंपनी की 32वीं सालना बैठक में कहा

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने पहली बार हिंडनबर्ग मामले में खुलकर अपनी बात रखी। कंपनी की 32वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) में अरबपति गौतम अडानी ने कहा, हमें बदनाम करने के लिए षड्यंत्र रचा गया था। यह दो-तरफा अटैक था, हमारी वित्तीय स्थिति पर एक अस्पष्ट आलोचना थी। दरअसल पिछले साल हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर शेयरों की वैल्यू बढ़ाने के लिए धांधली के आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में अडानी समूह पर आरोप लगाया था कि वह स्टॉक की कीमत में मैनीपुलेशन कर रहा है। रिपोर्ट के बाद अडानी समूह की अलग-अलग कंपनियों के सभी शेयर अपनी तब की वैल्यू से काफी गिर गए थे। एजीएम की सालना बैठक में अडानी ने कहा, हमने मार्जिन लिंक्ड फाइनेंसिंग में 17,500 करोड़ रुपये की प्री-पेमेंट करके अपने पोर्टफोलियो को किसी भी तरह की वोलैटिलिटी से बचा लिया। अडानी ने शेयरहोल्डर्स के सामने अपनी बात रखकर कहा, हमारी ऑपरेशनल एक्सीलेंस और ट्रांसपेरेंट डिस्क्लोजर के प्रति प्रतिबद्धता को रेटिंग एजेंसियों,वित्तीय संस्था, टोटल एनर्जीज, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प और जीक्यूजी जैसे वैश्विक निवेशकों द्वारा मान्यता मिली। अडानी ने कहा, मल्टीप्लायर इफेक्ट को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर सही भविष्यवाणी की है। 2023 में हमारी रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धियां हमारे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ मेल खाती हैं। जहां इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च के लिए केंद्रिय स्तर पर दिशा-निर्देश निर्धारित होते हैं, वहीं इसके बड़े हिस्से की फंडिंग और एक्शन राज्य स्तर पर होता है। हमारे मामले में, हमारे ऑपरेशन भारत के 24 राज्यों में फैले हुए हैं। हम प्रत्यक्ष रूप से राज्य सरकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हैं, जो इन पहलों को लागू करने में बड़ी भूमिका निभाती हैं।

कश्मीर के सेब तो खूब खाए, अब मुजफ्फरपुर का सेब खाकर देखें

- बिहार के किसान ने भीषण गर्मी में उगाए सेब और सभी को किया हैरान

मुजफ्फरपुर।

सेब जो हमारी सेहत को भी बेहतर बनाता है। इसलिए डॉक्टर रोज एक सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब की खेली ज्यादा तरह कश्मीर, शिमला और हिमाचल प्रदेश में होती है लेकिन अब बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड के गन्नीपुर बेझा गांव के एक किसान रामनंदन प्रसाद अनोखी खेती के लिए सुर्खियों में हैं। उन्होंने भीषण गर्मी वाले इलाके में सेब की खेती कर सफलता हासिल की है और लाखों रुपए कमा भी रहे हैं। गणित में एमएससी करने वाले रामनंदन ने सरकारी नौकरी न कर खेती को ज्यादा तरजीह दी। उन्होंने तीन साल पहले सेब के बागान लगाए और आज वे अन्ना और एचआरएमएन99 किस्म के सेब की खेती रहे हैं जो 50 डिग्री तक तापमान सहन कर सकते हैं। दरअसल, सेब की खेती अमूमन ठंडे प्रदेश कश्मीर, शिमला, हिमाचल प्रदेश जैसे स्थानों पर ही की जाती है, लेकिन मुजफ्फरपुर के रामनंदन ने इस भीषण गर्मी में भी सेब ऊगा कर लाखों रुपए कमा रहे हैं।

रामनंदन ने तीन साल पहले पारंपरिक खेती छोड़ कर सेब के बागान लगाए, जिसमें सेब आने लगे हैं, जिसकी डिमांड मार्केट में काफी है। जानकारी के मुताबिक पहले साल में ही उनके 100 पौधों से दस क्विंटल सेब की पैदावार हुई है। उनका अनुमान है कि जैसे-जैसे पौधे बड़े होंगे, पैदावार बढ़ती जाएगी और पांच साल में एक पेड़ 50 किलो सेब देने लगेगा। रामनंदन जैविक खाद और सिंचाई पर अधिक ध्यान देते हैं। वे किसानों को सेब की खेती के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं और उन्हें ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। इतना ही नहीं, रामनंदन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के तहत भी काम कर रहे हैं, जहां वे कई प्रकार के फल उगाते हैं। उन्होंने कश्मीर जाकर सेब की खेती देखी और वहां से पौधे लाकर अपने खेत में लगाए।

क्वांट म्यूचुअल फंड के दफ्तरों की सेबी ने ली तलाशी, मिलीं अनियमितताएं

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने क्वांट म्यूचुअल फंड के ऑफिसों की तलाशी ली है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी में निवेश-संबंधी गतिविधियों में अनियमितताएं पाईं गई हैं, जिसकी जांच अब मार्केट रेगुलेटर कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक सेबी अधिकारियों ने पिछले हफ्ते फंड हाउस के आफिस में तलाशी ली, जिसके पास करीब 80,000 करोड़ रुपए की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) है। सूत्रों ने बताया कि मार्केट रेगुलेटर की यह कार्रवाई रेगुलर जांच के दौरान पाई गई खामियों के बाद की गई है। ऑडिट फर्मों ने जांच में चिंता जताई और उसकी जानकारी सेबी को सौंपी। सेबी को भेजे गए सवालों का कोई जवाब अभी तक नहीं मिला है। रविवार देर रात निवेशकों को एक संदेश में, क्वांट म्यूचुअल फंड ने कहा कि सेबी की तरफ से पूछताछ की गई है। कंपनी की ओर से बताया कि हाल ही में सेबी ने क्वांट म्यूचुअल फंड से पूछताछ की है, और हम इस मामले में सभी को जानकारी देना चाहते हैं। हम भरोसा दिलाना चाहते हैं कि क्वांट म्यूचुअल फंड एक रगुलेटेड यूनिट है, और यह किसी भी रिव्यू के दौरान रेगुलेटर का पूरी तरह से सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम जांच के लिए मदद करेंगे और सेबी को नियमित और जरूरत के मुताबिक डेटा उपलब्ध कराते रहेंगे। हाल के वर्षों में रिटेल इनफ्लो की वजह से क्वांट म्यूचुअल फंड में शानदार ग्रोथ हुई है। इसका एयूएम मार्च 2020 में 233 करोड़ से बढ़कर मौजूदा समय में 80,470 करोड़ हो गया है। यह म्यूचुअल फंड अपने एनालिटिक्स के आधार पर इन्वेस्टमेंट स्टाइल के लिए जाना जाता है। जानकारों ने बताया कि कुछ और फंड हाउस भी खामियों के लिए सेबी के राडर पर आ सकते हैं। ऐसी प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए, सेबी ने हाल ही में अप्रैल में हुई बोर्ड की बैठक के बाद संभावित बाजार दुरुपयोग को रोकने के लिए इस्टीट्यूशनल मैकेनिज्म का ऐलान किया था। इसके जवाब में, भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एएमएफआई) एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के लिए फ्रंट-रनिंग और इनसाइडर ट्रेडिंग जैसी गलतियों को रोकने के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर रहा हैसेबी ने एएमसीएस को कदाचार और संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग की पहचान के लिए निगरानी और इंटर्नल कंट्रोल बढ़ाने का निर्देश दिया है।

25000 से कम आय वाले कर्ज में, अधिक आय वालों का खर्च कम-बचत ज्यादा

मुंबई ।

मनी व्यू सेविंग्स इंडेक्स 2024 के सर्वे में जो जानकारी सामने आई है। उसके अनुसार भारत में उच्च आय वाले लोग अपनी कमाई की तुलना में खर्च कम करते हैं। बचत ज्यादा करते हैं। जिन लोगों की कमाई 50000 रूपये मासिक से ज्यादा की है। उनमें से 72 फ़ीसदी लोग बचत पर विशेष ध्यान देते हैं। जिन लोगों की कमाई 25000 रूपये से कम की है। उनकी कुल आय का 50 फ़ीसदी हिस्सा घरेलू खर्च में चला जाता है। 25 फ़ीसदी खर्च लोन की किस्त चुकाने में होता है। इस आय वर्ग के बहुत कम लोग 10 से 15 फ़ीसदी की बचत कर पाते हैं। वह भी जिनके परिवार बहुत छोटे होते हैं।

कम और निम्न आय वर्ग के लोग बचत खाते और एफडी में पैसा रखना पसंद करते हैं। ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में रुचि अब बढ़ रही है। टेलीविजन में आने वाले विज्ञापनों के कारण निम्न एवं मध्यम वर्ग म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में बचत करने की सोचने लगा है। इसके बाद भी निम्न और मध्यम वर्ग कम जोखिम और शार्ट ट्र्म वाली बचत में पैसा निवेश करना चाहते हैं। उच्च आय वर्ग के लोग एफडी, बीमा और म्युचुअल फंड में निवेश करने में प्राथमिकता देते हैं। इस सर्वे में यह बात सामने आई। निम्न मध्यम वर्ग और उच्च आय वर्ग के 75 फ़ीसदी लोग प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोचते हैं। 21 फ़ीसदी प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए विशेष प्रयत्न करते हैं। निम्न एवं मध्यम वर्ग के परिवार, शिक्षा, इमरजेंसी फंड, शादी इत्यादि के लिए बचत के अलग-अलग तौर तरीके अपनाते हैं।

पेट्रोल और डीजल के जीएसटी के दायरे में आने से कीमतों में आयेगी गिरावट

नई दिल्ली।

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में लाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। अगर ऐसा होता है तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी कमी आ सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 22 जून को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद कहा था कि केंद्र सरकार हमेशा चाहती है पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे लाया जाए और अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी होगी।दरअसल, पेट्रोल और डीजल पर केंद्र सरकार की ओर से एक्साइज ड्यूटी लगाई जाती है। वहीं इस पर राज्य सरकार वैट वसूलती है। इसके अलावा ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन मिलाकर कीमत तय होती है। मौजूदा समय में दिल्ली में पेट्रोल का बेस प्राइस 55.46 रुपए है। इस पर 19.90 रुपए की एक्साइज ड्यूटी, 15.39 रुपए का वैट लगता है। इसके बाद ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन 20 पैसे और 3.77 रुपए लगता है। ऐसे में आखिरी में कीमत 94.72 रुपए हो जाती है।वहीं, दिल्ली में डीजल का बेस प्राइस 56.20 रुपए है। इस पर 15.80 रुपए की एक्साइज ड्यूटी, 12.82 रुपए का वैट लगता है। इसके बाद ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन 22 पैसे और 2.58 रुपए लगता है तो इसकी अंतिम कीमत 87.62 रुपए हो जाती है। अगर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाते हैं तो काफी फायदा होगा, क्योंकि जीएसटी की अधिकतम दर 28 फीसदी है। दिल्ली में पेट्रोल का बेस प्राइस 55.46 रुपए है। इस पर 28 फीसदी जीएसटी लगा दें तो टैक्स 15.58 रुपए बनता है। अगर ट्रांसपोर्टेशन लागत और डीलर कमीशन 20 पैसे और 3.77 रुपए जोड़ा जाए तो इसकी अंतिम कीमत 75.01 रुपए बनती है। ऐसे में पेट्रोल 19.7 रुपए प्रति लीटर सस्ता मिल सकता है।

कार से भी ज्यादा कीमत वाला है दुनिया का सबसे महंगा बिस्किट

लंदन । जब बात बिस्किट खरीदने की होती है तो यही माना जाता है कि पांच या दस रुपए में मिल जाएगा। उसमें 8-10 बिस्किट मिलेंगे और एक दो लोगों के लिए पर्याप्त होगा। लेकिन यहां जिस बिस्किट की बात हो रही है उसमें ऐसा कतई नहीं है। ये केवल एक बिस्किट है और उसकी कीमत एक छोटी कार की कीमत से भी ज्यादा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्टूबर 2015 में एक बिस्किट नीलाम हुआ, जिसकी कीमत लगी 15 हजार पाउंड यानी आज के हिसाब से 15 लाख रुपये। ये इतना महंगा इसलिए है क्योंकि ये इकलौता ऐसा बिस्किट है, जो टाइटैनिक पर था और सुरक्षित पाया गया था। स्पिलर्स एंड बेकर्स का पायलट क्रैकर बिस्किट टाइटैनिक की एक लाइफ बोट में रखे सर्वाइवल किट में मिला था। इस वजह से इसे दुनिया का सबसे कीमती बिस्किट भी माना जाता है। इस बिस्किट को नीलाम करने वाले नीलामकर्ता एंड्रू एल्ड्रिज ने कहा था कि ये हैरानी की बात है कि एक बिस्किट, इतने भयानक हादसे को झेल गया। उनकी जानकारी में टाइटैनिक से बचा दूसरा कोई बिस्किट उपलब्ध नहीं है। इसे ग्रीस के एक कलेक्टर ने खरीदा था।

आपके काम की खबर.......1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड को लेकर होगा बदलाव

नई दिल्ली । अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बिल पेमेंट के लिए करते हैं, तब ये खबर आपके काम की है। जुलाई का महीना शुरू होने वाला हैं, नए महीने के शुरू होते ही क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट करने का तरीका बदल जाएगा। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर आरबीआई के कुछ नियम लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड के द्वारा बिल पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद पेमेंट की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और इसकी सुरक्षा बढ़ाना है। कुछ प्लेटफॉर्म के द्वारा क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट में मुश्किल हो सकती है। इसमें क्रेड, फोनपे, बिलडेस्क जैसे कुछ प्रमुख फिनटेक शामिल हैं। दरअसल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निर्देश दिए हैं कि 30 जून के बाद सभी क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए से प्रोसेस की जानी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बीबीपीएस एक्टिवेट नहीं किया है। वहीं इन बैंकों ने अभी तक निर्देशों का पालन भी नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट सक्रिय किया है। भारत बिल पेमेंट सिस्टम बिल पेमेंट का इंटीग्रेटेड सिस्टम है, जो ग्राहकों को ऑनलाइन बिल पेमेंट सर्विस देती है। यह बिल पेमेंट के लिए एक इंटरऑपरेबल प्लेटफॉर्म है। यह सिस्टम नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई के अंतर्गत काम करता है। यूपीआई और रूपे पे की तरह बीबीपीएस को भी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। भारत बिल-पे एक इंटरफेस है, जो क्रेड, फोनपे, बिलडेस्क, भीम, पेटीएम, मोबिक्विक जैसे ऐप पर मौजूद है। इसके जरिए एक ही प्लेटफॉर्म पर सारे बिल का पेमेंट किया जा सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक दिख रहीं सभी ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसियां

मुंबई ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखकर कहा है कि ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत के लिए जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है और बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ने कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत पर रहेगी। ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से गैर-कृषि क्षेत्रों की मांग प्रभावित होगी।'' एसएंडपी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 प्रतिशत और सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए एसएंडपी का वृद्धि दर का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान से कम है। इसके पहले केंद्रीय बैंक ने अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहेगी। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया का अनुमान है कि 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

हल्की तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली होने से बाजार संभल गया और अंत में बढ़त पर बंद हुआ। आज सुबह से ही बाजार में गिरावट देखी गयी पर बेंचमार्क सूचकांक सत्र के दूसरे भाग में कुछ हद तक नुकसान की भरपाई हुए नजर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.75 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ अंत में 23,537.85 अंक पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इसमें एमएंडएम, पावर ग्रिड, सन फार्मा, नेस्ले इंडिया और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर रहे। इसके अलावा एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, एलएंडटी, टीसीएस, एशियन पेंट्स आदि रहे।

वहीं सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस और एक्सिस बैंक के शेयर रहे। इसके अलावा बजाज फाइनैंस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एसबीआई, टाटा मोटर्स और कोटक बैंक नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 330 अंक नीचे आकर 76,877 के स्तर पर और निफ्टी 119.80 अंक गिरकर 23,382.30 पर खुला। निवेशकों ने आगामी जीएसटी बैठक को देखते हुए खरीदारी में सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा।

वहीं एशिया-पेसिफिक बाजार में भी गिरावट देखने को मिली। जापान के बाहर एशिया-पेसिफिक शेयरों में एमएससी इंडेक्स पिछले सप्ताह दो साल के शीर्ष स्तर तक पहुंचनेके बाद 0.1 फीसदी नीचे आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.61 फीसदी टूटा, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 0.59 फीसदी गिरा जबकि जापान का निक्केई 0.413 फीसदी फिसदी गिरा। अमेरिका में पिछला सत्र मिला-जुला रहा। एसएंडपी 500 0.16 फीसदी और नैस्डैक 0.18 फीसदी टूटा जबकि डॉव जोन्स में 0.04 फीसदी की बढ़त आई। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने जून महीने में 21 तारीख तक 1,237.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 217.13 अंक या 0.28 फीसदी के लाभ में रहा। वहीं निफ्टी 35.5 अंक या 0.15 फीसदी बढ़ गया।

अप्रैल-जून तिमाही में नई आवासीय इकाइयों में कमी

नई दिल्ली । देश में आम चुनाव के कारण बिल्डरों ने कम संख्या में परियोजनाएं शुरू की हैं। इसकारण अप्रैल-जून तिमाही के दौरान नौ प्रमुख शहरों में नई आवासीय इकाइयों की आपूर्ति में 13 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल-जून में नौ प्रमुख शहरों में नए घरों की आपूर्ति घटकर 97,331 इकाई रही है। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 1,11,657 इकाई का था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान पुणे और हैदराबाद में सबसे कम नए घर पेश किए गए। वहीं दिल्ली-एनसीआर में नई आपूर्ति लगभग दोगुनी हो गई है। विश्लेषण में दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, नवी मुंबई, पुणे और ठाणे को शामिल किया गया। अप्रैल-जून 2024 के दौरान आवास बिक्री में दो प्रतिशत की मामूली गिरावट का अनुमान लगाया है।

भगौड़े विजय माल्या के बेटे की शादी में दिखाई दिया दूसरा भगौड़ा

लंदन । भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करके भागे भगौड़े शराब कारोबारी विजय माल्य के बेटे सिद्धार्थ की लंदन में शादी हो गई है। सिद्धार्थ की शादी में तमाम मेहमान और पारिवारिक मित्र मौजूद थे। इस बीच सबसे ज्यादा चर्चा भारत के एक और भगौड़े ललित मोदी के भी शादी में पहुंचने की है। एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें ललित मोदी भी शादी में नजर आ रहे हैं। यह शादी ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर इलाके में हुई। सिद्धार्थ और जैस्मीन ने पहले ईसाई धर्म के अनुसार शादी की। इसके बाद हिंदू रीति-रिवाज से भी शादी की। ललित मोदी भारत की मशहूर क्रिकेट लीग आईपीएल के पूर्व कमिश्नर रहे हैं। वे आईपीएल में वित्तीय अनियमितता के आरोपी हैं। ललित मोदी के खिलाफ टैक्स धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे केस भी चल रहे हैं। इसके अलावा सिद्धार्थ के पिता विजय माल्या पर बैंकों से लोन फ्रॉड करने का आरोप है। इसके बाद जब हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई तब दुल्हन पिंक लहंगे में दिखाई दीं। इस शादी समारोह की तस्वीरें और वीडियो वहां मौजूद मेहमानों ने शेयर किए हैं। एक वीडियो में सिद्धार्थ और जैस्मीन डांस करते दिख रहे हैं। इसके बाद दोनों एक केक भी काटते हैं।

बेहद अमीरों के सुपर रिच टैक्स के समर्थन में 74 प्रतिशत भारतीय

जुलाई में होगी जी-20 देशों की बैठक

नई दिल्ली । जी-20 देशों के वित्त मंत्री अगले महीने दुनिया के बेहद अमीर (सुपर-रिच) लोगों पर संपदा कर (वेल्थ टैक्स) लगाने को लेकर विचार-विमर्श करने वाले हैं। इस बीच सर्वे में सामने आया है कि इन देशों के 68 फीसदी लोग अमीरों पर इस तरह का कर लगाने के पक्ष में हैं। भारत में यह आंकड़ा और अधिक यानी 74 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि 4 में से 3 भारतीय चाहते हैं कि अमीरों से ज्‍यादा टैक्‍स वसूल किया जाए। इन लोगों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर भुखमरी, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के लिए इस तरह का कर लगाना चाहिए। सुपर-रिच' पर कर लगाने का प्रस्ताव 2013 से लगातार चर्चा में है। पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ रहा है। जी-20 देशों के वर्तमान अध्यक्ष ब्राज़ील का लक्ष्य अमीरों पर टैक्‍स को लेकर आम राय बनाना है। जुलाई में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में इस बारे में संयुक्त घोषणा पर जोर देने की संभावना है। फ्रांसीसी अर्थशास्त्री गैब्रियल जुकमैन मंगलवार को एक रिपोर्ट पेश करने वाले हैं, कि कैसे बेहद अमीर लोगों पर वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कर काम करेगा और इस कितना बढ़ाया जा सकता है। ब्राजील के जी-20 में इस कर के प्रस्ताव के पीछे जुकमैन का ही दिमाग है। जुकमैन का कहना है कि आम लोगों की तुलना में बेहद अमीर लोग काफी कम टैक्‍स देते हैं। प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है। प्रत्येक देश के अरबपति व्यक्ति को प्रस्ताव के तहत अपनी संपदा का दो प्रतिशत सालाना टैक्‍स के रूप में देना होगा। सर्वे के अनुसार, 74 प्रतिशत भारतीय इस कर के पक्ष में हैं। इसमें से 68 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि दुनिया को अगले दशक में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों जैसे बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और भोजन में नाटकीय कार्रवाई करने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने 'कल्याणकारी अर्थव्यवस्थाओं' में बदलाव का समर्थन किया है।

देश में मजबूत सरकार की वापसी.........एफपीआई कर रहे बंपर निवेश

नई दिल्ली ।

आम चुनाव के नतीजों के बाद मजबूत वापसी करते हुए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक (21 जून तक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 12,170 करोड़ रुपए डाले हैं। इसके पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के बीच उन्होंने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली थी। आंकड़ों से जाहिर होता है कि ताजा निवेश के बाद 2024 में एफपीआई की शेयरों से निकासी (21 जून) 11,194 करोड़ रुपए रही है। बाजार जानकार बताते हैं कि वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित रहेगा। हालांकि आम चुनाव के नतीजे एक तरह से आश्चर्यचकित करने वाले थे लेकिन बाजार स्थिर मोदी सरकार के गठन का जश्न मना रहा है। इसके अलावा वृद्धि को समर्थन देने वाले बजट की उम्मीद से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,575 करोड़ रुपए डाले हैं।

मादक पदार्थमन कर बिरुद्ध जागरुकता अभियान कर तहत युवा संवाद कर आयोजन

सोनू सपवार, रांची

बढ़त दवाब से युवामन में मादक पदार्थमन कर लत लगेला- सुनील कुमार

नसा कर कारोबारीमन कर मुध टारगेट युवा हेकयं : डॉ अजीत कुमार सिन्हा

रांची विश्वविद्यालय कर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कर तत्वावधान में मादक पदार्थमन कर बिरुद्ध जागरुकता अभियान कर अंतर्गत युवा संवाद, सपथ, भासन, स्लोगन प्रतिजोगिता कर आयोजन आर्यभट्ट सभागार में 24 जून के करल गेलक। इकर अध्यछता कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा करलयं।

दबाव कर चलते लागेला लत : कार्जक्रम में झारखंड सरकार कर उच्च एवं तकनीकी सिछा बिभाग कर अपर सचिव सुनील कुमार कहलयं कि प्रतियोगी दुनिया में बढ़त दबाव कर चलते युवामन में मादक पदार्थमन कर लत लइग जायेला। ई देस ले घातक आहे। ऊ कहलयं कि कोटा एक बहुत बड़ उदाहरन हेके। अइसन इस्थिति में युवामन के खुदे दृढ़ संकल्पित होए के मादक पदार्थमन कर बिरुद्ध जागरूक होवेक चाही। ऊ नो ड्रग्स मुहिम के युवामन से सक्रिय जागरुकता अभियान चलाएक कर आह्वान करलयं।

युवामन के करयंना टारगेट : अध्यछीय भासन में कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा कहलयं कि मादक पदार्थमन कर कारोबारीमन कर मुध टारगेट युवा हयं, काले कि भारत युवामन देस हय। इके ऊ मन बेस से समझयंना। ऊ कहलयं कि युवा ई देस कर तकदीर आउर तस्वीर हयं। इनकर देस के काफी उम्मीद हेके। ऊ कहलयं कि मादक पदार्थमन कर बिरुद्ध झारखंड सरकार कर द्वारा चलाल जायेक वाला सघन जागरुकता अभियान में बेसी से बेसी युवामन के सामिल करेक कर जरूरत आहे, ताकि गोटे झारखंड के नसा कर चपेट से बचाल जाए सकें।

ईमन भी करलयं संबोधित : युवा संवाद के उच्च एवं तकनीकी सिछा बिभाग कर संयुक्त सचिव राजेश कुमार साह, कुलसचिव डॉ बिनोद नारायण, सीसीडीसी डॉ पीके झा, सीवीएस कर उप निदेसक डॉ स्मृति सिंह, एनएसएस कर कार्जक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार भी संबोधित करलयं।

निर्नायक मंडली में ई सामिल : युवा संवाद कर बाद युवामन कर बीच भासन आउर निबंध प्रतिजोगिता कर आयोजन करल गेलक। प्रतिजोगितामन कर निर्नायक मंडल में डॉ जयप्रकाश रजक, डॉ किशोर सुरीन, डॉ सुजाता टेटे, डॉ हैप्पी भाटिया, डॉ आनंद कुमार भगत, डॉ संदीप कुमार, अनुभव चक्रवर्ती सामिल रहयं।

भासन प्रतिजोगिता कर प्रतिभागी : कुमार सत्यम, आकाश कुमार, आयुष राज राय, आलम कुजूर, दीपक मांझी, अनमोल टोप्पो, प्रणव राम तिवारी, सलोनी कुमारी, ग़ुलाफ़रिन रिजवान, विशाखा कुमारी।

स्लोगन प्रतिजोगिता कर प्रतिभागी : विधि शर्मा, पीयूष कुमार, लवली वर्णवाल, खुशी भारती, संकल्प कुमार, नवीन किशोर, अतुल कुमार, अंजली कुमारी, पुरषोत्तम कुमार, धीरज कुमार, पम्मी कुमारी, अनिष्का कुमारी, स्वर्णिमा सिंह देव, रश्मि सिंह, नीरज कुमार।

26 के करल जाई सम्मानित : ई प्रतिजोगिता में सामिल सफल प्रतिभागीमन के 26 जून कर कार्जक्रम में सम्मानित करल जाई। आइज कर कार्जक्रम के सफल बनाएक में एनएसएस कर टीम लीडर्स सुरभि, अंकित, रिकेष, दीक्षा, निवेदिता, नवीन, हर्षिका, स्वरा, संकल्प, रवि, पीयूष, उज्ज्वल, लवली, मुस्कान, ऋषि, खुशी, उदय आदि कर जोगदान रहे। डॉ ब्रजेश कुमार बतालयं कि 25 जून के मादक पदार्थमन कर बिरुद्ध जागरुकता अभियान कर अंतर्गत निबंध आउर चित्रकला प्रतिजोगिता कर आयोजन करल जाई।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मिललयं सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) कर अध्यछ-सह-प्रबंध निदेसक निलेंदु कुमार सिंह 24 जून के मुलाकात करलयं। मुख्यमंत्री से ई उनकर सिस्टाचार भेंट रहे। जानकारी होवी कि कुछे दिन पहिले निलेंदु कुमार सिंह सीसीएल कर सीएमडी कर पद संभराय हयं। इकर से पहिले डॉ वी बीरा रेड्डी सीसीएल कर सीएमडी कर प्रभार में रहयं। श्री सिंह सीएमडी कर पद संभरायेक से पहिले ईसीएल में निदेसक (तकनीकी) कर पद में कार्जरत रहयं।

सिछा संस्थानमन के तम्बाकू मुक्त बनाई शिक्षा मंत्रालय

□ रास्ट्रव्यापी अभियान कर करलयं सुभारंभ

नई दिल्ली। भारत में तम्बाकू कर उपयोग से ढेइरे किसिम कर रोग पैदा होवत हे। इकर इस्तेमाल से बेक्ति मोरेक कर कगार तक पहुंइच सकेला। देस में हर बछर लगभग 1.35 मिलियन मौत तम्बाकू कर चलते होवेला। भारत तम्बाकू कर दूसर सउब से बड़ उपभोक्ता आउर उत्पादक भी हेके। ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे (जीवाईटीएस) 2019 कर अनुसार देस भइर में 13 से 15 बछर कर उमर कर 8.5 प्रतिसत इस्कूली छात्र बिभिन्न रूप में तम्बाकू कर सेवन करते पावल जाए हयं। हमिन कर इस्कूल भवन आउर परिसरमन कर आसपास तम्बाकू उत्पादमन कर बिभिन्न रूप में आसान पहुँइच के उपरोक्त इस्थिति पैदा करेक वाला प्रमुख कारक में से एक मानल जाएला। रास्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रन कार्जक्रम (एनसीटीपी) कर अंग कर रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य आउर परिवार कल्यान मंत्रालय नाबालिगमन आउर युवामन के तम्बाकू कर सेवन से बचाएक ले सिछा संस्थानमन के तम्बाकू रहित बनाएक ले "तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान" दिसा निरदेस जारी कइर हयं।

शिक्षा मंत्रालय कर इस्कूली सिछा आउर साछरता बिभाग इस्कूलमन ले "तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान कार्यान्वयन मैनुअल" बिकसित कइर हे। इके 31 मई, 2024 के मनाल जायेक वाला बिस्व तम्बाकू निसेध दिवस (डब्ल्यूएनटीडी) में लॉन्च कइर हे। इकर उद्देस देस भइर कर सिछा संस्थानमन के "तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान" दिसा निरदेस कर अनुपालन करायेक आउर #तम्बाकू मुक्त छेतर बनायेक हय। तम्बाकू मुक्त सिछा संस्थानमन कर मिसन के आगे बढ़ाते केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय कर इस्कूली सिछा आउर साछरता बिभाग कर सचिव सउब /केंद्र सासित प्रदेसमन के इस्कूलमन आउर आस-पास कर छेतर में निम्नलिखित गतिविधि सुरू करेक कर सलाह देइ हयं। ई संबंध में "तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान कार्यान्वयन मैनुअल" कर अनुसार तम्बाकू मुक्त सिछा संस्थानमन के दिसा निरदेस कर उचित तरीका से अनुपालन करेक ले एक गो बिस्तृत सलाह जारी करल जाए हे।

ई सलाह जारी

- □ सिछा संस्थान कर परिसर में अधिकृत बेक्ति कर आदेस कर उल्लेख कर संगे 'तम्बाकू मुक्त क्षेत्र' कर साइनेज प्रदरसित करयं।
- □ सिछा संस्थान कर प्रवेस द्वार/चहार-दीवारी में अधिकृत बेक्ति कर आदेस कर उल्लेख कर संगे "तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान" कर साइनेज परदरसित करयं।
- □ परिसर कर भीतरे सिगरेट/बीड़ी कर टुकड़ा इया फेंकल गेल गुटखा/तम्बाकू पाउच, थूकेक कर स्थान जइसे तम्बाकू कर उपयोग कर केऊ सबूत नई होवेक चाही।
- □ सिछा संस्थान कर परिसर में तम्बाकू कर नुकसान कर पोस्टर आउर अन्य जागरूकता सामग्री परदरसित करेक।
- □ सिछा संस्थान में हर छह महीना में कम से कम एक गो तम्बाकू नियंत्रन गतिबिधि कर आयोजन करेक।
- □ 'तम्बाकू मॉनिटर' कर नामांकन आउर उकर नाव, पदनाम आउर संपर्क नंबर साइनेज में दरसाल जायेक चाही।
- □ सिछा संस्थान कर आचार संहिता में "तम्बाकू उपयोग न करने" संबंधी दिसा-निरदेस के सामिल करेक।
- □ सिछा संस्थान कर चहार-दीवारी/बाड़ कर बाहरी सीमा से 100 गज कर छेतर के चिह्नित करेक।
- □ सिछा संस्थान कर 100 गज कर भीतरे कर दुकानमन में केऊ भी प्रकार कर तम्बाकू उत्पाद नई बेचल जाई।
- □ "तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान" कर कार्यान्वयन मैनुअल कर अनुलग्नक-III कर अनुसार तम्बाकू कर उपयोग कर खिलाफ सपथ लेवल जाए।

इकर अलावा ऊ नुक्कड़ नाटक, बिडियो फिलिम, गैर सरकारी संगठन, संसाधन बेक्तिमन आदि कर द्वारा वार्ता कर माध्यम से नसामुक्ति में जागरुकता संदेस फैलाएक में नागरिक समाज कर भूमिका में भी जोर देलयं। तदनुसार, राइज/केंद्र सासित प्रदेसमन के सलाह देल गेलक कि ऊ इस्कूल प्रबंधन समिति कर बैठकी, रास्ट्रीय सामाजिक सेवा आउर विद्यांजलि-स्कूल स्वयंसेवी पहल कर माध्यम से संसाधन बेक्तिमन, ई छेतर में काम करेक वाला गैर सरकारी संगठनमन के सामिल करयं, ताकि छात्र, सिछक, अभिभावक आउर सिछन संस्थानमन में काम करेक वाला कर्मचारीमन संगे सउब हितधारकमन के सामिल करते तम्बाकू कर रोकथाम आउर उपभोग कर बारे में जागरुकता फैलाल जाए सके।

स्थापना दिवस में सेल में 'सिछन आउर बिकास' कर उत्सव

रांची। सिछन आउर बिकास उपरे सम्मेलन 'सेल ज्ञान उत्सव 2024' कर आयोजन सेल कर प्रबंधन परसिछन संस्थान कर द्वारा 24-25 जून, 2024 के रांची में आपन 62वां स्थापना दिवस कर उपलछ में करल जात हे। मुध महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एलएंडडी) संजय धर आउर एमटीआई कर प्रमुख सउब गनमान्य बेक्तिमन आउर प्रतिनिधिमन कर स्वागत करलयं। सम्मेलन कर उद्घाटन सेल कर निदेसक (कार्मिक) केके सिंह ऑनलाइन माध्यम से करलयं। मुध वक्तव्य आईआईएम (रांची) कर निदेसक डॉ. डीके श्रीवास्तव देलयं। ई अवसर में एमटीआई कर पूर्व कार्यकारी निदेसक (मानव संसाधन बिकास) आशीष चक्रवर्ती भी आपन अनुभव साझा करलयं।

सिछन एवं बिकास (एलएंडडी) सेल कर संयंत्रमन/इकाइमन कर एलएंडडी टीममन प्रस्तुतिकरन प्रतिजोगिता में भाग लेलयं। संगठन में एक गो समृद्ध सिछन संस्कृति कर निरमान करेक ले एलएंडडी समुदाय कर संगे लाइन प्रबंधकमन कर तालमेल में एक गो पैनल चर्चा भी आयोजित करल जाए रहे। चर्चा कर फोकस कंपनी कर बेवसायिक उद्देस कर संगे 'सिछन एवं बिकास' लछ के संरेखित करेक आउर सॉप फ्लोर अस्तर में एक सिछन पारिस्थितिकी तंत्र बनायेक ले 'सिछन एवं बिकास' आउर सॉप फ्लोर कर बीच सहयोग के बढ़ावा देवेक रहे।

एमटीआई पिछला बछर कर दौरान संगठन कर द्वारा करल गेल बिभिन्न सिछन पहल जइसे लिंक्डइन लर्निंग, फ्यूचरस्किल्स प्राइम, हार्वर्ड मैनेज मेंटर, रिवर्स मेंटरिंग आउर तरंग, आन्या आउर लीडर एज़ कोच जइसे उत्कृष्ट हस्तछेपमन कर सिर्स सिछार्थिमन के उनकर प्रेरना ले प्रसंसा कर प्रतीक कर रूप में सम्मानित करलयं। सेल संयंत्रमन/इकाइमन में ई पहलमन ले संपर्क कर एकल बिंदु (एसपीओसी) आउर सर्वश्रेस्ठ परसिछन इंजीनियरमन के भी उनकर प्रयास के मान्यता देवेक ले ई अवसर में सम्मानित करल गेलक।

निदेसक (कार्मिक) बिजेतामन के स्मृति चिन्ह आउर जोग्यता प्रमान पत्र प्रदान करलयं। ऊ ई अवसर में 2023-24 कर दौरान आपन उत्कृस्ट परदरसन ले एमटीआई कर अधिकारीमन आउर गैर-कार्यकारीमन के एमटीआई उत्कृस्टता पुरस्कार भी प्रदान करलयं।

सम्मेलन कर दूसर दिन यानी कइल 'सिछन एवं बिकास' में भविस कर फोकस आउर सर्वोत्तम प्रथामन - उद्योग कर अनुभव उपरे पैनल चर्चा कर जोजना बनाल जाए हे। इकर में टाटा स्टील, टेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सिमुलानिस आउर स्किल सॉफ्ट कर प्रतिनिधिमन कर संगे चर्चा करल जाई। 'सिछन एवं बिकास' के अगला अस्तर में लेई जायेक कर रास्ता में सेल कर निदेसक (कार्मिक) कर संगे एक गो ओपन हाउस बातचीत भी निर्धारित आहे। वक्तामन आउर गनमान्य बेक्तिमन कर अभिनंदन कर संगे सम्मेलन दोपहर 1:30 बजे समाप्त होवी।

आईएनएस सुनयना कर मॉरीशस यात्रा होलक संपन्न, पोर्ट लुई से रवाना

नई दिल्ली। आईएनएस सुनयना मॉरीशस कर पोर्ट लुई कर आपन यात्रा 22 जून, 2024 के संपन्न करलक। दुई दिनक यात्रा कर दौरान अंतर्रास्ट्रीय योग दिवस कर अवसर में संयुक्त योग सत्र आउर खेल कार्जक्रम में भारतीय नौसेना आउर मॉरीशस रास्ट्रीय तट रछक कर्मीमन भाग लेलयं।

जहाज कर दौरा कर दौरान आईएनएस सुनयना कर कमांडिंग ऑफिसर कमांडर प्रभात रंजन मिश्रा भारतीय उच्चायुक्त श्रीमती के. नंदिनी सिंगला आउर एमपीएफ कर पुलिस आयुक्त अनिल कुमार डिप से मुलाकात करलयं। परस्पर बातचीत में समुद्री सुरछा कर बिभिन्न पहलुमन उपरे परिचालन सहयोग आउर बिस्वास निरमान उपायमन के रेखांकित करल गेलक। जहाज मॉरीशस तटरछक बल कर संगे एक ठो दोस्ताना वॉलीबॉल मैच में भाग लेलयं।पोर्ट लुई कर गयासिंह आश्रम में आयोजित एक गो लोक संपर्क कार्जक्रम में बुजुर्गमन कर चिकित्सा जांच आउर समुदाय कर मदद ले सुबिधामन कर बितरन कराल गेलक। जहाज आगंतुकमन ले खुला रहे, जेकर में 200 गो से बेसी मेहमान सवार रहयं। आगंतुकमन के जहाज कर छमतामन कर संगे-संगे जहाज कर एक गो निर्देसित दौरा भी कराल गेलक।

पोर्ट लुइ से प्रस्थान कर बाद आईएनएस सुनयना मॉरीशस कर संयुक्त ईईजेड निगरानी कर अगला चरण में रवाना होलक। एमएनसीजी कर समुद्री सवार परसिछन आदान-प्रदान ले जहाज में सवार होलयं। आईएनएस सुनयना कर मॉरीशस यात्रा दुईयों समुद्री देस कर बीच मित्रता आउर अंतर-पारस्परिकता कर घनिसठ बंधन कर पुष्टि करेला।

ओलंपिक दिवस में एथेलेटिक्स, फुटबाल आउर बैडमिंटन टूर्नामेंट कर होलक आयोजन

गिरिडीह। ओलंपिक दिवस कर मौका में खेलकूद आउर युवा कार्य बिभाग एक दिवसीय एथेलेटिक्स, फुटबाल आउर बैडमिंटन टूर्नामेंट कर आयोजन करलक। इकर में 14 बछर बर्ग कर खिलाड़ीमन हिस्सा लेलयं। गिरिडीह स्टेडियम आउर मिनी स्टेडियम में आयोजित ई प्रतिजोगिता कर उद्घाटन अपर समाहर्ता विजय सिंह बिरुआ, खेल अधिकारी अर्जुन बारला आउर खाध सुरछा अधिकारी पवन कुमार दीप जलाय के करलयं।

एक दिवसीय टूर्नामेंट में जिला खेल संमवयक रघु राज रोशन, फुटबाल ट्रेनर मुकेश राम आउर मनौवर अंसारी समेत कई सामिल होलयं। स्टेडियम आउर मिनी स्टेडियम में आयोजित फुटबाल टूर्नामेंट, एथेलेटिक्स आउर बेडमिंटन टूर्नामेंट के लेइ के प्रतिभागीमन में उत्साह भी दिखलक। हुवें देर सांझ के परिनाम कर घोसना करते बिजेता खेलाड़ीमन के पुरस्कृत करल गेलक।

एथेलेटिक्स कर 60 मीटर कर दौड़ में बालक वर्ग में पहिल स्थान- अर्नव राज, दूसर स्थान- मो समर आउर तीसर स्थान- आदित्य राज रहयं। 60 मीटर बालिका वर्ग कर दौड़ में पहिल स्थान- जोनशी हंसदा, दूसर स्थान- साक्षी सुप्रिया आउर तीसर स्थान- अदिति प्राप्त करलयं। 600 मीटर कर बालक वर्ग कर दौड़ में पहिल स्थान- प्रेम कुमार दास, दूसर स्थान- कुंदन कुमार आउर तीसर स्थान- प्रेमांशु आउर 600 मीटर बालिका वर्ग कर दौड़ में पहिल स्थान- वर्षा कुमारी दूसर स्थान- रोजिलाइन हंसदा आउर तीसर स्थान- राजनंदनी कुमारी प्राप्त करलयं।

लॉग जम्प (बालक) में पहिल स्थान- मो समर दूसर स्थान- प्रिंस कुमार आउर तीसर स्थान- आयुष कुमार आउर लॉग जम्प (बालिका) में पहिल स्थान-अदिति चौधरी दूसर स्थान- श्रृष्टि हेसा तीसर स्थान- मरियम परवीन प्राप्त करलयं। शॉर्ट पुट (बालक) में पहिल स्थान - अनिरुद्ध शर्मा दूसर स्थान- सममान अंसारी आउर तीसर स्थान- कुंदन कुमार प्राप्त कइर के बिजयी रहयं। फुटबॉल टूर्नामेंट बालक में आवसीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र, गिरिडीह बिजेता आउर उपबिजेता- हॉली क्रॉस स्कूल, पचम्बा रहे। बैडमिंटन बालक सिंगल्स में बिजेता- अंकित कुमार आउर उपबिजेता- अंकित कुमार यादव आउर बैडमिंटन बालिका सिंगल्स में बिजेता- प्रगीति प्रणव आउर उपबिजेता-राशि कुमारी रहयं। ई सउब प्रतिजोगितामन में लगभग 300 ठो खेलाड़ीमन भाग लेलयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी**ः jharkhandwanitaudyog@gmail.com